मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मैं एक एक्टर हूं मेरा काम... 11

वर्ष - 02, अंक - 129 | गाजियाबाद / मंगलवार 11 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के विरोध में दिल्ली में जुटे साधु-संत

पीएम मोदी से की सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में हुए चढ़ावा चोरी के विरोध में देशभर से 100 से ज्यादा संत-महंत और महामंडलेश्वरों ने सोमवार को बाराखंबा रोड स्थित नेपाली दूतावास के पास एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मामले में शामिल लोगों पर कार्रवाई करने के लिए ज्ञापन सौंपने को इकट्ठे

हुए हैं। प्रदर्शन में ज्ञापन देने के लिए शामिल इंद्रप्रस्थ पीठ के संत जगद्गुरु स्वामी रामानुजाचार्य ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हैं कि ट्रस्ट में शामिल वे लोग जो भी मामले में संलिप्त हैं उनपर कार्रवाई कर जेल भेजा जाना चाहिए। इस कृत्य के चलते संतों को हेय दृष्टि से देखा जा रहा है। इससे सनातन धर्म को नुकसान हो रहा है। इसलिए किसी को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए, न ही किसी को भी बचाया जाना चाहिए। पीएम आवास तक जाने की परमीशन नहीं होने के कारण सभी संतों को पुलिस ने मंडी हाउस से आगे नहीं जाने दिया गया।

मोहाली में छात्रा से 48 घंटे में 2 बार गैंगरेप

बेहोशी की हालत में फेंका, फ्रेंडशिप से मना किया था; पर्ची में आरोपी का नाम-मोबाइल नंबर मिला

मोहाली (एजेंसी)। मोहाली में 16 साल की छात्रा को किडपैन कर 48 घंटे में 2 बार गैंगरेप किया गया। एक आरोपी कई दिन से छात्रा से फ्रेंडशिप करने के लिए कह रहा था। छात्रा ने इनकार किया तो उसने अपने 2 और साथियों के साथ उसे स्कूल जाते वक्त कार में उठा लिया। फिर अज्ञात जगह पर ले जाकर

तीनों ने बारी-बारी से उसका रेप किया। फिर उसे घर के पास छोड़ दिया।
अगले दिन फिर उसी स्कूल टाइम में वह लड़की को उठा ले गए और फिर से गैंगरेप किया। इस बार उसे बेहोश हालत में ही गिफ्ट शॉप के पास फेंक गए। छात्रा ने किसी राहगीर से फोन लेकर घर पर फोन कर माता-पिता को उसे ले जाने के लिए कहा। बेहोशी और गैंगरेप की वजह से लड़की चल भी नहीं पा रही थी। इससे माता-पिता को पूरे मामले का पता चला। लड़की से पुलिस को आरोपी के फ्रेंडशिप के लिए दी गई पर्ची मिल गई है, जिसमें आरोपी ने अपना नाम व मोबाइल नंबर दिया है। फिलहाल आरोपियों पर केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान व तलाश की जा रही है।

विधानसभा परिसर के काफी करीब पहुंचे छात्र, बढ़ाई गई सुरक्षा

बैरिकेड तोड़ने पर पुलिस से झड़प

छात्रों का विधानसभा मार्च हुआ उग्र, छात्रों पर लाठीचार्ज, कई घायल, आंसू गैस के गोले दागे

बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश, वाटर कैनन का इस्तेमाल

रांची (एजेंसी)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने सोमवार को विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। इस दौरान छात्रों ने पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी और विधानसभा की ओर बढ़ने लगे। छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए लाठी चार्ज किया। झारखंड के रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा के करीब पहुंच गए हैं। वहीं पर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो से तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। इसमें कुछ छात्रों के सिर पर चोटे आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने जवाब में पानी की बोतल और चप्पलें फेंकीं।

रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा विवाद को लेकर विधानसभा घेराव कर रहे छात्रों ने पुलिस की बैरिकेडिंग को धता बताते हुए सुरक्षा घेरे को पार कर विधानसभा परिसर के काफी नजदीक तक पहुंचने का प्रयास किया। छात्रों की बड़ी संख्या में इस तरीके से आगे बढ़ने से मौके पर तनाव बढ़ गया। विधानसभा की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए छात्र लगातार आगे बढ़ते रहे। सुरक्षा घेरे के करीब पहुंचने की लगातार कोशिश के कारण पुलिस के लिए स्थिति को काबू में रखना चुनौतीपूर्ण हो गया। मौके पर सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती भी बढ़ा दी गई है।

हजारों की संख्या में छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने इन्हें रोकने के लिए कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है।

पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया।

तौलकर बेच रहे नौकरी, वाटर कैनन पर रेन डांस

झारखंड पीएससी-एसएससी में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा घेरने पहुंचे। इस दौरान कई जगह बैरिकेडिंग तोड़ी गई, तो कहीं बैरिकेडिंग पर छात्र चढ़ गए। कंटीले तार भी छात्रों को नहीं रोक पाए, वो इसे भी पार करके आगे बढ़े। प्रदर्शन के बीच छात्र की गांधीगिरी दिखी वो एक हाथ में गुलाब और एक में तिरंगा लेकर पहुंचा। वहीं कोई स्पाइडमैन तो कोई पुष्पा राज की स्टाइल में बात करते दिखा। छात्रों ने तिरंगा से लेकर फ्लैश मार्च तक निकाला। परीक्षा की धांधली रोकने पहुंचा स्पाइडरमैन। तौल कर नौकरी बेच रहे छात्र। वाटर कैनन पर छात्रों का रेन डांस हुआ। छात्रों ने गांधीगिरी की, गुलाब लेकर पहुंचे कई छात्र।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते अरेस्ट

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सोमवार को बड़ा एक्शन सामने आया है। झारखंड

सीआईडी ने झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन एल. खियांग्ते को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब रांची में बड़ी संख्या में छात्र और अभ्यर्थी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और विधानसभा घेराव के लिए मार्च कर रहे हैं।

सात घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तारी- गिरफ्तारी से पहले सीआईडी ने एल. खियांग्ते से करीब सात घंटे तक पूछताछ की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, वह सुबह करीब 11 बजे जांच एजेंसी के सामने पेश हुए और शाम करीब 6 बजे तक उनसे पूछताछ चली।

पीएम मोदी से मिले एनसीपी-एसपी सांसद

चर्चा में महाराष्ट्र के सूखे-प्याज से नदी प्रदूषण तक मुद्दे उठे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी आठ लोकसभा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब 15 मिनट चली बैठक में महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सांसदों ने पीएम के सामने कौन-कौन से मुद्दे रखे?
एनसीपी (शरद पवार गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी आठ लोकसभा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान महाराष्ट्र से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक करीब 15 मिनट चली। सुप्रिया सुले ने बैठक के बाद कहा कि प्रधानमंत्री के साथ महाराष्ट्र के मुद्दों पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, सांसदों ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों से जुड़े विषय प्रधानमंत्री के सामने रखे।

क्या सांसदों ने सूखा और प्याज की कीमतों का मुद्दा उठाया?
सूत्रों के अनुसार, एनसीपी (एसपी) सांसदों ने अपने क्षेत्रों से जुड़े कई मुद्दों पर प्रधानमंत्री से चर्चा की। इनमें सूखे की स्थिति, प्याज की कीमत और चंद्रभागा नदी में प्रदूषण जैसे विषय शामिल रहे। सांसदों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं को बैठक में रखा।

क्या बैठक में एफसीआरए संशोधन विधेयक पर भी चर्चा हुई?
करीब 15 मिनट चली इस बैठक में विवादित एफसीआरए संशोधन विधेयक का मुद्दा नहीं उठा। सुप्रिया सुले मौजूदा स्वरूप में इस विधेयक का विरोध करती रही हैं। शनिवार को उन्होंने कहा था कि विदेशी फंडिंग को हमेशा संदेह की नजर से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने केंद्र से विधेयक को वापस लेने या इसे संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी के पास भेजने की मांग की थी।

तमिलनाडु विधानसभा में कार्यक्रमों में पहले राज्य गीत 'तमिल थाई' गाने का प्रस्ताव

डीएमके-एआईएडीएमके ने दिया समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। सीएम विजय ने तमिलनाडु में कार्यक्रमों की शुरुआत में राज्य गीत 'तमिल थाई वाझथु' अनिवार्य रूप से गाने का प्रस्ताव रखा। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी दफ्तरों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में इसे लागू करने के प्रस्ताव को डीएमके,एआईएडीएमके और कांग्रेस ने समर्थन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'तमिल थाई वाझथु' को राज्य में सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए और इसके सम्मान से समझौता नहीं होगा। यह गीत 2021 में तमिलनाडु के राज्य गीत का आधिकारिक दर्जा पा चुका है। यह प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय की 9 जुलाई की टिप्पणी के बाद आया है।

उप्र में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर, दिल्ली में झमाझम

मप्र में नाले में बही कार, 9 की मौत,बाड़मेर-बीकानेर में सड़कें डूबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल पर भारी बारिश के बीच ईको वैन नाले में बह गई। वैन में 11 लोग सवार थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। दो तैरकर बाहर निकल आए। तेज बारिश के कारण नाले का पानी पुल के ऊपर से बह रहा था। ड्राइवर को अधूरा पुल दिखाई नहीं दिया, जिससे वैन नाले में जा गिरी।

राजस्थान के जयपुर स्थित कानोता और झालावाड़ का कालीखाड़ डैम ओवरफ्लो हो गया है। झीकनी गांव के स्कूल में पानी

भर गया। यहां फंसे 30 विद्यार्थियों को गांव के लोगों की मदद से रेस्क्यू किया गया। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में रविवार रात सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। बाड़मेर में भी सड़कें लबालब हो गईं। रेलवे स्टेशन, सब्जी मंडी, हॉस्पिटल रोड समेत प्रमुख इलाकों में 2 से 4 फीट तक पानी भर गया। कई जगह दुकानों और घरों में भी पानी घुस गया।

यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लोग सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। काशी में सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है।

एमपी के राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल से बही कार

राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल से ईको कार बह गई। इसमें कुल 11 लोग सवार थे। 9 की मौत हो गई। दो लोग बाहर निकाल आए। हादसा पचोर-सारंगपुर रोड पर पड़ाना कस्बे में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात हुआ। सूचना मिलते ही एसडीएम रोहित बम्होरे और एसडीओपी अरविंद सिंह मौके पर पहुंचे।

अमित शाह जंतर-मंतर लाठीचार्ज मामले पर संसद में जवाब देंगे

- रिजिजू बोले- विपक्ष को सुनना पड़ेगा, भाग नहीं सकते; विपक्ष गृहमंत्री के बयान पर अड़ा था

ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल बिना चर्चा के पारित, विपक्ष ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन और पुलिस एक्शन मामले पर सदन में जवाब देंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि शाह विस्तार से जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा।

हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस एक्शन को लेकर विपक्ष लगातार गृहमंत्री के बयान की मांग कर रहा है। शाह संसद परिसर में नियमित रूप से आ रहे हैं, लेकिन उन्हें सदन में नहीं देखा गया है।मानसून सत्र 20 जुलाई से चल रहा है। 13 अगस्त को इसका समापन है। तीन हफ्ते के दौरान लगातार हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित हुई है। एंटी-पेपर लीक बिल पर बहस के अलावा किसी और मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई है।

कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया - कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया और 10 अगस्त से 12 अगस्त के दौरान सदन में मौजूद रहने का आदेश दिया।

संसद में गतिरोध से स्पीकर ओम बिरला चिंतित, फ्लोर लीडर्स से की सदन चलाने में सहयोग की अपील

संसद के मौजूदा मानसून सत्र में लगातार जारी गतिरोध को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को चिंता जताई। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी 'बीएसी) की

बैठक में स्पीकर ने सभी दलों के फ्लोर लीडर्स से सदन की कार्यवाही सुचारू और व्यवस्थित तरीके से चलाने में सहयोग करने की भावुक अपील की। स्पीकर ने कहा कि संसद लोकतंत्र का ऐसा मंच है जहां जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया और उन पर व्यापक चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सदन में प्रश्नकाल हो, महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा हो और सांसदों को अपने क्षेत्रों और जनता से जुड़े मुद्दे उठाने का अवसर मिले।

मायावती के भतीजे आकाश बोले

अखिलेश-राहुल 50 साल के बूढ़े, इन्हें अंकल कहूंगा

हाथरस (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने सोमवार को हाथरस में चुनावी रैली को संबोधित किया। अखिलेश यादव और राहुल गांधी को अंकल कहकर बुलाया। उन्होंने कहा- मैं 30 साल का हूं और अखिलेश जी 50 साल के। मैं 50 साल के वृद्ध को अंकल नहीं कहूंगा तो और क्या कहूंगा। हालांकि, अखिलेश की सही उम्र 53 साल है, जबकि राहुल की 56 साल है।

आकाश ने कहा- राहुल अंकल एक किताब लेकर घूमते हैं। संविधान की बात करते हैं। अगर किताब पलट दी जाए तो पता चलेगा कि उसके पन्ने खाली हैं। वे संसद में संविधान की बात करते हैं, लेकिन जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, वहां वही काम कर रहे, जो भाजपा यूपी में कर रही है।

आकाश आनंद ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा- एथेनॉल पेट्रोल के नाम पर 110 रुपए में गन्ने का रस बेच रहे हैं। देश में सबसे बेकार एक्सप्रेस-वे बनाए जा रहे हैं।

जब तक किरोड़ी लाल के शरीर में जान है, कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता

–राजस्थान के कृषि मंत्री ने आदिवासी महोत्सव में आरक्षण का किया समर्थन

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने एक आदिवासी महोत्सव में आरक्षण का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जब तक मैं जीवित हूं तब तक आरक्षण को खत्म नहीं किया जा सकता है। मीणा ने आरक्षण खत्म करने की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा कि जब तक किरोड़ी लाल के शरीर में जान है, कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता। मंत्री ने आदिवासी युवाओं से नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने और सामाजिक बुराइयों से लड़ने के लिए मिलकर काम करने की अपील भी की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम के दौरान मीणा के राजनीतिक जीवन और संघर्षों पर आधारित एक किताब भी लॉन्च की गई। किरोड़ी लाल मीणा ने अपने राजनीतिक सफर के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्होंने करीब 600 आंदोलनों में हिस्सा लिया है, 17 बार जेल गए हैं और 138 कानूनी मामलों का सामना किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। मीणा ने उन हालात का भी जिक्र किया जिनकी वजह से पंच अठाई को मीणा हाई कोर्ट के नाम से जाना जाने लगा। उन्होंने पंचायत से जुड़े एक विवाद का जिक्र किया, जब लगभग 50,000 लोगों की भीड़ दौसा की ओर मार्च कर रही थी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं।

मीणा के मुताबिक जब भीड़ कई किलोमीटर आगे बढ़ गई, तो प्रशासन ने 14 गांव के बुजुर्गों या पंचों को बुलाया और उन्हें भीड़ के हवाले कर दिया। उन्हें आज भी समझ नहीं आता कि प्रशासन ने ऐसा फैसला क्यों किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता की शक्ति ही सर्वोपरि है और बताया कि इसी संघर्ष ने पंच अठाई को मीणा हाई कोर्ट की पहचान दिलाई। पंचना बांध से पानी का मुद्दा उठाते हुए मीणा ने लंबे संघर्ष के बाद पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने यह भी बताया कि चंबल नदी का पानी दौसा लाने का काम चल रहा है।

पुरानी घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 1985 में उनकी जान जा सकती थी, लेकिन ईश्वर की कृपा से वे बच गए। इस दौरान छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए, जबकि सरकारी कॉलेज के छात्रों ने मीणा संस्कृति को दर्शाने वाले कार्यक्रम पेश किए। मध्य प्रदेश के आदिवासी बच्चों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, और स्टंट प्रदर्शन कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे।

मुजफ्फरपुर में पहली बार कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, भक्तिमय हुआ माहौल

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। जिले में पहली बार कांवड़ियों पर हेलीकाप्टर से पुष्पवर्षा की गई। पहले सोमवार को सुबह सात बजे का समय तय किया था, लेकिन मौसम खराब होने और आसमान में बादल छाए रहने के कारण इसमें देरी हुई। करीब साढ़े आठ बजे हरिसभा चौक, रामदयालु, बाबा गरीबनाथ मंदिर, साहू पोखर और जिला स्कूल के समीप कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की गई। भक्ति में उत्साह का माहौल रहा। हर-हर महादेव के नारे से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा। चारों तरफ भगवान शिव के जयकारे और बाबा गरीबनाथ की जय का उद्घोष सुनाई दे रहा था। बाबा गरीबनाथ धाम पर जलाभिषेक करने वाले कांवड़ियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे शहर के लिए यह एक अलौकिक अनुभूति थी। सड़कों पर असंख्य कांवड़ियों के साथ लोग अपने घरों के छत पर भी खड़े होकर इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने। विदित हो कि पहलेजा घाट से जलबोझी कर बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने की परंपरा दशकों पुरानी है। कांवड़ियों की सेवा कई प्रकार से जिला प्रशासन से लेकर अलग-अलग विभाग और सेवा दलों के द्वारा की जाती रही है, लेकिन यह पहला अवसर था जब पुष्पवर्षा की गई। कांवड़िया मार्ग में जिला प्रशासन की ओर से माइकिंग कर भी इसकी जानकारी दी गई थी। इससे कांवड़ियों में उत्साह का माहौल था। विदित हो कि उत्तराखंड और युपी समेत अन्य राज्यों में कांवड़ यात्रा के दौरान हेलीकाप्टर से भक्तों पर पुष्पवर्ष कराए जाने की परंपरा सालों से चली आ रही है, लेकिन बिहार में यह पहला मामला है जब कांवड़ियों पर आसमान से पुष्पवर्षा कराई गई।

मुंबई में अवैध रूप से रह रहे 44 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों का पता चला

मुंबई (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से प्रवेश कर मुंबई के अलग-अलग इलाकों में रह रहे 44 बांग्लादेशी नागरिकों का वर्सोवा पुलिस ने पता लगाया है। पुलिस के अनुसार, चालू वर्ष में वर्सोवा और मुंबई के विभिन्न हिस्सों में की गई कार्रवाई के दौरान इन लोगों की पहचान की गई। यह कार्रवाई उत्तर प्रादेशिक विभाग के उत्तर परिमंडल-1 के अंतर्गत आने वाले वर्सोवा पुलिस थाने की आतंकवाद विरोधी टीम ने की। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि संबंधित लोगों ने वैध अनुमति या आवश्यक दस्तावेजों के बिना सीमा पार कर भारत में प्रवेश किया और इसके बाद मुंबई के विभिन्न इलाकों में रह रहे थे। पुलिस अब इनके भारत में प्रवेश और यहां रहने से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अवैध घुसपैठ से जुड़ी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वर्सोवा पुलिस की आतंकवाद विरोधी टीम ने जानकारी जुटाई। इसके बाद मुंबई के अलग-अलग इलाकों में जांच और दस्तावेज सत्यापन अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान 44 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाया गया। पुलिस ने उनके पहचान दस्तावेजों, भारत में रहने की अनुमति और देश में प्रवेश से संबंधित कागजात की जांच शुरू की है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छात्र प्रदर्शन पर सियासत गर्म : सीजेपी प्रवक्ता को पाखंडी कहने पर बवाल

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में छात्र अपनी परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनों को सफल बनाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बड़े नेता अभी तक रांची नहीं पहुंचे हैं, हालांकि एआईएसए की नेहा बोरा वहां मौजूद हैं। इस बीच, सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने छात्रों के समर्थन में वीडियो साझा किया, जिसमें रांची में मार्च निकालते हजारों छात्र दिख रहे हैं। इस पोस्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट्टर समर्थक और बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखा तंज कसा। पूनावाला ने सौरव दास को दोमुंहे, सुविधा-संपन्न पाखंडी कहकर सवाल किया कि क्या वे जीके1 से ही समर्थन कर रहे हैं?। यह बयान तब आया है जब रांची में छात्र विधानसभा का घेराव करने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। शहजाद पूनावाला बीजेपी छोड़ने के बाद भी लगातार पीएम मोदी के पक्ष में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। सौरव दास ने अपने वीडियो में शाम के समय छात्रों के शांतिपूर्ण मार्च को दर्शाया था, जिस पर यह विवाद छिड़ा है।

पीएम मोदी–सीएम योगी की तस्वीरों से सजाई कांवड़ बनी आकर्षण का केंद्र

-हापुड़ में लोगों ने किया फूल-मालाओं से शिवभक्तों का स्वागत, बरसाए फूल

हापुड़ (एजेंसी)। श्रावण मास में हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कावड़ियों की आस्था के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। बुलंदशहर जिले के आवास विकास क्षेत्र के रहने वाले शिवभक्तों की एक भव्य कांवड़ आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। कांवड़ को पीएम मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की तस्वीरों और कटआउट से विशेष रूप से सजाया गया है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर

बुलंदशहर लौट रहे शिवभक्तों का जत्था रविवार को हापुड़ शहर में पहुंचा। कांवड़ पर सजी तस्वीरों को देखने लोगों की भीड़ जुट गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांवड़ की सजावट और श्रद्धालुओं के उत्साह ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। हापुड़ में प्रवेश करते ही लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। लोगों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। बुलंदशहर के रहने वाले शिवभक्तों ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल गंगाजल लाने की धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आस्था और संस्कारों से जुड़ी यात्रा है। कांवड़ पर पीएम मोदी और सीएम योगी की तस्वीरें लगाने का उद्देश्य आध्यात्म के साथ देश और प्रदेश के प्रति सम्मान की भावना को प्रदर्शित करना है। शिवभक्तों ने कहा कि उनके लिए आध्यात्म और देशभक्ति अलग-अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी भावनाएं हैं।

एफसीआरए बिल पर कांग्रेस का कड़ा रुख : बताया ईसाई विरोधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में सरकार द्वारा विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम (एफसीआरए) में संशोधन के लिए नया बिल लाने की चर्चा के बीच, कांग्रेस ने इसका पुरजोर विरोध कर रही है। कांग्रेस ने प्रस्तावित एफसीआरए बिल को ईसाई विरोधी बताया है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि यह विधेयक देश में काम कर रहे अल्पसंख्यक संगठनों, विशेषकर ईसाई समुदायों द्वारा संचालित दूर-दराज के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में चल रहे स्कूलों और अस्पतालों को बुरी तरह प्रभावित करेगा। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने चिंता जाहिर की है कि नए नियमों के तहत जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या उप-जिला मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को उल्लंघन के आरोप में किसी भी संस्था की संपत्ति पर कब्जा करने का अधिकार मिल जाएगा, जिसमें पुराने मामले भी शामिल है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर मोदी सरकार जल्दबाजी में बिल लाती है, तब उनका यह सपना पूरा नहीं होने दिया जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस केवल एक विधायी मुद्दा नहीं, बल्कि अल्पसंख्यक वोटर्स को अपने पाले में लाने का एक बड़ा मौका मान रही है। केरल और पूर्वोत्तर के राज्यों के अलावा आंध्र प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में भी ईसाई आबादी का एक बड़ा हिस्सा है, कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर एकजुट करने की उम्मीद कर रही है। इससे पहले बजट सत्र के दौरान भी कांग्रेस ने इसी मुद्दे पर हंगामा किया था। समाजवादी पार्टी ने भी बिल का विरोध करने का मन बनाया है और अपने सांसदों को संसद में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए पत्र जारी किया है, जिससे यह साफ है कि विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट होकर एनडीए की घेराबंदी करेगा। दरअसल एफसीआरए एक ऐसा कानून है जो भारत में गैर-सरकारी संगठनों और धार्मिक निकायों द्वारा विदेशी फंडिंग के उपयोग को नियंत्रित करता है।

भारी वर्षा के बीच जिलाधिकारी ने डाक कांवड़ियों और श्रद्धालुओं से गंगा घाटों पर सतर्कता बरतने की अपील की

हरिद्वार (शिखर समाचार) जनपद में हो रही भारी वर्षा को देखते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने डाक कांवड़ियों और श्रद्धालुओं से गंगा घाटों पर विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने यात्रियों से मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित स्थानों पर रहने और प्रशासन की ओर से जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने को कहा है। जिलाधिकारी ने गंगा घाटों पर तैनात पुलिस बल, सुरक्षा कर्मियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि भारी बारिश के कारण गंगा का जलस्तर बढ़ने अथवा तेज बहाव की स्थिति में कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। घाटों और कांवड़ यात्रा मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा संवेदनशील और जोखिम वाले स्थानों पर श्रद्धालुओं को जाने से रोका जाए। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने डाक कांवड़ यात्रियों से अपील की कि भारी बारिश के दौरान गंगा में स्नान करने और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु प्रशासन और पुलिस के निर्देशों का पालन करते हुए सावधानीपूर्वक अपनी यात्रा पूरी करें।

जिलाधिकारी ने भारी वर्षा के कारण जलभराव वाले क्षेत्रों में तत्काल जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि जलभराव की सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करें, ताकि स्थानीय लोगों और कांवड़ यात्रियों को परेशानी न हो।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि भारी वर्षा के कारण जनपद के किसी भी क्षेत्र में कोई घटना घटित होने पर उसकी तत्काल सूचना नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराई जाए, ताकि बिना देरी के राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए जा सकें। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से कांवड़ मार्गों, गंगा घाटों और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है।

–ममता बनर्जी के काफिले पर हमले पर सियासत तेज

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी बोले- जनता के गुस्से का नतीजा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस के मृत कार्यकर्ता के परिजन से मिलने जा रहीं ममता बनर्जी के काफिले के विरोध को लेकर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को दावा किया कि विरोध प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी के किसी कार्यकर्ता ने नहीं किया, बल्कि यह जनता के भारी गुस्से का नतीजा था। उन्होंने कहा कि मौके पर न तो भाजपा का कोई कार्यकर्ता मौजूद था और न ही पार्टी का झंडा दिखाई दिया। हलीशहर जाते समय प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के वाहन को घेर लिया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनकी कार पर कीचड़, जूते और पत्थर भी फेंके। ममता बनर्जी उस तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं, जिसकी कथित तौर पर पुलिस हिरासत में मौत हुई थी।

शुभेंदु अधिकारी ने घटना में भाजपा की किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार करते हुए ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी है और इसी वजह से उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। अधिकारी ने आरजी कर मामले की पीड़िता को लेकर भी ममता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ममता को पीड़िता के परिवार से मिलकर माफी मांगनी चाहिए थी। अधिकारी ने कहा कि पीड़िता की मां हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा विधायक चुनी गई हैं। उन्होंने ममता बनर्जी से सवाल किया कि वह पीड़िता की दूसरी बरसी पर उसके परिवार से मिलने क्यों नहीं गईं। ममता बनर्जी ने अपने काफिले पर हुए विरोध के लिए भाजपा समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि दिवंगत तृणमूल कार्यकर्ता के परिवार को भाजपा समर्थकों की ओर से धमकाया जा रहा था। ममता ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार के इशारे पर पुलिस बल का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने ममता बनर्जी के काफिले पर कथित हमले की निंदा की। उन्होंने भाजपा पर राज्य में अराजकता और भय का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया और इसे बदले की राजनीति का गंभीर उदाहरण बताया। घटना के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। जहां भाजपा इसे जनता के आक्रोश से जोड़ रही है, वहीं ममता बनर्जी और विपक्षी दल इसे राजनीतिक हिंसा और बदले की कार्रवाई बता रहे हैं।

अरुणाचल पर चीन का 'नक्शा विस्तारवाद' : पूर्व विदेश सचिव भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिबल ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के निरंतर दावों और भारतीय स्थानों को बार-बार काल्पनिक नाम देने की उसकी रणनीति पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सिबल ने चीन की इस हरकत को 'कार्टोग्राफिक टेरिटोरियल एक्सपैंशनिज्म' यानी नक्शों के जरिए क्षेत्रीय विस्तारवाद बताया है। उन्होंने कहा कि चीन मनगढ़ंत नाम देकर अपने दावों को मजबूत करने की कोशिश करता है। पूर्व विदेश सचिव सिबल ने भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के नाम आधिकारिक तौर पर तय करने को चीन की इस विस्तारवादी नीति का करारा जवाब बताया। उन्होंने भारत के सर्वे ऑफ इंडिया के आधिकारिक नक्शों को अपडेट करने और स्थानों को मानकीकृत करने का सीधा परिणाम बताया।

पूर्व विदेश सचिव सिबल ने तिब्बत का जिक्र किया। उन्होंने याद दिलाया कि भारत ने चीनी सेना के तिब्बत पर कब्जे को स्वीकार किया था, लेकिन इसके बावजूद चीन संतुष्ट नहीं है और अब वह भारत के साथ लगते अतिरिक्त इलाकों पर दावा कर रहा है। पूर्व विदेश सचिव सिबल ने कहा कि तिब्बत पर नियंत्रण के बाद चीन पहली बार सीधे भारत के साथ सटा और तभी से वह भारतीय क्षेत्र पर अपनी नज़र गड़ाए हुए है। उन्होंने चीन की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं को केवल भारत तक सीमित न मानते हुए छोटे देश भूटान का भी उल्लेख किया, जिसे चीन ने अपने क्षेत्रीय दावों से नहीं बख्शा है।

यह बयान तब आया है जब चीनी विशेषज्ञों ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों के नाम तय करने के भारत के फैसले पर आपत्ति जताई है। चीनी पक्ष ने भारत के इस कदम को 'खुद को भ्रम में रखने वाला' बताया है और चेतावनी दी है कि इससे दोनों देशों के संबंधों में सुधार की कोशिशें बाधित हो सकती हैं, साथ ही सीमा विवाद सुलझाने की प्रक्रिया भी मुश्किल हो सकती है। हालांकि, सिबल का मानना है कि भारत का यह कदम चीन की विस्तारवादी नीति के विरुद्ध एक ठोस और आवश्यक प्रतिक्रिया है।

भारी वर्षा के बीच डाक कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने जीरो ग्राउंड पर पहुंचे जिलाधिकारी मयूर दीक्षित

हरिद्वार (शिखर समाचार) धर्मनगरी हरिद्वार में डाक कांवड़ यात्रा के दौरान हरकी पैड़ी सहित गंगा घाटों पर शिवभक्त कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। भारी वर्षा के बीच भी डाक कांवड़ियों में उत्साह और आस्था बनी हुई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यात्रा को सुचारु बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने भारी बारिश के बीच जीरो ग्राउंड पर पहुंचकर शंकराचार्य चौक सहित कांवड़ मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने गंगा घाटों और कांवड़ यात्रा मार्ग पर तैनात पुलिस बल, सुरक्षा कर्मियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री गंगाजल लेने हरिद्वार पहुंच रहे हैं। सभी शिवभक्तों की यात्रा सकुशल संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए और संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जाए। जिलाधिकारी ने डाक कांवड़ियों से भी गंगा घाटों पर विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के दौरान घाटों पर सतर्क रहें और प्रशासन तथा पुलिस की ओर से जारी सुरक्षा निदेशों का पालन करें। उन्होंने अधिकारियों को भीड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिलाधिकारी ने जलभराव वाले क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भगत सिंह चौक, चंद्राचार्य चौक सहित अन्य क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि कांवड़ यात्रियों और स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जाए और वर्षा के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अधिकारी और सुरक्षा बल पूरी तरह तैयार रहें।

2036 ओलंपिक की भारतीय मेजबानी की कामना के साथ खेल मंत्री रेखा आर्य ने हरकी पैड़ी से उठाई कांवड़

हरिद्वार (शिखर समाचार) उत्तराखंड सरकार की खेल मंत्री रेखा आर्य ने वर्ष 2036 में भारत को ओलंपिक खेलों की मेजबानी मिलने की कामना और देश को खेलों की विश्व शक्ति बनाने के संकल्प के साथ सोमवार को हरकी पैड़ी से कांवड़ यात्रा शुरू की। उन्होंने हरकी पैड़ी पर मां गंगा का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया और गंगाजल भरकर भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए करीब 22 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर ऋषिकेश के लिए रवाना हुईं। इस अवसर पर जूना अखाड़े के महामंत्री महंत हरि गिरि महाराज, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महेंद्र पुरी महाराज सहित अन्य साधु संत उपस्थित रहे। साधु संतों ने खेल मंत्री के संकल्प की सराहना करते हुए उनके सफल होने की कामना की। यात्रा शुरू करने से पहले रेखा आर्य ने मां गंगा को नमन कर देश

और प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। इसके बाद गंगाजल से भरी कांवड़ उठाकर भोलेनाथ के जयघोष के बीच पैदल ऋषिकेश के लिए रवाना हुईं। उनके साथ कई खेल प्रेमी भी यात्रा में शामिल रहे। रेखा आर्य ऋषिकेश स्थित वीरभद्र मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का रुद्राभिषेक करेंगी। रेखा आर्य ने कहा कि उनके दो प्रमुख संकल्प हैं। पहला संकल्प वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की सफल मेजबानी भारत को मिलने का है और दूसरा भारत को खेलों के क्षेत्र में विश्व की खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से दोनों संकल्प पूरे होंगे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी उन्होंने हरकी पैड़ी से करीब 22 किलोमीटर की पैदल कांवड़ यात्रा कर वीरभद्र मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया था। तब उन्होंने बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का संकल्प लिया था। इस बार उनके पति भी उनके साथ कांवड़ यात्रा में शामिल हैं।

भारत ने 4,800 बांग्लादेशियों को किया डिपोर्ट, ढाका कह रहा- सिर्फ 73 ही आए

- सीमा पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई के आंकड़ों में बड़ा अंतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर भारत-बांग्लादेश के आंकड़ों में बड़ा अंतर सामने आया है। भारत की ओर से जहां पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनने के बाद करीब 4,800 लोगों को डिपोर्ट किए जाने का दावा किया गया है, वहीं बांग्लादेश का कहना है कि 2026 में अब तक उसने केवल 73 लोगों को ही स्वीकार किया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि दोनों देशों के आंकड़ों में इतना अंतर क्यों और बाकी लोगों को कहां रखा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोलकाता से करीब 90 किलोमीटर दूर हाकिमपुर चेकपोस्ट पर सीमा सुरक्षा बल द्वारा वाहनों को रोककर दस्तावेज और पहचान पत्रों की जांच की जा रही है। हालांकि, सीमा पर बांग्लादेश जाने वाले लोगों की कोई बड़ी भीड़ दिखाई नहीं दे रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक पकड़े गए संदिग्ध लोगों को सीधे सीमा पर नहीं लाया जाता, बल्कि पहले होल्डिंग सेंटर भेजा जाता है। हाकिमपुर चेकपोस्ट पर तैनात एक बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि कार्रवाई शुरू होने के शुरुआती दौर में सीमा पर काफी भीड़ थी। उस समय सप्ताह में करीब 10-15 बांग्लादेशियों को वापस भेजे जाने की बात कही गई, लेकिन अब कई-कई सप्ताह तक कोई व्यक्ति डिपोर्टेशन के लिए सीमा पर नहीं पहुंचता है।

अधिकारी के मुताबिक सरकार बदलने के बाद एक समय करीब 200 लोगों को सीमा के रास्ते वापस भेजा गया था। वहीं अन्य लोगों को उत्तर 24 परगना जिले में बनाए गए तीन अस्थायी होल्डिंग सेंटरों में भेज दिया गया। हाकिमपुर के अलावा पेट्रापोल और महदीपुर चेकपोस्ट पर भी इसी तरह की स्थिति नजर आई। वहां बांग्लादेश जाने वाले लोगों की कतारें या बड़ी भीड़ नहीं मिली। अधिकारियों के मुताबिक इसका एक प्रमुख कारण प्रक्रिया में बदलाव है। अब कार्रवाई के बाद लोगों को सीधे बॉर्डर पर लाने के बजाय पहले होल्डिंग सेंटर में रखा जाता है। वहां उनकी पहचान और अन्य कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाती है। इसके बाद ही उन्हें सीमा तक ले जाकर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। जानकारी के मुताबिक राज्य में बनाए गए 11 होल्डिंग सेंटरों में 300 से ज्यादा लोग रखे गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आंकड़ों को लेकर विवाद तब और बढ़ा जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 28 मई को दावा किया था कि सरकार बनने के बाद रोजाना 5,000 से 10,000 बांग्लादेशी वापस जा रहे हैं। इसके बाद 8 जून को सीएम सुवेंदु अधिकारी ने करीब 4,800 लोगों के डिपोर्ट किए जाने की बात कही थी। इसके विपरीत बांग्लादेशी अधिकारियों के आंकड़े इन दावों से काफी अलग हैं। ढाका का कहना है कि 2026 में अब तक केवल 73 लोगों को ही स्वीकार किया गया है। 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर दोनों देशों के आंकड़ों में यह अंतर अब जांच और राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा कांवड़ मार्ग, नगर निगम ने पुष्पवर्षा कर शिवभक्तों का किया भव्य अभिनंदन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा महोत्सव के दौरान शिवभक्तों के स्वागत और अभिनंदन के लिए गाजियाबाद नगर निगम की ओर से आयोजित दो दिवसीय पुष्पवर्षा कार्यक्रम का सोमवार को भव्य समापन हुआ। कांवड़ मार्ग पर जैसे ही शिवभक्तों और कांवड़ यात्रियों का जत्था पहुंचा, वातावरण हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। महापौर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, पार्षदों एवं निगम अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान निगम पदाधिकारियों ने शिवभक्तों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी मंगलमय एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की। पुष्पवर्षा के बीच कांवड़ यात्रियों में भी खासा उत्साह नजर आया। श्रद्धालुओं ने नगर निगम की ओर से किए गए स्वागत की सराहना की। कार्यक्रम स्थल पर भक्तिमय माहौल बना रहा और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम कांवड़ यात्रा को लेकर शहर में सफाई, प्रकाश, पेयजल, मार्ग व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को संभालने में पूरी तत्परता से जुटा हुआ है। इसी के साथ महापौर, सभी पार्षद और निगम अधिकारी मिलकर शिवभक्तों का पुष्पवर्षा कर स्वागत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धा, सेवा और स्वच्छता के भाव के साथ

कांवड़ यात्रा महोत्सव को सफल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने निगम टीम के प्रयासों को प्रशंसनीय बताते हुए कहा कि शिवभक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि कांवड़ श्रद्धालुओं की यात्रा निर्विघ्न, सुरक्षित और सफलतापूर्वक संपन्न हो, इसके लिए नगर निगम की विशेष टीम लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि शिवभक्तों के स्वागत के लिए नगर निगम द्वारा लगातार दो दिन पुष्पवर्षा का आयोजन किया गया। सोमवार को कार्यक्रम के अंतिम दिन सभी पार्षदों और निगम अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कांवड़ यात्रियों पर पुष्प बरसाकर उनका भव्य स्वागत किया और गाजियाबाद आगमन पर उनका अभिनंदन करते हुए उत्साहवर्धन किया। कांवड़ यात्रा के दौरान निगम की टीमें सफाई व्यवस्था से लेकर अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने में जुटी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को लगातार मौके पर तैनात रखा गया है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा कांवड़ यात्रियों के सम्मान में प्रत्येक वर्ष पुष्पवर्षा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी दो दिवसीय पुष्पवर्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहर विधायक संजीव शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी, पार्षद और निगम कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर शिवभक्तों का स्वागत किया और कांवड़ यात्रा के सफल एवं शांतिपूर्ण समापन की कामना की।

बिजनौर में बढ़ा आयुर्वेद पर भरोसा, सरकारी चिकित्सालयों में रोज पहुंच रहे करीब एक हजार मरीज

बिजनौर (शिखर समाचार) जनपद बिजनौर में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। बड़ी संख्या में लोग आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ लेने के लिए सरकारी आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का रुख कर रहे हैं। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. राजकुमार के अनुसार जनपद में संचालित 20 आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में प्रतिदिन करीब एक हजार

मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इन चिकित्सालयों में मरीजों को मात्र एक रुपये के पर्चे पर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। डॉ. राजकुमार ने बताया कि पहले की अपेक्षा लोगों में आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रति विश्वास बढ़ा है। लोग इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति से जुड़कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित सभी 20 आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में योग्य चिकित्सक उपलब्ध हैं, जिससे मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद में पांच आयुर्वेदिक चिकित्सालय सरकारी भवनों में संचालित हो रहे हैं। इनमें ग्राम जटपुरा महवातपुर, फतेहपुर धारू, हरेवली, भागूवाला और उदयपुर के चिकित्सालय शामिल हैं। अन्य आयुर्वेदिक चिकित्सालय किराए के भवनों अथवा अन्य उपलब्ध व्यवस्थाओं के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। सरकारी भवनों में संचालित चिकित्सालयों के माध्यम से मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने बताया कि जनपद के अन्य क्षेत्रों में भी आयुर्वेदिक चिकित्सालयों के नए सरकारी भवन बनाए जाने के लिए प्रस्ताव शासन को भेजे गए हैं। प्रस्तावों को मंजूरी मिलने के बाद नए भवनों का निर्माण होने से मरीजों को उपचार के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से आयुर्वेदिक चिकित्सा को बढ़ावा दिया जा रहा है और इसका लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के लिए विभाग लगातार प्रयासरत है।

सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में उमड़ा जनसैलाब, मुक्तेश्वरनाथ मंदिर में चार परिवारों ने किया रुद्राभिषेक

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) सावन के दूसरे सोमवार को नगीना क्षेत्र के शिवालय हर हर महादेव और बम बम भोले के जयघोष से गूंज उठे। प्राचीन सिद्धपीठ बड़ा मंदिर मुक्तेश्वरनाथ समेत क्षेत्र के सभी छोटे बड़े मंदिरों में सुबह से ही भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने कतारों में लगकर भोलेनाथ को जल, बेलपत्र, धतूरा, फल और पुष्प अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। सिद्धपीठ मुक्तेश्वरनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित डॉ. विपिन चंद त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार तड़के से दोपहर दो बजे तक मंदिर में जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के चार प्रमुख परिवारों ने भगवान शिव का विधि विधान से रुद्राभिषेक

कराया। इनमें संजीव थापन (नवयुग वाले), पंकज राणा, लक्ष्य विश्नोई और संजय (मेडिकल वाले) के परिवार शामिल रहे। मुख्य पुजारी पंडित डॉ. विपिन चंद त्रिपाठी ने सभी परिवारों का रुद्राभिषेक अनुष्ठान विधि विधान से संपन्न कराया। सावन के सोमवार और कांवड़ यात्रा को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए मंदिरों, कांवड़ मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगीना राजेश कुमार सोलंकी और थाना प्रभारी नगीना विकास कुमार ने पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाली। पुलिस टीम ने कांवड़ मार्गों और संवेदनशील चौराहों पर लगातार गश्त कर स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा व्यवस्था के चलते श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण वातावरण में भगवान शिव का जलाभिषेक किया और पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बिजली के लटकते तार की चपेट में आया कलश यात्रा का बैंड, करंट लगने से 23 वर्षीय युवक की मौत

बिजनौर (शिखर समाचार) किरतपुर नगर के सराफा बाजार में सोमवार को जलभराव के बीच कलश यात्रा के दौरान बिजली का तार बैंड की ठेली से छू जाने से करंट फैल गया। हादसे में 23 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ठेली के साथ चल रहे करीब पांच अन्य लोग करंट की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। घटना के बाद धार्मिक आयोजन में अफरा तफरी मच गई। हादसे को लेकर स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लापरवाही का आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर सराफा बाजार से कलश यात्रा निकाली जा रही थी। हाल में हुई बारिश के कारण बाजार में जलभराव था। इसी दौरान सड़क के ऊपर से नीचे तक लटक रहा बिजली का

तार कलश यात्रा में शामिल बैंड की ठेली से छू गया। तार के संपर्क में आते ही ठेली में करंट दौड़ गया। इसकी चपेट में मोहल्ला जाटान निवासी प्रियांशु पुत्र त्रिभुवन देव और उनके साथ चल रहे अन्य लोग आ गए। करंट का तेज झटका लगने से प्रियांशु मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। अन्य लोग किसी तरह दूर हट गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मानसून के दौरान सराफा बाजार में अक्सर जलभराव की स्थिति रहती है। ऐसे में बिजली के तारों और विद्युत व्यवस्था की नियमित जांच बेहद जरूरी है। लोगों ने आरोप लगाया कि यदि लटकते तार को समय रहते ठीक कराया गया होता तो हादसा टाला जा सकता था। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

सावन के दूसरे सोमवार दूधेश्वर नाथ मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, गूंजे बम भोले के जयकारे

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन के दूसरे सोमवार को प्राचीन श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर में भगवान भोले शंकर के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में शिवभक्तों की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालु बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए भगवान दूधेश्वर नाथ का दूध और जल से अभिषेक करते रहे। मंदिर के पीठाधीश्वर महंत नारायण गिरि के मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ भगवान शिव की पूजा अर्चना की।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस बल को तैनात किया गया। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मंदिर परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में व्यवस्था संभालने के लिए विशेष प्रयास किए। भीड़ अधिक होने के कारण आम श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं। इस दौरान मंदिर में विशिष्ट व्यक्तियों के दर्शन

भी रोक दिए गए, ताकि सभी श्रद्धालुओं को बिना किसी बाधा के दर्शन का अवसर मिल सके। पुलिसकर्मियों को भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की कतार को व्यवस्थित रखने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा। दूर दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान दूधेश्वर नाथ के दर्शन कर सुख समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव की आराधना में जुटे रहे।

महंत नारायण गिरि ने कहा कि सावन का महीना भगवान भोले शंकर को अत्यंत प्रिय है। सावन में भगवान शिव का अभिषेक करने से श्रद्धालुओं को अपार सुख और पुण्य की प्राप्ति होती है। विशेष रूप से सावन के सोमवार की महिमा निराली है। श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक और पूजा अर्चना करने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से मंदिर की व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने और अनुशासन के साथ दर्शन करने की अपील की।

भाजपा महानगर की 121 तिरंगा यात्राएं देंगी राष्ट्रभक्ति का संदेश : मयंक गोयल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। देशभक्ति, राष्ट्रगौरव और वीर शहीदों के सम्मान की भावना को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आगामी तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद महानगर की संगठनात्मक बैठक नवयुग मार्केट स्थित अन्नपूर्णा बैंक्विट हॉल में हुई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की। इसमें महानगर के सभी मंडल अध्यक्ष, तिरंगा अभियान के संयोजक, सहसंयोजक, वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक में तिरंगा यात्राओं की तैयारियों, संगठनात्मक व्यवस्था और अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मयंक गोयल ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और करोड़ों देशवासियों के गौरव का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग तक

राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाएंगे। उन्होंने बताया कि भाजपा महानगर द्वारा इस बार 121 तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। महानगर के सभी 100 वार्डों और 20 मंडलों में यात्राएं निकाली जाएंगी। इसके अलावा महानगर स्तर पर एक भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित होगी, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और राष्ट्रभक्त नागरिक शामिल होंगे। मुख्य तिरंगा यात्रा बजरिया स्थित गुरुद्वारा से प्रारंभ होकर घंटाघर और अग्रसेन बाजार होते हुए शहीद पथ पहुंचेगी। यहां देश की रक्षा के लिए प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित कर यात्रा का समापन किया जाएगा। मयंक गोयल ने कहा कि गाजियाबाद की धरती से निकलने वाली तिरंगा यात्रा वीर सपूतों के प्रति कृतज्ञता और राष्ट्र के प्रति कार्यकताओं की प्रतिबद्धता का प्रतीक बनेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों के त्याग एवं बलिदान से परिचित कराने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ यात्राओं को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, प्रदीप चौहान, रानीता सिंह, आशीष चौधरी, सरदार एसपी सिंह, राजीव शर्मा, सुशील गौतम, विनोद कसाना, नीरज शर्मा, करन शर्मा और महिम गुप्ता सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिवभक्तों के बीच पहुंचे गाजियाबाद पुलिस आयुक्त, प्रसाद बांटकर बढ़ाया हौसला

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन की पावन कांवड़ यात्रा के दौरान गाजियाबाद में श्रद्धा और सुरक्षा का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। सोमवार को पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने श्रीदूधेश्वरनाथ मन्दिर पहुंचकर शिवभक्तों के बीच समय बिताया। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया और उनसे आत्मीय संवाद कर उनकी यात्रा का हाल जाना। पुलिस आयुक्त को अपने बीच पाकर शिवभक्तों में भी उत्साह दिखाई दिया। उन्होंने श्रद्धालुओं को सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए पुलिस-प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर परिसर में पुलिस आयुक्त ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए गए सुरक्षा प्रबंधों का भी जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों से भीड़ की स्थिति, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उनका

जोर इस बात पर रहा कि धार्मिक आस्था के इस बड़े आयोजन में सुरक्षा व्यवस्था ऐसी हो, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और वह सहज वातावरण में भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकें। इसके बाद पुलिस आयुक्त मननधाम मंदिर कांवड़ मार्ग पहुंचे। यहां हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। पुलिस आयुक्त ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। पुष्पवर्षा के दौरान पूरा माहौल हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। पुलिस आयुक्त ने कांवड़ियों से संवाद करते हुए उनकी यात्रा के अनुभव भी जाने और उनके सकुशल गंतव्य तक पहुंचने की कामना की। कांवड़ मार्ग पर पुलिस आयुक्त ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को भी बारीकी से परखा। उन्होंने अधिकारियों से मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेडिंग, यातायात संचालन, भीड़ नियंत्रण तथा संवेदनशील स्थानों पर निगरानी के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था पूरी तरह सुचारु रखी जाए और किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी न हो। पुलिस आयुक्त ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा जैसी विशाल धार्मिक यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं के साथ विनम्र एवं सहयोगात्मक व्यवहार रखा जाए तथा किसी भी आपात स्थिति पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कांवड़ मार्ग पर लगातार निगरानी बनाए रखते हुए भीड़ और यातायात के दबाव के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल की जाएं। पुलिस बल को सतर्क रहने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सहायता के लिए तत्पर रहने को कहा गया। इस दौरान पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन जोन धवल जायसवाल सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मोदीनगर में डाक कांवड़ियों का सैलाब, दिल्ली-मेरठ मार्ग पर रही शिवभक्ति की गूंज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर का दिल्ली-मेरठ मार्ग सोमवार को डाक कांवड़ियों के हवाले रहा। सुबह से देर रात तक मार्ग पर डाक कांवड़ लेकर आने वाले शिवभक्तों का सैलाब उमड़ा रहा। डाक कांवड़ियों के वाहनों पर बज रहे शिवभक्ति के भजनों से पूरा नगर दिनभर शिवमय नजर आया। मंगलवार को होने वाले जलाभिषेक को लेकर नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न शिव मंदिरों में भी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कांवड़िये अपने-अपने नजदीकी शिव मंदिरों में पहुंचना शुरू हो गए हैं। डाक कांवड़ को लेकर इस बार पुलिस और प्रशासन ने यातायात की विशेष व्यवस्था की है, जिससे नगरवासियों को काफी राहत मिली। पिछले वर्षों में डाक कांवड़ के वाहन दिल्ली-मेरठ मार्ग की दोनों दिशाओं में चलते थे, जिससे सामान्य यातायात प्रभावित होता था। इस बार मेरठ से गाजियाबाद की ओर जाने वाले मार्ग पर ही पैदल कांवड़ियों और डाक कांवड़ के वाहनों को निकाला जा रहा है। पैदल कांवड़ियों की संख्या कम होने के कारण डाक कांवड़ के वाहनों को भी आवागमन में विशेष परेशानी नहीं हो रही है। वहीं गाजियाबाद से मेरठ की ओर जाने वाले मार्ग पर सामान्य वाहनों का आवागमन सुचारू बना हुआ है। क्षेत्र से गुजरने वाली डाक कांवड़ में सबसे अधिक संख्या

हरियाणा के शिवभक्तों की दिखाई दी। इनमें पलवल की डाक कांवड़ सबसे अधिक रही, जबकि होडल और गुरुग्राम के कांवड़ियों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। बड़ी संख्या में मथुरा के डाक कांवड़िये भी इस मार्ग से गुजरे। बताया गया कि मथुरा जाने वाले कांवड़ियों के लिए यह मार्ग सुविधाजनक है। वे दुहाई से पूर्वी परिधीय मार्ग पर पहुंचकर पलवल होते हुए कोसीकलां के रास्ते मथुरा और आसपास के क्षेत्रों में आसानी से पहुंच सकते हैं। इधर मंगलवार को होने वाले जलाभिषेक को लेकर शिव मंदिरों में साफ-सफाई, सजावट, प्रकाश और श्रद्धालुओं की सुविधा संबंधी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। मंदिरों के आसपास कांवड़ियों की बढ़ती मौजूदगी से धार्मिक माहौल बना हुआ है और लगातार बम-बम भोले तथा हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं।

शिवभक्तों की सेवा में पुलिस भी आगे, एसीपी प्रियाश्री पाल ने कांवड़ शिविरों में बांटी प्राथमिक उपचार सामग्री

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के साथ-साथ शिवभक्तों की सेवा और सुविधा का भी पुलिस प्रशासन विशेष ध्यान रख रहा है। सोमवार को सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर के समीप कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए स्थापित विभिन्न शिविरों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने शिवभक्तों से संवाद कर उनकी कुशलक्षेम जानी और सेवा भाव के साथ उन्हें प्रसाद वितरित किया। एसीपी प्रियाश्री पाल के शिविरों में पहुंचने पर वहां मौजूद श्रद्धालुओं और सेवादारों में उत्साह नजर आया। उन्होंने कांवड़ यात्रियों से बातचीत करते हुए यात्रा के दौरान उन्हें मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, श्रद्धा और सेवा का पर्व है तथा पुलिस-प्रशासन का

प्रयास है कि शिवभक्तों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। भ्रमण के दौरान एसीपी ने चिकित्सा शिविर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा शिविर में प्राथमिक उपचार सामग्री का वितरण किया। उन्होंने चिकित्सा सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों से उपचार व्यवस्था की जानकारी ली तथा आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लंबी दूरी तय कर आने वाले कांवड़ यात्रियों को थकान, गर्मी, पैरों में छाले, मामूली चोट अथवा अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। ऐसे में चिकित्सा शिविरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। पुलिस एवं प्रशासन का प्रयास है कि आवश्यकता पड़ने पर श्रद्धालुओं को मौके पर ही प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जा सके और गंभीर स्थिति होने पर उन्हें तत्काल बेहतर चिकित्सा सुविधा तक पहुंचाया जाए। एसीपी प्रियाश्री पाल ने शिविर संचालकों और पुलिसकर्मियों से भी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही शिविरों में साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा सहायता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी ध्यान देने की बात कही। कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस जहां सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर लगातार सक्रिय है, वहीं श्रद्धालुओं के प्रति संवेदनशीलता और सेवा भावना का संदेश भी दे रही है। एसीपी द्वारा स्वयं शिवभक्तों को प्रसाद वितरित किए जाने और चिकित्सा शिविर में प्राथमिक उपचार सामग्री उपलब्ध कराने से पुलिस की सुरक्षा के साथ सेवा की भावना स्पष्ट दिखाई दी। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील कि वह निर्धारित कांवड़ मार्गों का ही प्रयोग करें, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस का सहयोग करें तथा किसी भी आवश्यकता अथवा आपात स्थिति में तत्काल पुलिस एवं चिकित्सा सहायता प्राप्त करें।

श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर की सुरक्षा मजबूत करने के लिए डीसीपी धवल जायसवाल ने किया सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ रहे शिवभक्तों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर गाजियाबाद पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड़ पे है। सोमवार को पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन जोन धवल जायसवाल ने श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर परिसर स्थित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर एवं आसपास के क्षेत्रों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, निगरानी व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने कंट्रोल रूम में तैनात पुलिसकर्मियों से सीसीटीवी कैमरों की स्थिति और उनकी निगरानी प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने यह भी देखा कि मंदिर परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्गों तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले प्रमुख स्थानों पर लगे कैमरों के माध्यम से

किस प्रकार निगरानी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। डीसीपी धवल जायसवाल ने निर्देश दिए कि सभी सीसीटीवी कैमरे लगातार सक्रिय स्थिति में रहें और किसी भी कैमरे में तकनीकी समस्या आने पर तत्काल उसका समाधान कराया जाए। उन्होंने कंट्रोल रूम में तैनात कर्मचारियों को लगातार सतर्क रहते हुए कैमरों के माध्यम से मंदिर परिसर एवं आसपास की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा और सावन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। भीड़भाड़ वाले स्थानों, प्रवेश-निकास मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जाए। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। डीसीपी ने कंट्रोल रूम में तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी जिम्मेदारी और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने पर जोर दिया। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर और कांवड़ यात्रा मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ तकनीकी निगरानी को भी मजबूत किया गया है। श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है। पुलिस की कोशिश है कि तकनीक और ग्राउंड पुलिसिंग के बेहतर समन्वय से किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। डीसीपी के निरीक्षण से साफ है कि कांवड़ यात्रा के दौरान गाजियाबाद पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह अलर्ट मोड में है और मंदिर परिसर की प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

पराली, पिज्जा, समोसा से निकलेगी ग्रीन हाइड्रोजन

कानपुर , एजेंसी। पराली (कृषि अवशेष) और बचा हुआ व खराब पिज्जा, समोसा, दाल, चावल, रोटी–सब्जी, कटे हुए फल और सब्जियों के अवशेषों से ग्रीन हाइड्रोजन बनाने की तैयारी है। डॉ. आंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन (एआईटीडी) के विशेषज्ञ 'डार्क फर्मेंटेशन' तकनीक से गैस विकसित करेंगे, जिसके लिए उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से 13.36 लाख रुपये का अनुदान मिला है। यह शोध तीन साल तक चलेगा। वायु प्रदूषण की प्रमुख वजह पराली का जलना है। इसके जलने से पीएम 2.5, पीएम 10, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें निकलती हैं। इस समस्या को दूर करने के साथ ही भविष्य के ईंधन ग्रीन हाईड्रोजन पर काम किया जा रहा है। बायोटेक्नोलॉजी विभागाध्यक्ष एवं डीन आरएंड डी डॉ. मनीष सिंह राजपूत ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य कृषि अवशेषों (जैसे पराली) और खाद्य अपशिष्ट से 'डार्क फर्मेंटेशन' तकनीक के माध्यम से ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। इस तकनीक की खास बात यह है कि इसमें सूक्ष्मजीवों की मदद से बिना प्रकाश के कचरे को सीधे हाइड्रोजन में परिवर्तित किया जा सकता है। इससे न केवल ऊर्जा उत्पादन की लागत कम होगी, बल्कि पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण और फूड वेस्ट की समस्या का भी समाधान मिलेगा। पारंपरिक ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन में महंगे उपकरण और अधिक बिजली की आवश्यकता होती है। सह–अन्वेषक डॉ. ओमहरी हैं। संस्थान की निदेशक प्रो. रचना अस्थाना और अन्य संकाय सदस्यों ने उपलब्धि पर टीम को बधाई दी।

तीन साल में विकसित होगा पायलट मॉडल

डॉ. राजपूत ने बताया कि तीन वर्षीय इस परियोजना में हाइड्रोजन उत्पादन की दक्षता बढ़ाने, उपयुक्त बैक्टीरिया के चयन और पायलट स्तर के बायो–रिएक्टर डिजाइन पर काम किया जाएगा। सफल परिणाम मिलने पर इसे औद्योगिक स्तर पर लागू किया जा सकता है।

पिकलबाल चैंपियनशिप में अनंत-आर्यमान की जोड़ी शीर्ष पर

कानपुर , एजेंसी। जेसीआई ब्रह्मावर्त की ओर से पिकलबाल चैंपियनशिप का आयोजन रविवार रात गैंजेज क्लब में हुआ। पहले दिन अनंत जिंदल और आर्यमान भारतीय की जोड़ी शीर्ष पर रही। सोमवार को क्वार्टरफाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। पहले दिन बालक वर्ग में 9 से 12 आयु वर्ग में अनंत जिंदल और आर्यमान भारतीय की जोड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने मुकाबले में 30 अंक हासिल कर पहले स्थान पर पहुंच गई। वहीं 13 से 17 आयु वर्ग में निमित जैन–विट्ठल मोहन की जोड़ी ने 30 अंक बनाए। जय थक्कर–मन्नान अग्रवाल 29 अंक देकर दूसरे स्थान पर रहे। 35 से 45 आयु वर्ग में पीयूष गुप्ता–आशीष एस अग्रवाल की जोड़ी ने 30 अंक हासिल किए। 40 से 44 आयु वर्ग में विशाल जिंदल–संजय बेटाला और 44 से 47 आयु वर्ग में मुकेश जिंदल–सौरभ गुप्ता की जोड़ियों ने 30 अंक लेकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। शुभारंभ क्लब के अध्यक्ष केतन ठक्कर ने किया। अरुण अग्रवाल, मोहित गुप्ता, हिमांशु नेमानी, डॉ. मनीष राठी आदि मौजूद रहे।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे शिवालय, उमड़े भक्त

कानपुर। सावन के दूसरे सोमवार पर शहर के प्रमुख शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार देर रात से ही मंदिरों के बाहर भक्तों की लाइन लग गई। रंग–बिरंगी रोशनी और फूलों से सजे शिवालयों के पट खुलते ही हर–हर महादेव, बम–बम भोले के जयकारे गूंज उठे। पुलिस और मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बारी बारी से श्रद्धालुओं को दर्शन कराया। आनंदेश्वर, जागेश्वर मंदिर, सिद्धनाथ, वनखंडेश्वर, नागेश्वर मंदिर, भोलेश्वर मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर समेत अन्य मंदिरों में बाबा के दर्शन और उन्हें दूध–जल अभिषेक करने का सिलसिला जारी रहा। परमट स्थित बाबा आनंदेश्वर धाम में रात करीब दो बजे मंगला आरती के बाद मंदिर के कपाट खुले। पट खुलते ही बाबा के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्तों का रेला उमड़ पड़ा। यहां रविवार रात 12 बजे से ही भक्त दर्शन के लिए जुट गए थे। नवाबगंज के जागेश्वर मंदिर और पीरोड स्थित वनखंडेश्वर मंदिर के कपाट रात करीब तीन बजे खुले। शिवराजपुर के खेरेश्वर मंदिर जाजमऊ के सिद्धेश्वर मंदिर और नयागंज के नागेश्वर मंदिर में भी कपाट खुलते ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

बदायूं के कछला घाट पर पहुंचे छह लाख कांवड़िये, तीन किमी तक लगा जाम

बदायूं , एजेंसी। सावन माह के दूसरे सोमवार को भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए कछला गंगा घाट से जल भरकर लाने के पिछले कई रिकॉर्ड पीछे छूट गए। रविवार रात कछला घाट पर कांवड़ियों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। आधी रात के बाद तीन किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। जाम में कांवड़ियों के जत्थे फंसे रहे। डीएम और एसएसपी को खुद कमान संभाली तो हालात सामान्य हुए। रात दो बजे तक अफसर व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। देर रात तक छह लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई गई है। सोमवार सुबह तक कांवड़ियों के आने-जाने का सिलसिला जारी रहा।

भीड़ और जाम की वजह से कछला की गली-गली में बाइक सवारों और पैदल श्रद्धालुओं का जनसैलाब दिखा। जाम की वजह से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को अपने गंतव्य स्थानों को वापस लौटने में दिक्कत उठानी पड़ी। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन के भी हाथ पांव फूले रहे। डीएम अवनीश राय और एसएसपी अंकिता शर्मा ने देर रात तक गंगा घाट की व्यवस्था परखी और

रात में डीएम-एसएसपी ने संभाली कमान

ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को पल-पल पर नजर रखने और श्रद्धालुओं के लिए सड़क पर आवागमन बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

सुबह से ही उमड़ने लगी थी भीड़ – रविवार को सुबह से ही घाट पर करीब दो लाख से अधिक श्रद्धालु जल भरने पहुंच चुके थे। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि घाट के आसपास बनी पार्किंग और रैन बसेरा पूरी तरह फुल थे। मोटरसाइकिल और कार खड़ी करने के लिए भी जगह नहीं थी। दोपहर में भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती रही। रात में कछला घाट पर आस्था का जनसैलाब नजर आया।

कांवड़ियों की सेवा और सत्कार में कहीं कोई कमी न रह जाए, इस मंशा के साथ लोगों ने बड़ी संख्या में भंडारों के शिविर आयोजित किए हुए हैं। कछला से बदायूं तक लगे इन शिविरों में सब्जी, पूड़ी, हलवा और छोले-चावल के साथ मिष्ठान परोसा गया। रविवार को छतुइया फाटक पर देवनागरी इंटर कॉलेज की ओर से आयोजित भंडारे में सब्जी-पूड़ी और हलवा खिलाया गया। सरौरा के पास कोल्ड स्टोरेज के सामने रोटरी क्लब के भंडारे का केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने शुभारंभ कराया। उन्होंने खुद भी कांवड़ियों की सेवा की।

मंगलवार रात 8 बजे तक रहेगा डायवर्जन –सोमवार पर कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए जिले में शुक्रवार रात 8 बजे से डायवर्जन व्यवस्था लागू कर दी गई थी। यह व्यवस्था मंगलवार को शिवरात्रि होने के कारण रात 8 बजे तक प्रभावी रहेगी। कांवड़ के नोडल अधिकारी एवं एसपी सिटी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि सावन के पहले सोमवार की भीड़ को देखते हुए दूसरे सोमवार पर डेढ़ गुना अधिक शिवभक्तों के आने की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही मंगलवार को शिवरात्रि होने के कारण डायवर्जन व्यवस्था मंगलवार तक लागू रहेगी।

उन्होंने बताया कि डायवर्जन लागू होने के बाद कांवड़ मार्गों पर भारी वाहनों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। लंबी दूरी के ट्रकों और अन्य भारी वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा, जबकि स्थानीय आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को परिस्थितियों के अनुसार अनुमति दी जाएगी। प्रमुख चौराहों, हाईवे कटों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

यातायात व्यवस्था की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम, सीसीटीवी कैमरों और पुलिस की मोबाइल टीमें लगातार सक्रिय रहेंगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी स्थान पर जाम की स्थिति बनने पर तत्काल यातायात सामान्य कराया जाए। कांवड़ मार्ग पर एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन सेवाओं के आवागमन को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर की सुरक्षा पर एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर की पैनी नजर, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को किया चेक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन एवं कांवड़ यात्रा के मद्देनजर गाजियाबाद पुलिस श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर ने सोमवार को प्रसिद्ध श्रीदूधेश्वरनाथ मन्दिर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर और आसपास तैनात पुलिस बल की ड्यूटी को बारीकी से परखा तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, पुलिसकर्मियों की तैनाती, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था तथा भीड़ नियंत्रण से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चेक करते हुए उनकी सतर्कता और मुस्तैदी परखी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मंदिर में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित और सुगम

वातावरण उपलब्ध कराया जाए तथा भीड़ बढ़ने की स्थिति में तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं। सावन के दौरान श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं कांवड़ यात्रा के चलते शहर में शिवभक्तों की भारी आवाजाही बनी हुई है। ऐसे में मंदिर परिसर के साथ-साथ आसपास के मार्गों पर भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पुलिस के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार रखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तत्परता बरती जाए। इसके बाद एसीपी राजकरन नैय्यर ने कण्ट्रोल रूम का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए की जा रही व्यवस्थाओं, सूचनाओं के आदान-प्रदान और मौके पर तैनात अधिकारियों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मंदिर एवं कांवड़ यात्रा मार्ग पर तैनात पुलिस बल लगातार अलर्ट मोड में रहे। किसी भी संदिग्ध गतिविधि, भीड़ की असामान्य स्थिति अथवा यातायात संबंधी समस्या की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई की जाए। साथ ही वरिष्ठ अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहें।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की सक्रियता का उद्देश्य श्रद्धालुओं और कांवड़ियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। मंदिर परिसर से लेकर कांवड़ मार्ग तक पुलिस बल की तैनाती और निगरानी लगातार जारी है। उनके निरीक्षण से ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को भी सुरक्षा व्यवस्था के प्रति और अधिक सतर्क रहने का संदेश मिला।

शिव महापुराण कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, भगवान शिव की महिमा का किया गुणगान

शामली (शिखर समाचार) रेलपार स्थित प्राचीन एवं सिद्धपीठ श्री सदाशिव मंदिर में आयोजित भव्य शिव महापुराण कथा में सोमवार को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ कथा का श्रवण किया। कथाव्यास पं. क्षितिपान और दिनेश पाठक ने भगवान शिव की महिमा का सुंदर वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति, सदाचार और सेवा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कथा के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष सुरेश राणा का आयोजन समिति की ओर से स्वागत और सम्मान किया गया। इस अवसर पर सुरेश राणा ने कहा कि शिव महापुराण केवल भगवान शिव की महिमा का वर्णन करने वाला ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करने वाला आध्यात्मिक मार्गदर्शन भी है। भगवान शिव मनुष्य को त्याग, संयम, करुणा और समभाव का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की आराधना का वास्तविक अर्थ केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने आचरण में सत्य, सेवा और सद्भाव को अपनाना भी है। शिव महापुराण की कथाएं समाज में धर्म और संस्कारों को मजबूत करने का कार्य करती हैं। परिवारों और युवा पीढ़ी को ऐसे धार्मिक आयोजनों से जोड़ना समाज की जिम्मेदारी है। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं से परिचित कराया जा सकता है। कार्यक्रम का आयोजन महाराज सिंह ने किया, जबकि संचालन हरिओम पाठक ने किया। कथा में परमेद्र निर्वाल, शेषपाल निर्वाल, अधिवक्ता प्रदीप पंवार, राजीव निर्वाल, प्रेमपाल निर्वाल, अशोक निर्वाल, सुदेश निर्वाल, ओमपाल निर्वाल, सतबीर निर्वाल, अजीत निर्वाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का स्मरण करते हुए धार्मिक वातावरण में आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ लिया।

आरटीई शुल्क प्रतिपूर्ति में अनियमितता, जिला समन्वयक रोहिताश कुमार की संविदा समाप्त

शामली (शिखर समाचार) मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार के आदेश के बाद बेसिक शिक्षा विभाग में आरटीई शुल्क प्रतिपूर्ति से जुड़ी अनियमितताओं के मामले में जिला समन्वयक रोहिताश कुमार की संविदा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है। जांच में पदीय दायित्वों के उचित निर्वहन में लापरवाही और पद के दुरुपयोग की स्थिति सामने आने के बाद विभाग ने यह कार्रवाई की है। आदेश में संभावित राजकीय क्षति की वसूली और संबंधित धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की विधिक प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित अनियमितता और भ्रष्टाचार से संबंधित खबरों को गंभीरता से लेते हुए

सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक, सहारनपुर मंडल के 27 जुलाई 2026 के पत्र के आधार पर तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई थी। समिति ने प्रकरण से संबंधित अभिलेखों और रोहिताश कुमार के लिखित अभिकथन की जांच की। जांच में सेन्ट एमडी स्कूल का त्रुटिपूर्ण खाता प्रेषित किए जाने के कारण शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान नहीं हो पाने तथा इसमें पटल प्रभारी की लापरवाही पाए जाने का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि भेजने के लिए श्रीमती आरती के व्यक्तिगत खाते का प्रयोग किए जाने को भी शासनादेश के विपरीत बताया गया। नियमानुसार यह धनराशि विद्यालयों द्वारा आरटीई के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों में खोले गए पृथक खातों में भेजी जानी थी। रोहिताश कुमार की नियुक्ति से संबंधित शिकायत की जांच वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा शामली द्वारा की गई। चार अगस्त 2026 की जांच आख्या में नियुक्ति प्रक्रिया को भी दोषपूर्ण पाए जाने का उल्लेख है। विभागीय जांच में पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही के साथ पद के दुरुपयोग की स्थिति सामने आने की बात कही गई है। इसके अलावा उप लोकायुक्त उत्तर प्रदेश और एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से उनके पटल से संबंधित लगातार शिकायतें प्राप्त होने तथा विभागीय जांच जारी रहने का भी उल्लेख किया गया। इन तथ्यों के आधार पर विभाग ने रोहिताश कुमार की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दीं। संबंधित सेवा प्रदाता को भी उनका अनुबंध निरस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद में अब तक दो लाख सदस्य, दो करोड़ सदस्य बनाने की तैयारी : गोपाल राय

ठाणे/महाराष्ट्र (शिखर समाचार) विश्व हिंदू रक्षा परिषद की ओर से ठाणे पश्चिम में आयोजित जागो हिंदू जागो कार्यक्रम में संगठन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं रेल मंत्रालय, भारत सरकार के सलाहकार गोपाल राय ने हिंदू समाज की एकता, संगठन की मजबूती, सनातन संस्कृति के संरक्षण और राष्ट्रहित के प्रति जागरूकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठित, संस्कारित और जागरूक समाज ही अपनी संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा कर सकता है। उन्होंने बताया कि संगठन के अब तक दो लाख सदस्य बन चुके हैं और आने वाले समय में दो करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। गोपाल राय ने कहा कि जागो हिंदू जागो अभियान का उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कृति, सेवा और सामाजिक एकता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि संगठन के कार्यालय में समय-समय पर लव जिहाद और धर्मांतरण से संबंधित मामले सामने आते हैं, जिनका संगठन की ओर से निस्तारण कराया जाता है। उन्होंने हिंदू समाज से जागरूक और संगठित होकर सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

उन्होंने बताया कि संगठन का विस्तार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी किया जा रहा है। फ्रांस में विश्वनाथ शास्त्री, बेल्जियम में कोएनराड एल्स्ट, नीदरलैंड में महादेव सिंह, मलेशिया में अरविंद सिंह यादव, ब्राजील में संजीव शर्मा, यूक्रेन में लीडिया लक्ष्मी, श्रीलंका में पमल्क मन्जित करुणानायक तथा इंडोनेशिया में स्वामी धर्मेश को राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों में संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए पदाधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान गोपाल राय ने इंद्रेश राय को विश्व हिंदू रक्षा परिषद का राष्ट्रीय महामंत्री एवं महाराष्ट्र प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि संगठन युवाओं को शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करेगा। उन्होंने देश की बेटियों और युवाओं से सामाजिक मामलों के प्रति सतर्क एवं जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण जैसे विषय सामाजिक और कानूनी दोनों दृष्टियों से गंभीर हैं तथा इनके समाधान के लिए जागरूकता, शिक्षा और कानून का पालन आवश्यक है।

जुगमेंद्र मलिक की शोकसभा में उमड़ा जनसैलाब, खाप चौधरियों और राजनीतिक हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

शाहपुर/बुढ़ाना (शिखर समाचार) भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक के छोटे भाई 42 वर्षीय जुगमेंद्र मलिक की सोमवार को गांव खरड़ स्थित कर्ण फार्म में शोकसभा आयोजित की गई। शोकसभा में खाप चौधरियों, किसान संगठनों के पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर दिवंगत जुगमेंद्र मलिक को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। शोकसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि जुगमेंद्र मलिक का असमय निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि भाई को खोने का दुख वही समझ सकता है, जिसने यह पीड़ा झेली हो। सुख दुख की हर घड़ी में भाई का साथ महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए परिवार को इस कठिन समय में धैर्य रखने की प्रार्थना की।

कैबिनेट मंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने भी जुगमेंद्र मलिक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूर्व मंत्री सुरेश राणा और पूर्व विधायक उमेश मलिक ने भी शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत को श्रद्धांजलि दी। शोकसभा में गठवाला खाप के चौधरी बाबा राजेंद्र मलिक, भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय

अध्यक्ष राजेश चौहान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरनाम सिंह, भारतीय किसान यूनियन के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह, बाबा बलजीत सिंह, थानाभवन विधायक राव वारिस, तेजेंद्र निर्वाल, जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल, राष्ट्रीय लोक दल के जिलाध्यक्ष संजय राठी, पूर्व जिलाध्यक्ष संदीप मलिक, पीजेंट वेलफेयर के चेयरमैन अशोक बालियान, समाजसेवी सुभाष मटियान, संदीप बालियान, नीटू दुलहरा, पूर्व जिलाध्यक्ष अंकित दतियाना और आर्य समाज गोयला के अध्यक्ष राजसिंह आर्य सहित अनेक लोग मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत जुगमेंद्र मलिक को श्रद्धांजलि देते हुए परिवार को इस दुख की घड़ी में मजबूती प्रदान करने की कामना की। अंत में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने शोकसभा में पहुंचे सभी अतिथियों और लोगों का आभार व्यक्त किया।

परिषदीय शिक्षकों की गैर-शैक्षणिक ड्यूटी हटाने की मांग, महासंघ ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में ड्यूटी से मुक्त रखने की मांग की। महासंघ के पदाधिकारियों ने अपर जिलाधिकारी संदीप सिंह से मुलाकात कर शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि जिले के बड़ी संख्या में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की ड्यूटी बूथ स्तर अधिकारी, पदाभिहित अधिकारी और पर्यवेक्षक के रूप में लगाई गई है। उनका कहना है कि अन्य विभागों के कर्मचारियों की अपेक्षा शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में अधिक लगाया जा रहा है, जिसके कारण विद्यालयों में बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिक्षकों के विद्यालय से बाहर रहने पर

शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने में भी परेशानी आती है। पदाधिकारियों ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों पर विद्यार्थियों को निपुण बनाने के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक जिम्मेदारियां हैं। ऐसे में लगातार गैर-शैक्षणिक ड्यूटी लगाए जाने से शिक्षक अपने मूल दायित्व पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि जिन लेखपालों की ड्यूटी पर्यवेक्षक के रूप में लगाई गई है, उनकी जगह किसी शिक्षक को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी न दी जाए। महासंघ ने प्रशासन से मांग की कि निर्वाचन एवं अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों के लिए परिषदीय शिक्षकों के स्थान पर अन्य विभागों के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए, जिससे विद्यालयों में पठन-पाठन सुचारू रूप से चलता रहे और विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित न हो। ज्ञापन देने वालों में कार्यकारी जिला अध्यक्ष विजय कुमार त्यागी, संगठन मंत्री मोहर सिंह, सोनू सिंह और कोषाध्यक्ष संजय सक्सेना शामिल रहे।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने शिवभक्तों का किया भव्य स्वागत, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने की सेवा

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा मेरठ रोड, कांवड़ियों पर हुई पुष्पवर्षा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन मास में कांवड़ यात्रा के दौरान सोमवार को मेरठ रोड पूरी तरह शिवभक्ति में डूबा नजर आया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से मननधाम के सामने दोपहर एक बजे से साढ़े तीन बजे तक कांवड़ श्रद्धालुओं के स्वागत और अभिनंदन के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मेरठ रोड से गुजर रहे हजारों शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम में मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, सदर विधायक संजीव शर्मा, पुलिस आयुक्त रविंद्र जे. गौड़, नगर

आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप सहित अनेक जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्राधिकरण के सचिव विवेक कुमार मिश्रा, विशेष कार्याधिकारी राजीव रतन सिंह, प्रभारी मुख्य अभियंता आलोक रंजन सहित विभिन्न अधिकारी और कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

पुष्पवर्षा से कांवड़िये अभिभूत नजर आए। परिवार के साथ यात्रा कर रहे बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और युवा शिवभक्तों के साथ डाक कांवड़ तथा आकर्षक झांकियों के साथ गुजर रहे कांवड़िये विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। भगवान शिव की प्रतिमाओं और मनोहारी झांकियों से सजे कांवड़ जत्थों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कार्यक्रम स्थल पर फल, शीतल पेयजल और अन्य पेय पदार्थों की व्यवस्था भी की गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वयं श्रद्धालुओं की सेवा करते हुए उन्हें फल और पेयजल उपलब्ध कराया। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, अनुशासन, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। शिवभक्तों का स्वागत और सेवा करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों का सम्मान और उनकी सेवा भगवान शिव की भक्ति का ही एक स्वरूप है। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने शिवभक्तों का अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद लिया।

चौधरी चरण सिंह की स्मृति में निर्मित भव्य द्वार का भूपेंद्र चौधरी ने किया उद्घाटन

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव फुगाना में ग्राम प्रधान जितेंद्र मलिक की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री और किसान नेता चौधरी चरण सिंह की स्मृति में निर्मित भव्य द्वार का सोमवार को लोकार्पण किया गया। कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर द्वार का उद्घाटन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ भाजपा के कई नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। ग्राम प्रधान जितेंद्र मलिक ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का पूरा जीवन किसानों और ग्रामीण समाज के हितों के लिए समर्पित रहा। उनकी स्मृति में गांव के प्रवेश मार्ग पर भव्य द्वार का निर्माण कराया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके योगदान और विचारों को याद रख सकें। उन्होंने कहा कि कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी द्वारा द्वार का लोकार्पण किया जाना गांव के लिए गौरव का अवसर है। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में उत्साह दिखाई दिया।

वक्ताओं ने चौधरी चरण सिंह के किसान हित में किए गए कार्यों और उनके सार्वजनिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी स्मृति में निर्मित यह द्वार गांव में उनके विचारों और योगदान की याद दिलाता रहेगा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक उमेश मलिक, तेजेंद्र निर्वाल, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ब्रजपाल सहरावत, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोनू मलिक, खरड़ के प्रधान पति विकास मलिक, वीरसेन मलिक, नरेंद्र चेयरमैन, प्रमोद कश्यप, सहदेव बालियान, देवेंद्र कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने द्वार निर्माण के लिए ग्राम प्रधान जितेंद्र मलिक के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों और ग्रामीणों ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के आदर्शों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

जलाभिषेक से पहले शिव चौक पर पुलिस की पैनी नजर, डीआईजी ने कांवड़ यात्रा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सोमवार को सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह ने जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा और अन्य पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों के साथ शिव चौक का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पुलिस बल की तैनाती तथा कानून व्यवस्था की स्थिति का मौके पर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने लगातार हो रही बारिश और आगामी दिनों में भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए कांवड़ मार्गों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि बारिश के कारण कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। जलभराव वाले

स्थानों पर तत्काल जल निकासी और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

जलाभिषेक को लेकर विशेष सतर्कता

डीआईजी अभिषेक सिंह ने 11 अगस्त को होने वाले जलाभिषेक के मद्देनजर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ दायित्वों का निर्वहन करने को कहा। शिव चौक समेत प्रमुख स्थानों पर पुलिस की पैनी नजर रखने और भीड़ की स्थिति पर लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए। कांवड़ यात्रा के प्रथम दिवस से ही डीआईजी अभिषेक सिंह लगातार कांवड़ मार्गों का भ्रमण और निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कांवड़ियों की सुरक्षा, सुगम आवागमन और कानून व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। पुलिस प्रशासन ने जलाभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

कांवड़ यात्रा के दौरान गढ़मुक्तेश्वर शिवभक्ति में डूबा, गूंज रहे हर हर महादेव के जयकारे

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान तीर्थनगरी गढ़मुक्तेश्वर और ब्रजघाट क्षेत्र पूरी तरह शिवभक्ति में डूबा नजर आ रहा है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों के साथ क्षेत्र में आने वाले शिवभक्तों की भारी भीड़ के चलते जगह जगह बम बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। कांवड़ियों की बढ़ती संख्या से क्षेत्र में भक्ति के साथ मेले जैसा माहौल बना हुआ है। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को व्रत रखने वाले शिवभक्तों ने क्षेत्र के

विभिन्न शिव मंदिरों में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। कांवड़ियों के जलाभिषेक को लेकर भी मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई हैं। ऐतिहासिक नक्का कुआं महादेव मंदिर, गढ़ नगर, कल्याणेश्वर मंदिर कल्याणपुर और भूतेश्वर मंदिर उर्फ लाल मंदिर दतियाना में कांवड़ियों की सेवा के लिए समितियों और सेवादारों ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं। कांवड़ मार्गों पर जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए हैं, जहां भंडारे, भोजन, पेयजल और कांवड़ियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। शिविरों में लगातार भोलेनाथ के भजन और धार्मिक गीतों की गूंज सुनाई दे रही है। इस वर्ष गंगाजल लेने के लिए लाखों कांवड़िये तीर्थनगरी गढ़मुक्तेश्वर पहुंच चुके हैं। गंगाजल लेकर अधिकांश कांवड़िये अपने गंतव्य की ओर रवाना हो चुके हैं, जबकि बड़ी संख्या में कांवड़िये मंदिर परिसरों और सेवा शिविरों में ठहरे हुए हैं। हरिद्वार से लौटे कई कांवड़िये मंगलवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के बाद अपने घरों के लिए रवाना होंगे। कांवड़ियों का आवागमन अभी भी लगातार जारी है। कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा, पेयजल, विश्राम स्थलों और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया है। सोमवार को उपजिलाधिकारी गढ़ श्रीराम यादव, जिला सूचना अधिकारी वाईपी सिंह सहित अधिकारियों ने क्षेत्र में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मेरठ मंडल, जिला हापुड़ और तहसील स्तर के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन का कहना है कि शिवभक्तों की सेवा, सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हापुड़ से गुजरी योगी-मोदी कांवड़, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की तस्वीरों से सजी कांवड़ बनी आकर्षण का केंद्र

हापुड़ (शिखर समाचार)। हरिद्वार से गंगाजल लेकर बुलंदशहर की ओर जा रहे शिवभक्तों की योगी-मोदी कांवड़ हापुड़ मार्ग से गुजरने के दौरान लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। कांवड़ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरों से सजाया गया था। मार्ग से गुजरते समय लोगों की नजरें कांवड़ पर टिकी रहीं और कई लोगों ने इसे देखने के लिए कुछ देर रुककर कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाया। कांवड़ लेकर जा रहे शिवभक्तों ने बताया कि वे भगवान महाकाल के भक्त हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति अपनी आस्था और सम्मान प्रकट करने के लिए कांवड़ पर दोनों नेताओं की तस्वीरें लगाई हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था के

साथ राष्ट्र और प्रदेश के प्रति अपने भाव को भी इस कांवड़ के माध्यम से प्रदर्शित करना चाहते हैं। कांवड़ियों ने गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिए जाने की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में गौ माता का विशेष महत्व है और सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। कांवड़ियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में कानून व्यवस्था में सुधार का भी उल्लेख किया। उनका कहना था कि अपराधियों के खिलाफ की जा रही सख्त कार्रवाई से आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे कांवड़ियों के जत्थे के साथ क्षेत्र में शिवभक्ति का माहौल भी नजर आया। कांवड़ मार्ग पर बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। योगी-मोदी कांवड़ को देखने के लिए मार्ग में लोगों की विशेष रुचि दिखाई दी।

कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, बनत सहायता केंद्र का औचक निरीक्षण

शामली (शिखर समाचार) श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 के अंतिम चरण में कांवड़ियों की बढ़ती संख्या और लगातार हो रही बारिश को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सोमवार को सहारनपुर मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार और सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह ने पुलिस अधीक्षक शामली नरेंद्र प्रताप सिंह सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बनत चौराहा स्थित कांवड़ सहायता केंद्र का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुरक्षा, यातायात, पेयजल, चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने सहायता केंद्र पर तैनात पुलिसकर्मियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए मौके पर उपलब्ध संसाधनों को भी परखा। कांवड़ यात्रा के अंतिम चरण में डाक कांवड़ का आवागमन लगातार बढ़ने और बारिश के कारण उत्पन्न

होने वाली संभावित समस्याओं को देखते हुए यातायात व्यवस्था की विशेष समीक्षा की गई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि कांवड़ मार्ग पर यातायात संचालन निर्बाध रहे और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मंडलायुक्त और डीआईजी ने संबंधित अधिकारियों को कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। सहायता केंद्र पर चौबीसों घंटे पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया। बारिश के कारण कांवड़ मार्ग पर जलभराव या किसी अन्य समस्या की स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अमला पूरी तरह तैयार रहे। अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा के दौरान संबंधित जनपदों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सुरक्षा, यातायात अथवा कांवड़ मार्ग से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचना तत्काल संबंधित जनपदों के अधिकारियों से साझा की जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर समन्वित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांवड़ियों के साथ आमजन की सुरक्षा और सुगम आवागमन भी प्रशासन की प्राथमिकता है।

सावन के दूसरे सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे मंदिर

शामली (शिखर समाचार) सावन मास के दूसरे सोमवार को शहर के शिवालयों में आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक और पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। हर-हर महादेव और बम बम भोले के जयघोष से मंदिर परिसर गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, दूध, दही, शहद और गंगाजल अर्पित कर विधि विधान से पूजा अर्चना की और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। शहर के प्रमुख शिवालयों को सावन के अवसर पर आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सिद्धपीठ गुलजारी वाला शिव मंदिर में प्रात:काल विशेष अभिषेक और पूजा अर्चना का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। महिलाओं ने भजन कीर्तन कर भोलेनाथ की आराधना की और परिवार में सुख, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इसके अलावा माजरा रोड स्थित सिद्धपीठ भाकूवाला मंदिर, सदाशिव मंदिर रेलपार, गढ़मुक्तेश्वर महादेव शिव मंदिर सतीवाला, हनुमान धाम स्थित शिव मंदिर, सुभाष चौक स्थित शिव मंदिर और गांधी चौक स्थित कुटी वाला शिव मंदिर समेत शहर के अन्य शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। कई मंदिरों में श्रद्धालु हाथों में पूजा की थाली और गंगाजल लेकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। सुबह से लेकर देर शाम तक मंदिर परिसरों में घंटियों की गूंज, मंत्रोच्चार और भजन कीर्तन का दौर चलता रहा। शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। सावन के दूसरे सोमवार को मंदिरों में उमड़ी भीड़ के चलते प्रमुख शिवालयों और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर धार्मिक उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

जलाभिषेक की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने शिव मंदिरों का किया निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा के तहत मंगलवार को होने वाले जलाभिषेक को लेकर जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने सोमवार को जनपद के प्रसिद्ध प्राचीन शिव मंदिरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने मंदिर परिसरों में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए की गई तैयारियों को परखा तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जलाभिषेक के दौरान बड़ी संख्या में शिवभक्त मंदिरों में पहुंचेंगे। ऐसे में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने मंदिर परिसरों में की गई बैरिकेडिंग, श्रद्धालुओं के आवागमन, जलाभिषेक की व्यवस्था तथा सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भीड़ के दौरान किसी भी स्थिति में अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर परिसरों में साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों और अन्य शिवभक्तों के लिए आवश्यक सुविधाएं पहले से उपलब्ध रहनी चाहिए, ताकि जलाभिषेक के दौरान किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने भी सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों को भीड़ नियंत्रण तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने और श्रद्धालुओं की भीड़ पर लगातार नजर रखने को कहा।

जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा और जलाभिषेक के दौरान शिवभक्तों की सुरक्षा एवं सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जलाभिषेक संपन्न होने तक सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करते रहें और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करें।

पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी ने कांवड़ मार्ग व नांकेश्वर महादेव मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था परखी

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर सोमवार को पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह और जिलाधिकारी मेधा रूपम ने अधिकारियों के साथ रबूपुरा क्षेत्र में सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने गांव भाईपुर स्थित प्राचीन नांकेश्वर महादेव शिव मंदिर परिसर का निरीक्षण करने के साथ कांवड़ मार्ग और श्रद्धालुओं के लिए लगाए जा रहे भंडारों की व्यवस्थाएं भी परखीं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने भंडारों में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने मंदिर समिति के सदस्यों और भंडारा संचालकों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो और भंडारों में साफ-सफाई की व्यवस्था नियमित रूप से सुनिश्चित की जाए। स्थानीय प्रशासन को भी श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य और सुविधा के मामले में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए।

पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी ने रबूपुरा थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों सहित कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती करने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में शिवभक्त क्षेत्र से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कांवड़ मार्ग पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त रवि शंकर निम, पुलिस उपायुक्त साद मियां खान सहित पुलिस और प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों की प्रमुख सचिव ने की समीक्षा, समयबद्ध तैयारी पूरी करने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के चतुर्थ संस्करण को भव्य, सुव्यवस्थित और अधिक प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से सोमवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट एंड सेंटर में प्रमुख सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग शशि भूषण लाल सुशील ने तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं युद्ध स्तर पर पूरी करने और आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अब तक की तैयारियों की जानकारी दी। प्रमुख सचिव ने कहा कि आयोजन में देश-विदेश से उद्यमी, निवेशक, खरीदार, प्रतिनिधि और आगंतुक पहुंचेंगे। ऐसे में आवागमन, यातायात, पार्किंग, सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, अग्निशमन, चिकित्सा, संकेतक और सूचना व्यवस्था समेत सभी आवश्यक सुविधाएं समय से सुनिश्चित की जाएं।

उन्होंने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, व्यापारिक, सांस्कृतिक और हस्तशिल्प क्षमता को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण मंच है। इसके माध्यम से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, एक जिला एक उत्पाद, हस्तशिल्प, हथकरघा, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, सेवा क्षेत्र तथा औद्योगिक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने में सहायता मिल रही है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम, सामाजिक माध्यम, समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए अधिक से अधिक उद्यमियों, व्यापारियों, निवेशकों, निर्यातकों, शिक्षण संस्थानों और आमजन तक आयोजन की जानकारी पहुंचाई जाए। देश के अन्य राज्यों और विदेशों से संभावित खरीदारों एवं निवेशकों को जोड़ने के लिए लक्षित प्रचार अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। बैठक में ग्रेटर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। प्रमुख सचिव ने संभावित यातायात दबाव वाले स्थानों को पहले से चिन्हित कर वैकल्पिक मार्ग, पार्किंग, आवागमन और सार्वजनिक परिवहन की कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि आयोजन केवल प्रदर्शनी तक सीमित न रहे, बल्कि व्यापारिक समझौतों, निवेश, निर्यात और नए बाजारों के अवसर पैदा करने वाला प्रभावी मंच बने।

प्रमुख सचिव ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में प्रतिभाग करते हुए सभी निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया। बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा प्रेरणा सिंह, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा वंदना त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, नगर मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार मिश्र, उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

रांची का छात्र आक्रोश सरकार के लिए चेतावनी की घंटी

रांची में छात्रों का विधानसभा मार्च केवल झारखंड की एक तात्कालिक राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि यह देश की उस युवा पीढ़ी की बेचैनी का आईना है जो अपनी मेहनत, योग्यता और भविष्य के भरोसे सरकारी नौकरियों की तैयारी करती है। सोमवार 10 अगस्त को हजारों छात्रों का विधानसभा की ओर बढ़ना, बैरिकेडिंग पार करना और विधानसभा के गेट तक पहुंचकर वहीं डट जाना इस बात का संकेत है कि मामला अब केवल किसी एक परीक्षा के परिणाम या किसी एक भर्ती प्रक्रिया तक सीमित नहीं रह गया है। यह भरोसे का संकट बन चुका है। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर पिछले 17 दिनों से आंदोलन चल रहा है। सरकार और छात्रों के बीच बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन समाधान का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं हो पाया है। यही वजह है कि छात्रों का आक्रोश सड़क से निकलकर सीधे सत्ता के दरवाजे तक पहुंच गया है।

इस आंदोलन की पृष्ठभूमि को समझना जरूरी है। 19 अप्रैल को 103 वरिष्ठ प्रशासनिक पदों के लिए जेपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा हुई थी। इसके बाद परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप सामने आए और परिणाम जारी होने के बाद विवाद और गहरा गया। मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई, सीआईडी ने परीक्षा से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया और जेपीएससी के अध्यक्ष ने इस्तीफा दिया। इसके बाद जेपीएससी और जेएसएससी की कई परीक्षाएं भी रद्द की गईं। यानी सरकार और जांच एजेंसियां यह मानने की स्थिति में तो पहुंचीं कि सवाल गंभीर हैं, लेकिन छात्रों का असंतोष इस कारण समाप्त नहीं हुआ क्योंकि उनके लिए असली प्रश्न केवल परीक्षा रद्द होने का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विश्वसनीयता का है जिसमें वे वर्षों तक मेहनत करते हैं।

छात्रों की प्रमुख मांगों में 14वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करना, अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच, संबंधित परीक्षा एजेंसी पर कार्रवाई, दोषी अधिकारियों को हटाना और तेज सुनवाई की व्यवस्था शामिल है। 9 अगस्त को सरकार और छात्रों के बीच करीब चार घंटे की बातचीत के बाद सरकार की ओर से परीक्षा रद्द करने पर सहमति जताए जाने की बात सामने आई, लेकिन छात्रों ने अन्य मांगों पर स्पष्ट निर्णय होने तक आंदोलन जारी रखने का फैसला किया। यही वह बिंदु है जहां सरकार को राजनीतिक गणित से ऊपर उठकर प्रशासनिक और नैतिक समाधान तलाशना होगा।

सोमवार का दृश्य सरकार के लिए विशेष रूप से गंभीर है। छात्र बड़ी संख्या में विधानसभा की ओर बढ़े। रास्ते में सुरक्षा के लिए कई स्तर की बैरिकेडिंग की गई थी। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और कुछ स्थानों पर लाठीचार्ज की खबरें भी सामने आईं। दूसरी ओर छात्र पीछे हटने के बजाय आगे बढ़ते रहे। विधानसभा के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू की गई थी और प्रशासन ने 750 मीटर के दायरे में सभा, जुलूस और प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया था। सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन की अपनी मजबूरियां हो सकती हैं, लेकिन किसी लोकतांत्रिक सरकार के लिए यह भी उतना ही जरूरी है कि वह यह समझे कि प्रतिबंध आंदोलन की वजह को समाप्त नहीं करते। वे केवल आंदोलन के स्थान को बदल सकते हैं।

यहां एक महत्वपूर्ण संतुलन समझना होगा। संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण सभा का अधिकार देता है, लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए उचित प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं। विधानसभा जैसे संवेदनशील परिसर में अनियंत्रित भीड़ को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती। प्रशासन का दायित्व है कि वह सुरक्षा सुनिश्चित करे। लेकिन लोकतंत्र की कसौटी केवल यह नहीं है कि सरकार कितनी मजबूती से बैरिकेड लगा सकती है, बल्कि यह भी है कि वह बैरिकेड के दूसरी तरफ खड़े नागरिकों की आवाज कितनी गंभीरता से सुनती है।

~ मौलिक चिंतन ~

मुर्दे को कंधा देना अच्छा है, लेकिन बेकार को धंधा देना उससे भी कहीं बड़ा पुण्य का काम है।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

युवा शक्ति को प्रतिभा, सेवा और नेतृत्व का अवसर देकर ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव

कांतिलाल मांडोत

युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति, सबसे मूल्यवान संपत्ति और भविष्य के निमार्ता होते हैं। उनमें जोश, उत्साह, ऊर्जा, नवीन सोच और चुनौतियों का सामना करने का अद्भुत साहस होता है। यही कारण है कि इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने सही दिशा में कदम बढ़ाए हैं, तब-तब समाज में परिवर्तन आया है, नई क्रांतियों का जन्म हुआ है और राष्ट्र ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। युवा केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी आशा हैं। इसलिए समाज का यह नैतिक दायित्व है कि वह युवा शक्ति को उनकी प्रतिभा दिखाने, समाज सेवा करने और नेतृत्व करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करे।

किसी भी समाज या देश की प्रगति युवाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। यदि युवा वर्ग को केवल दर्शक बनाकर रखा जाएगा और निर्णय लेने की प्रक्रिया से दूर रखा जाएगा, तो समाज अपनी सबसे बड़ी शक्ति से वंचित रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि अनुभवी और वरिष्ठ लोग युवाओं का हाथ पकड़कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें। यदि उनसे कोई भूल हो जाए तो उन्हें अपमानित करने या हतोत्साहित करने के बजाय प्रेमपूर्वक समझाया जाए, उनका आत्मविश्वास बढ़ाया जाए और उन्हें दोबारा बेहतर करने की प्रेरणा दी जाए। आखिर अनुभव भी गलतियों से ही प्राप्त होता है।

आज समाज में नेतृत्व की होड़, पद की लालसा और व्यक्तिगत स्वार्थ ने सेवा की भावना को काफी हद तक पीछे छोड़ दिया है। जबकि वास्तविक नेतृत्व वही है जिसमें त्याग, समर्पण, सेवा और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। यदि युवाओं के भीतर इन मूल्यों का विकास किया जाए तो वे केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश का गौरव बन सकते हैं। उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि सफलता केवल पद प्राप्त करने में नहीं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी बनने में है।

वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है युवाओं का नशे और दिखावटी जीवनशैली की ओर बढ़ता आकर्षण। शराब, तंबाकू, नशीले पदार्थ और अन्य व्यसनों ने अनेक युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना दिया है। यह केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करता है। नशे की लत से आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं, स्वास्थ्य नष्ट होता है और समाज में अपराध भी बढ़ते हैं। इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों, समाजसेवियों और धार्मिक संस्थाओं की यह जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को इन बुराइयों से दूर रखें और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करें।

आज फैशन और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण ने भी अनेक युवाओं को अपनी संस्कृति, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों से दूर कर दिया है। आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना नहीं है। विज्ञान, तकनीक और आधुनिक शिक्षा को अपनाना आवश्यक है, लेकिन अपनी संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय स्वाभिमान को भूल जाना किसी भी समाज के लिए उचित नहीं हो सकता। युवाओं को यह समझाना होगा कि भारतीय संस्कृति में मानवता, सेवा, सहिष्णुता और नैतिकता का जो संदेश है, वही उन्हें सच्चे अर्थों में महान बनाता है।

राष्ट्र संतों और महान विचारकों ने हमेशा युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी बताया है। उनका मानना था कि यदि युवाओं पर विश्वास किया जाए, उन्हें प्रेम दिया जाए और उनकी क्षमता को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं, तो वे असंभव कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। इसलिए धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। यदि उन्हें निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर नहीं मिलेंगे, तो उनकी ऊर्जा भटक सकती है। तब उसकी जिम्मेदारी केवल युवाओं की नहीं, बल्कि पूरे समाज की होगी जिसने उन्हें सही मंच उपलब्ध नहीं कराया।

आज देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक युवा अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन करते दिखाई देते हैं। दिल्ली सहित कई शहरों में युवाओं के आंदोलन यह संकेत देते हैं कि वे अपनी बात रखना चाहते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव की अपेक्षा रखते हैं। यदि उनकी समस्याओं को समय रहते सुना जाए और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाए, तो यही युवा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बन सकते हैं। दूसरी ओर यदि उनकी उपेक्षा की जाएगी, तो उनमें निराशा और असंतोष बढ़ सकता है।

युवाओं के चरित्र निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता केवल शिक्षा दिलाकर अपने दायित्व से मुक्त नहीं हो सकते। उन्हें बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रप्रेम की भावना भी देनी होगी। जिस परिवार में संवाद, विश्वास और प्रेम का वातावरण होता है, वहां के युवा सामान्यतः सही दिशा में आगे बढ़ते हैं। विद्यालय, महाविद्यालय और समाज भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकते हैं।

आज का युवा डिजिटल युग का युवा है। उसके पास असीमित जानकारी और अवसर उपलब्ध हैं। यदि उसकी प्रतिभा को सही दिशा मिले तो वह विज्ञान, तकनीक, कृषि, उद्योग, खेल, साहित्य, कला, सामाजिक सेवा और उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकता है। भारत विश्व का सबसे युवा देश माना जाता है और यह जनसांख्यिकीय शक्ति तभी राष्ट्रीय संपदा बनेगी जब युवाओं को रोजगार, कौशल, शिक्षा और नेतृत्व के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। समाज को चाहिए कि वह युवाओं को केवल भविष्य का नागरिक न माने, बल्कि वर्तमान का सक्रिय सहभागी बनाए। उन्हें निर्णय लेने का अधिकार, समाज सेवा का अवसर और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच दिया जाए। उनके विचारों को सम्मान मिले, उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिले और उनके सपनों को उड़ान देने का वातावरण तैयार किया जाए। जब अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन और युवाओं की ऊर्जा एक साथ जुड़ेगी, तभी एक मजबूत, समृद्ध और संस्कारित भारत का निर्माण संभव होगा।

युवा देश की धड़कन हैं। उनका उत्साह, परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। यदि समाज उन्हें विश्वास, अवसर और सही मार्गदर्शन देगा तो वे विकास, नवाचार, सेवा और राष्ट्र निर्माण की नई गाथा लिखेंगे। इसलिए समय की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि युवा शक्ति को सम्मान दिया जाए, उनकी प्रतिभा को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं और उन्हें राष्ट्र निर्माण का अग्रदूत बनाया जाए। यही एक सशक्त समाज, समृद्ध राष्ट्र और उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमंगल हारी, करुणामयी शिवशक्ति का पावन पर्व है सावन शिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

भारत में सर्वाधिक महत्व जिस देव का है, वो देवाधिदेव भगवान शिव ही हैं, जो आज भी समूचे भारतवर्ष में उतने ही पूजनीय और वंदनीय हैं, जितने सदियों पहले। देशभर में भगवान शिव की पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है, इसीलिए 'शिवरात्रि' पर्व को भारत में राष्ट्रीय पर्व का दर्जा प्राप्त है। वैसे तो शिवरात्रि हर माह मनती है किन्तु इनमें से फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि की महत्ता सर्वाधिक है। सावन शिवरात्रि प्रायः माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को मनाई जाती है, जिसे भगवान शिव के प्रति भारतीयों की आस्था की प्रतीक 'कांवड़ यात्रा' का समापन दिवस भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन की शिवरात्रि सावन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है और वर्ष यह तिथि 11 अगस्त को प्रातः 4 बजकर 43 मिनट से शुरू होकर 12 अगस्त रात्रि 01 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, यह पर्व 11 अगस्त को ही मनाया जाएगा और इसी दिन शिवलिंग का जलाभिषेक होगा। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर ही कांवड़ यात्रा का भी समापन होता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस साल सावन शिवरात्रि पर चतुर्ग्रही योग बन रहा है और इस दिन कर्क राशि में सूर्य, गुरु, बुध और चंद्रमा एक साथ बैठकर चतुर्ग्रही योग का निर्माण करने वाले हैं।

धार्मिक ग्रंथों में 'शिव' और 'रात्रि' के शाब्दिक अर्थ को परिभाषित करते हुए बताया गया है, जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो भगवान नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं। 'रात्रि' शब्द 'रा' दानार्थक धातु से बना है अर्थात जो सुखादि प्रदान करती है, वह 'रात्रि' है। रात्रि सदा आनन्ददायिनी होती है, अतः सबकी आश्रयदात्री होने के कारण उसकी स्तुति की गई है। इस प्रकार शिवरात्रि का अर्थ है, वह रात्रि, जो आनंद देने वाली है, जिसका शिव नाम के साथ विशेष संबंध है।

भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात 'महादेव' कहा गया है। देव-दानव, मानव-प्रेत, भगवान शिव इन सभी के आराध्य देव रहे हैं। 'भोले बाबा' के रूप में सर्वत्र पूजनीय भगवान शिव को समस्त देवों में अग्रणीय और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वह अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं तथा उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान शिव को भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता का प्रतीक माना गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में यही उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने भगवान शिव की अनुकम्पा प्राप्त करने के लिए उन्हें अपनी एक आंख समर्पित कर दी थी। इस बारे में कहा गया है कि भगवान विष्णु जब शिव को प्रसन्न करने के लिए 1008 कमल के फूलों से उनका अभिषेक कर रहे थे, तब आखिर में एक कमल कम रह गया। इस पर भगवान विष्णु ने तुरंत कटार से अपनी एक आंख निकाली और कम रहे कमल के स्थान पर शिव को अपनी आंख अर्पित कर दी। इससे शिव विष्णु पर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने भगवान विष्णु को अपना दिव्य मंत्र प्रदान कर दिया:-

ॐ त्रयम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उवार्रूकमिव बन्धनात।
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात।।

भगवान शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है। इसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए।

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

योगेन्द्र योगी

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है।

देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कूननों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना–दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे।

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं।

राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है।

पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई।

इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार–हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए।

आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती।

इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की ज्मिमेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराएं जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी।

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके।

यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झौंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत 'खेत खाए गदहा और मार खाए जुलहा' जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए कानून बन जाएं।
~~~~~~~~~

फेसपैक रात के लिए

दलिया से बने फेसपैक को रात में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है, जो काफी लाभप्रद होता है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच दलिया लें। इसमें ऑयल की कुछ बूंद डालकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट में एक चम्मच शहद और 2-3 चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लें। जब मिश्रण सूखने लगे तो स्क्रब कर लें बाद में निकाल दें। गर्म पानी से चेहरा धोएं।

जब सिर में हो खारिश

केले में शहद मिला कर मसल लें। उसमें प्याज का रस मिक्स करें। फिर इसे बालों की जड़ों में लगा कर 20 मिनट तक छोड़ दें और बाद में शैंपू कर लें। इस मास्क से रूसी खत्म होगी। जै तून का तेल लें और उसे गरम करें। उसमें शहद की कुछ बूंदें डालें और उससे सिर की कुछ देर मसाज करें। बीस मिनट के बाद सिर को शैंपू से धो लें। खारिश दूर हो जाएगी।

हाथों को सुंदर बनाने के टिप्स

खूबसूरत हाथ सभी को आकर्षित करते हैं। अपने हाथों को सुंदर बनाने के लिए आप मैनिक्योंर करवा कर हाथों को हमेशा नर्म और मुलायम बना सकती हैं। हाथों को खूबसूरत बनाएं रखने के लिए जानें ये मेनिक्योंर टिप्स-

हाथ रुखे होने पर आप इनमें तेज खुशबू वाला लोशन लगाएं।

अक्सर नेलपॉलिश हटाने के बाद नेल्स रुखे हो जाते हैं ऐसे में आप नेल रिमूवर में कुछ बूंदें जोजोबा ऑयल की डालें और इसे नेपॉलिया हटाने केबाद नाखूनों पर लगाएं।

नेलपॉलिश को ज्यादा दिनों तक फ्रेश बनाए रखने के लिए शीशी के मुंह पर क्यूटिकल ऑयल लगाएं और शीशी बंद कर दें।

गीले हाथों पर नेल फाइलिंग न करें, क्योंकि गीले होने पर नाखून कमजोर हो जाते हैं। नाखूनों को एक ही दिशा में फाइल करें नहीं तो वे टूट भी सकते हैं।

घर सजाओ कुछ हटकर

होम डेकोर में कुशन, कर्टन, बेड कवर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि इनसे आप कम समय में घर का मेकओवर कर सकती हैं, इसलिए अलग-अलग उत्सव के लिए खास कलेक्शन रखें।

दीवारों पर सॉफ्ट कलर का पेंट है, तो एक्सेसरीज ब्राइट कलर की और दीवारों का कलर हाईलाइट करना हो, तो एक्सेसरीज सॉफ्ट रखें। घर का लुक अच्छा आता है।

पहले ही डिसाइड कर लें कि आपको कमरे का लुक एथनिक चाहिए या फिर मॉडर्न। इस बात को ध्यान में रखकर ही कमरे को सजाने की शुरूआत करनी चाहिए। कुशन और बेड कवर्स के साथ भी एक्सपेरिमेंट किया जा सकता है। अजकल मार्केट में कई तरह के कुशन कवर्स और बैड कवर्स उपलब्ध है जो आपके कमरे की सजावट को कॉम्प्लीमेंट करेगा। दीवारों पर भी रंग कुछ हटकर चुन सकते हैं। इससे कमरे की काया ही बदल जाएगी।

बटुआ बना नया

फैशन ट्रेंड

यह सच है कि फैशन हर पल बदलता रहता है। इन दिनों बटुओं को सबसे ज्यादा फैशन है। जहां पहले लड़कियां बड़े बैग्स कैरी करना पसंद करती थीं वहीं इन दिनों बड़े बैग की जगह उनके हाथों में छोटा बटुआ देखने को मिलता है। कमाल की बात यह है कि ये बटुए हर शेप, साइज और रंग में मिलते हैं। इन बटुओं की खासीयत यह है कि इन्हें आप हाथ में रख सकती है और साथ ही जब चाहें कंधे पर टांग भी सकती हैं।

यह हर ड्रेस के हिसाब से मैंचिग की जा सकती है।

अब आपको इंडियन आउटफिट पसंद हो या वेस्टर्न बटुआ हर ड्रेस के साथ मैच हो जाता है। बटुए अब हर तरह के मैटीरियल में उबलब्ध हैं। लैदर, रैक्सीन, जूट, कपड़े में यह मार्केट में पाए जाते हैं। एम्ब्रॉएडरी, सीक्वेंस वर्क, स्टोन वकआदि हर रूप में पाया जाता है। बटुआ हर एज ग्रुप को इम्प्रेस करता है। चहे फिर वह कॉलेज गोइंग गर्ल्स हो या फिर हाउसवाइफ या फिर वर्किंग वुमन। यह सबका फेवरेट है।

डाइनिंग टेबल डेकोर

घर की शोभा बढ़ाने में डाइनिंग टेबल का भी बड़ा हाथ होता है। डायनिंग टेबल से लिविंग रूम की शोभा चार गुना बढ़ती है और अगर यह ठीक से अरेंज हो तो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। डायनिंग टेबल सैट करते वक्त कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

1. डानइनिंग टेबल साफ रखें। अपनी डायनिंग टेबल को हमेशा साफ रखें। अगर आपके घर पर पार्टी है या फिर गेस्ट आने वाले हैं तो अपनी डायनिंग टेबल को पोंछ कर ही उस पर नैपकिंस और पल्ेट्स सजाएं।

* डाइनिंग टेबल पर टेबल मैट ऐसा होना चाहिए चाहिए जो दिखने में खूबसूरत होने के साथ-साथ साफ करने में भी आसान हो।

* टेबल पर बीचों-बीच एक सेंटर पीस रख देने से टेबल पर रखें अन्य समान अपनी जगह पर ठीक से अरेंज हो जाएंगे। सेंटर पीस के रूप में आप फूलों का वास या शो पीस आदि रख सकती हैं। अगर आपको सेंटरपीस नहीं रखने का मन है तो आप वहां पर नैपकिन का सेट भी रख सकती हैं।

* कटलरी परोसे गए खाने के आइटम के हिसाब से होनी चाहिए। इसे बाहर से अंदर के हिसाब से रखना चाहिए।

* डाइनिंग टेबल पर ज्यादा भीड़ न लगाएं. डिनर के लिए अपने डायनिंग टेबल को यूजर फ्रेंडली बनाइए। वहां पर केवल वही चीजें रखें जिनकी जरूरत हों।

डीएलएफ को खुदरा कारोबार में मजबूत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ अपने खुदरा पोर्टफोलियो को लेकर बेहद आशावादी है। कंपनी को उम्मीद है कि उपभोक्ताओं के मजबूत खर्च और उपभोग में लगातार वृद्धि के दम पर उसका खुदरा कारोबार बेहतर प्रदर्शन जारी रखेगा। डीएलएफ रिटेल की समूह की एक कार्यकारी निदेशक ने बताया कि प्रीमियम पेशकशों और बेहतर गुणवत्ता की बढ़ती मांग के कारण खरीदारों की संख्या (फुटफॉल) कोविड से पहले के स्तर से ऊपर पहुंच गई है और प्रति ग्राहक औसत बिक्री भी बढ़ रही है। उनका मानना है कि गुणवत्तापूर्ण खुदरा बिक्री की मूल मांग मजबूत बनी हुई है।` कंपनी ने हाल ही में पश्चिम दिल्ली में मिडटाउन प्लाजा जैसे हाइपरलोकल शॉपिंग सेंटर पेश किए हैं, जिनकी अवधारणा को लेकर काफी उत्साह है। बेक्टर ने कहा कि मिडटाउन प्लाजा, समिट प्लाजा और गोवा के डीएलएफ प्रोमेनेड जैसी तीन नई परियोजनाओं के साथ कंपनी का लक्ष्य अपनी आय में 20 से 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना है। गुड़गांव में 20 लाख वर्ग फुट का मॉल ऑफ इंडिया भी पाइपलाइन में है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में डीएलएफ की किराया आय में फीसदी की वृद्धि हुई और कुल पोर्टफोलियो में 95 फीसदी ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई।

दवाओं की कीमतों पर लग सकती है नई लगाम, सरकार जांच रही ट्रेड मार्जिन का फॉर्मूला

- डीपीसीओ 2013 में बदलाव कर गैर-अनुसूचित दवाओं को दायरे में लाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार औषधि मूल्य निर्धारण ऑर्डर (डीपीसीओ), 2013 में ट्रेड-मार्जिन युक्तिकरण (टीएमआर) को शामिल करने के प्रस्ताव पर सक्रियता से विचार कर रही है। इसका मकसद आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) से बाहर की गैर-अनुसूचित दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करना है। दवा विभाग (डीओपी) ने संसदीय समिति को बताया कि इस नीतिगत निर्णय को अंतिम रूप देने की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं है, पर इसकी सक्रिय जांच चल रही है। आंकड़ों से पता चला कि गैर-अनुसूचित दवा बाजार के 87 प्रतिशत हिस्से में औसत मार्कअप 45 प्रतिशत तक था। वहीं केवल 4 प्रतिशत हिस्से में वितरकों को 100 प्रतिशत से अधिक का भारी मार्कअप मिला। विभाग ने स्पष्ट किया कि अत्यधिक मार्जिन क्षेत्र में आम नहीं है, बल्कि यह बाजार के एक छोटे से खंड तक ही सीमित है। फार्मारैक डेटा के अनुसार टैबलेट और कैप्सूल जैसे सामान्य खुराक रूपों के लिए वितरकों से खुदरा विक्रेताओं तक का औसत संयुक्त मार्कअप लगभग 43 प्रतिशत रहा। डीओपी ने यह भी बताया कि व्यापार मार्जिन दवा की खुराक, लागत, बिक्री की मात्रा और वितरण मॉडल जैसे कारकों के आधार पर भिन्न-भिन्न होते हैं।

भारतीय इस्पात क्षेत्र में आई क्रांति, उदारीकरण ने बदली तस्वीर

- 1991-92 में इस्पात मंत्रालय की रिपोर्ट से शुरू हुआ बदलाव का दौर

नई दिल्ली ।

भारत के इस्पात क्षेत्र ने 1991-92 में एक नए युग में प्रवेश किया, जब सरकार ने इसे लाइसेंसिंग और मूल्य नियंत्रण से मुक्त कर दिया। इस्पात मंत्रालय की उस वर्ष की रिपोर्ट ने घोषणा की कि इस्पात उत्पादन अब केवल सार्वजनिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, जिसने जुलाई 1991 की नई औद्योगिक नीति के तहत उद्योग को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया। इस्पात पहला प्रमुख क्षेत्र था जिसे लाइसेंस की शर्त से मुक्त किया गया। अब क्षमता बढ़ाने के लिए लाइसेंस की आवश्यकता समाप्त हो गई, केवल स्थान संबंधी कुछ पाबंदियां रहीं। 1 जनवरी, 1992 से सरकार ने कीमत और वितरण पर भी नियंत्रण खत्म कर दिए, जिससे सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की कंपनियों को सख्त नियम-कायदों से आजादी मिली। इन सुधारों ने विदेशी निवेश के रास्ते खोले और कच्चे माल तथा उपकरणों के आयात संबंधी बाधाएं कम कीं। परिणामस्वरूप, कभी सनसेट इंडस्ट्री कहे जाने वाले इस उद्योग का कायापलट हो गया। स्वतंत्रता के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के प्रभुत्व वाले इस उद्योग की कमान अब निजी कंपनियों के हाथों में आ गई, जिसने अगले तीन दशकों में तीव्र आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया। उदारीकरण से पहले 1990-91 में देश के 1.32 करोड़ टन इस्पात उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र की हिस्सेदारी 46 फीसदी थी, जबकि टाटा स्टील एकमात्र एकीकृत निजी उत्पादक था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 43, निफ्टी 13 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार पर दबाव बना रहा। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर संशय के कारण भी बाजार धारणा कमजोर हुई। इसी कारण आज दिनर भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 43.27 अंक बढ़कर 78,542.44 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 13.15 अंक ऊपर आकर 24,583.80 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक में गिरावट आई और यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर बनकर उभरा जबकि निफ्टी फार्मा और निफ्टी एफएमसीजी का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। वहीं, निफ्टी रियल्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। निफ्टी50 इंडेक्स में टाइटन, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम और टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही जबकि एसबीआई, इटरनल, आईटीसी, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टीसीएस, विप्रो और कोल इंडिया के शेयरों में गिरावट आई।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। सबसे ज्यादा तेजी टाइटन, बाजाज फाइनेंस, बाजाज फिनसर्व, टाटा स्टील और एशियन पैंटस के शेयरों में रही। दूसरे और एसबआईएन, एनटीपीसी, आईटीसी और टेक महिंद्रा के शेयरों में गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार के दौरान हल्की तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सीमित बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 177.81 अंक बढ़कर 78,676 अंक के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी करीब 50 अंक की बढ़त के साथ 24,620 अंक के स्तर पर पहुंच गया। ।कमजोर मानसून बाजार के लिए एक चिंता का विषय बना हुआ है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.31 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे टूटकर 95.25 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी से रुपये में अधिक गिरावट पर अंकुश लगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.18 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में फिसलकर 95.25 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की बढ़त के साथ 95.17 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 फीसदी बढ़कर 99.70 पर पहुंच गया।

चीन में महंगाई रिकॉर्ड निचले स्तर पर, जुलाई में घटकर 0.5 फीसदी

- कमजोर मांग और ऊर्जा लागत में कमी प्रमुख कारण

नई दिल्ली ।

चीन में महंगाई की रफ्तार जुलाई 2026 में उम्मीद से कहीं ज्यादा धीमी पड़ गई है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) घटकर 0.5 फीसदी रह गया, जो जून में 1 फीसदी था और बाजार की उम्मीद (0.8 फीसदी) से भी कम रहा। जनवरी के बाद यह सबसे निचला स्तर है।

फैक्ट्रियों के स्तर पर भी कीमतों की बढ़ोतरी धीमी हुई है, जो कमजोर मांग का स्पष्ट संकेत देती है। इस गिरावट की मुख्य वजह कमजोर उपभोक्ता मांग है, क्योंकि लोग अभी खुलकर खर्च नहीं कर रहे। वैश्विक ऊर्जा कीमतों में नरमी ने भी दबाव कम किया है। जुलाई में खाने-पीने की चीजें 1.5 फीसदी सस्ती हुईं, यह लगातार चौथा महीना है जब इनमें गिरावट आई है। खासतौर पर पोर्क की अधिक आपूर्ति और कम खरीदारी ने कीमतों पर दबाव डाला। ट्रांसपोर्ट से जुड़ी महंगाई भी जून के 4.1 फीसदी से गिरकर 0.4 फीसदी रह गई। हालांकि, इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई बढ़कर 2.9 फीसदी हो गई।

फैक्ट्रियों के स्तर पर भी कीमतें धीमी बढ़ी हैं। फैक्ट्री से निकलने वाले सामान की कीमतें सालाना आधार पर 3.5 फीसदी बढ़ीं, जो जून में 4.1 फीसदी थी। मासिक आधार पर भी उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें 0.1 फीसदी और फैक्ट्री से निकलने वाले सामान की कीमतें 0.7 फीसदी कम हुईं। यह समग्र आर्थिक सुस्ती का संकेत देता है।

सीएनएच इंडिया की ट्रैक्टर बिक्री 42 प्रतिशत बढ़ी,उत्पादन क्षमता बढ़ाएगी कंपनी

- 2028 तक उत्पादन 1.2 लाख इकाई पहुंचाने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

कृषि उपकरण विनिर्माता सीएनएच की भारतीय इकाई ने वर्ष 2026 की पहली छमाही में घरेलू बाजार में रिकॉर्ड 30,248 ट्रैक्टर बेचकर 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और अपनी बाजार हिस्सेदारी को अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंचाया। कंपनी ने बढ़ती मांग और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए ग्रेटर नोएडा में एक चौथे विनिर्माण संयंत्र की स्थापना की भी घोषणा की है, जिससे इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सीएनएच इंडिया के एक प्रमुख अे धिकारी बताया कि जनवरी-जून 2026 में कंपनी की घरेलू ट्रैक्टर बिक्री 42 प्रतिशत बढ़कर 30,248 इकाई रही, जो उद्योग की 25 प्रतिशत वृद्धि से कहीं अधिक है।

इस दौरान निर्यात भी 20 प्रतिशत बढ़कर 6,666 वाहन हो गया, हालांकि अमेरिकी शुल्क से शुरुआत में कुछ बाधा आई थी। उन्होंने बेहतर प्रदर्शन का श्रेय प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों, डीलर नेटवर्क विस्तार और वित्तीय सेवा इकाई सीएनएच कैपिटल के सहयोग को दिया। जीएसटी कटौती और अनुकूल मानसून ने पहली तिमाही में बिक्री को गति दी, और पूरे वर्ष मांग अच्छी रहने की उम्मीद है।

कंपनी ग्रेटर नोएडा में अपने मौजूदा संयंत्र के पास यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (येडा) से आवंटित 100 एकड़ भूमि पर चौथा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी। 2028 की शुरुआत में चालू होने वाला यह संयंत्र कंपनी की वार्षिक ट्रैक्टर उत्पादन क्षमता को मौजूदा लगभग 70,000 वाहन से बढ़ाकर करीब 1.20 लाख वाहन कर देगा। सीएनएच इंडिया 2028 की दूसरी छमाही में 25-30 हॉर्सपावर श्रेणी का नया कॉम्पैक्ट ट्रैक्टर भी पेश करेगी, जिसे घरेलू और वैश्विक बाजारों में उतारा जाएगा। वर्तमान में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी लगभग 4.5 प्रतिशत है।

डीएलएफ का पेंटहाउस 271 करोड़ में बिका

- गुरुग्राम की द डहलियाज परियोजना में उद्यमी ने खरीदा

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने गुरुग्राम स्थित अपनी आगामी लक्जरी आवासीय परियोजना द डहलियाज में 271 करोड़ रुपये में एक पेंटहाउस बेचा है। सूत्रों के मुताबिक, यह सौदा देश के सबसे महंगे रियल एस्टेट सौदों में से एक है, जिसने प्रति वर्ग फुट कीमत के नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। यह पेंटहाउस उद्यमी मानव सरदाना को बेचा गया है। डीएलएफ ने अक्टूबर 2024 में 17 एकड़ में फैली द डहलियाज परियोजना शुरू की थी, जिसमें 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस हैं। सूत्रों के अनुसार, सुपर एरिया के आधार पर यह पेंटहाउस 1.58 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से बिका, जबकि कारपेट एरिया के हिसाब से कीमत करीब 2.6 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट बैठती है। कंपनी को इस परियोजना से 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व मिलने की उम्मीद है। अब तक इसकी 65 प्रतिशत से अधिक इकाइयां बिक चुकी हैं। इस परियोजना में अपार्टमेंट की कीमत 100 करोड़ से 170 करोड़ रुपये के बीच है।

पेंटहाउस की कीमत इससे भी अधिक है। डीएलएफ ने इस बिक्री पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

श्वेता आर्या बनीं महिंद्रा समूह की मुख्य रणनीति अधिकारी

मुंबई ।

महिंद्रा ग्रुप ने श्वेता आर्या को अपना नया ग्रुप मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की है।

इस भूमिका में आर्या समूह रणनीति कार्यालय का नेतृत्व करेंगी।

उनका मुख्य कार्य कंपनी के सभी व्यवसायों के साथ मिलकर नए विकास के अवसर खोजना और महिंद्रा को दीर्घकालिक रणनीतिक लाभ दिलाना होगा। वह सीधे महिंद्रा समूह के सीईओ और प्रबंध निदेशक अनीश शाह को रिपोर्ट करेंगी और समूह कार्यकारी बोर्ड का भी हिस्सा होंगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधन में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इससे पहले, श्वेता आर्या कमिंस इंडिया में प्रबंध निदेशक के तौर पर कार्यरत थीं।

आईएफसी एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज में करेगी 225 करोड़ निवेश

- इक्विटी निवेश से टियर-2 और टियर-3 शहरों में बनेंगे आधुनिक वेयरहाउस

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने भारत में लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग क्षेत्र को मजबूती देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सोमवार को आईएफसी ने एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज प्राइवेट लिमिटेड में 225 करोड़ रुपये (लगभग 2.3 करोड़ डॉलर) के इक्विटी निवेश की घोषणा की। इस साझेदारी का प्राथमिक लक्ष्य देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में आधुनिक अवसंरचना का विकास करना है, जिससे आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सके। एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज, एनडीआर समूह द्वारा स्थापित एक नया मंच है, जो इस निवेश का उपयोग 14 शहरों में लगभग दो करोड़ वर्ग फुट ग्रेड-ए वेयरहाउस और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना विकसित करने के लिए करेगा। इन परियोजनाओं में सामान्य वेयरहाउस और कोल्ड स्टोरेज दोनों शामिल होंगे, विशेषकर महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आईएफसी के अनुसार यह पहल छोटे शहरों में आधुनिक लॉजिस्टिक्स की कमी को दूर करेगी, विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देगी और संगठित क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर पैदा करेगी। आईएफसी के शलभ टंडन ने कहा कि इससे किसानों को बाजारों से बेहतर ढंग से जोड़ने और फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने में भी मदद मिलेगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना में पायलट पर साइकोएक्टिव पदार्थ के सेवन का संदेह

फुकेत-दिल्ली उड़ान में अचानक 300 फीट ऊंचाई घटने के बाद हुई थी घटना

नई दिल्ली ।

नागर विमानन मंत्रालय ने हाल ही में पुष्टि की कि फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान के मुख्य पायलट को साइकोएक्टिव पदार्थ के लिए शुरुआती जांच में संदिग्ध पाया गया है। यह घटना 4 अगस्त को हुई थी, जब हवा में विमान की ऊंचाई अचानक 300 फीट घट गई थी। मंत्रालय अब अंतिम परीक्षण रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एयरबस ए320 उड़ान (संख्या एआई2379) फुकेत से दिल्ली आते समय हवा में लगभग 300 फीट नीचे आ गई थी। हालांकि, बाद में विमान को नियंत्रित कर दिल्ली में सुरक्षित उतार लिया गया। इस घटना के दौरान तीन नवजात शिशुओं सहित 137 यात्री और आठ चालक दल के सदस्य विमान में सवार थे, जिनमें से कुछ यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को चोटें आई थीं। मंत्रालय ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत घटना के बाद उड़ान चालक दल के दोनों सदस्यों की अनिवार्य साइकोएक्टिव पदार्थ की जांच की गई। मुख्य पायलट का नमूना अंतिम पुष्टि के लिए एक तय प्रयोगशाला में भेजा गया है, जिसकी अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। इस बीच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया है। इस घटना को गंभीर श्रेणी में रखा गया है और इसकी जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है। जांच के निष्कर्षों और अंतिम रिपोर्ट के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोने के समीकरण बदले! युद्ध नहीं, अब महंगाई और ब्याज दरें तय करेंगी दिशा

निवेशक अब संघर्षों को आंक रहे हैं महंगाई और मौद्रिक नीति के असर से

नई दिल्ली ।

सोने की कीमतों और भू-राजनीतिक संघर्षों के बीच चला आ रहा पारंपरिक संबंध अब बदल रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार अब मुद्रास्फीति, ब्याज दरें और मौद्रिक नीति जैसे कारक सर्राफा कीमतों को प्रभावित करने में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

रिपोर्ट बताती है कि चालू वर्ष की पहली छमाही में यह स्पष्ट हो गया कि केवल भू-राजनीतिक जोखिम सोने में तेजी लाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। निवेशक अब संघर्षों का आकलन इस आधार पर कर रहे हैं कि उनका मुद्रास्फीति और ब्याज दरों पर क्या प्रभाव पड़ता है। एक जिंस शोध प्रमुख के अनुसार, युद्ध और सोने के बीच संबंध अब पहले की तुलना में अधिक परिस्थितियों पर निर्भर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंचे बॉन्ड प्रतिफल (यील्ड) सोने के लिए सबसे बड़ी बाधा बनकर उभरी, जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में इसकी पारंपरिक मांग प्रभावित हुई।

वर्ष की शुरुआत में नीतिगत अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से सोने की कीमतों को मजबूती मिली थी। हालांकि बाद में शुल्क वृद्धि ने उत्पादन लागत और मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं को बढ़ाया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि शुल्क अब आर्थिक वृद्धि के लिए ही नहीं, बल्कि मुद्रास्फीति के लिए भी एक कारक बन गए हैं। इसने लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की आशंका मजबूत की, जिससे डॉलर और अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियों की वास्तविक प्रतिफल में तेजी आई और सोने की चमक फीकी पड़ी।

अमेरिका-ईरान संघर्ष भी इसी बदलते रुख का उदाहरण है, जहां शुरुआती तेजी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की चिंता बढ़ी और सोने की कीमतें सुधर गईं। आगे चलकर मुद्रास्फीति का रुख, फेडरल रिजर्व के संकेत, वैश्विक नकदी की उपलब्धता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) और सट्टा निवेश सोने एवं चांदी की कीमतों के प्रमुख चालक बने रहेंगे।

भारत में रिकॉर्ड निवेश की घोषणाएं, आईटीईएस,बिजली क्षेत्र सबसे आगे

- वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत में 26.75 लाख करोड़ के निवेश का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद मौजूदा वित्त वर्ष की शुरुआत से अगस्त के पहले सप्ताह तक भारत में कुल 26.75 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणाएं हुईं।

इनमें से लगभग 56 प्रतिशत (14.98 लाख करोड़ रुपये) आईटी-आधारित सेवा (आईटीईएस) क्षेत्र में प्रस्तावित है, जिसका लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित है। बिजली दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी रही, जिसमें 6.86 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इसमें चार परमाणु ऊर्जा कंपनियों का अनुमानित 6.5 लाख करोड़ रुपये का खर्च शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में लगभग 51,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणाएं हुईं, जिसमें दो-तिहाई सोलर सेल और बैटरी से जुड़े हैं। अक्षय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा, में भी लगभग 25,000 करोड़ रुपये का निवेश होना है। बुनियादी ढांचे के विकास के कारण एल्युमीनियम और इस्पात क्षेत्रों में भी निवेश बढ़ रहा है।

हालांकि, रिपोर्ट बताती है कि निवेश की घोषणाएं अभी भी कुछ ही क्षेत्रों तक सीमित हैं और उपभोक्ता-केंद्रित उद्योगों जैसे वाहन और उपभोक्ता वस्तुओं में 2,000 करोड़ रुपये से कम का निवेश देखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश टी-20

भुवी की लखनऊ फाल्कन्स की नजर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर

बोले- युवाओं के लिए है बड़ा प्लेटफॉर्म

लखनऊ। यूपी टी20 लीग 2026 का आगाज 14 अगस्त से होगा। लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने लीग को युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा प्लेटफॉर्म बताया। उन्होंने टीम की तैयारियों और इस बार ट्रॉफी जीतने की उम्मीद भी जताई। युवा खिलाड़ी आराध्य यादव ने भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को अपने करियर के लिए अहम बताया। यूपी टी20 लीग की शुरुआत 14 अगस्त 2026 से होगी। टूर्नामेंट के मुकाबले दो शहरों लखनऊ और कानपुर में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट से पहले लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने मीडिया से बातचीत की। (फोटो सोर्स- विशेष व्यवस्था) यूपी टी20 लीग का नया सीजन 14 अगस्त से शुरू होना है। इस बार लीग के मुकाबले दो वेन्यू लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम और कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के आगाज से पहले भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और युवा खिलाड़ी आराध्य यादव ने लीग के महत्व और अपनी टीम 'लखनऊ फाल्कन्स' की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।

यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन अवसर- लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने यूपी टी20 लीग को युवा प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म बताया। भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद शानदार अवसर है। लीग में कई इंटरनेशनल खिलाड़ी खेल रहे हैं। युवा खिलाड़ियों को उनके साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने का मौका मिलता है'' भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''खिलाड़ी अपनी योग्यता और प्रदर्शन के दम पर आगे बढ़ सकते हैं।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक रंजन ने लगाई हाफ सेंचुरी

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को हराया

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के 18वें मैच में सार्थक रंजन की कप्तानी वाली नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 7 विकेट से हरा दिया। ये नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की इस लीग में चौथे मैच में दूसरी जीत रही और इस टीम के फिलहाल 5 अंक हो चुके हैं। सार्थक रंजन को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया और वो इस सीजन में काफी अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स और न्यू दिल्ली टाइगर्स

के बीच खेले गए मैच में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और इसके बाद न्यू दिल्ली टाइगर्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 161 रन बनाए। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत के लिए 162 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 19.1 ओवर में 3 विकेट पर 165 रन बनाकर मैच को जीत लिया।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक ने लगाई हाफ सेंचुरी- नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के लिए पारी की शुरुआत करने वैभव कांडपाल और कप्तान सार्थक रंजन मैदान पर उतरे। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 70 गेंदों पर 102 रन की शतकीय साझेदारी हुई, लेकिन वैभव 36 गेंदों पर 41 रन बनाकर आउट हो गए और ये साझेदारी टूट गई। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 2 छक्के और 3 चौके भी लगाए और वो अपने अर्धशतक के करीब आकर उससे चूक गए।

अशिमता ने जीता कोरिया मास्टर्स

बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया; एक हफ्ते में भारत का दूसरा BWF खिताब

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अशिमता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 महिला सिंगल्स का खिताब जीता। 26 साल की अशिमता ने 53 मिनट चले फाइनल में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज कर अपना पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब जीता। भारत ने लगातार दूसरा BWF वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

पहले गेम में हान ने बनाई बढ़त

अशिमता ने मैच की शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई। वे शुरुआती दौर में 9-5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11-11 की बराबरी पर पहुंच गईं। चीनी खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल की।

दूसरे गेम में अशिमता की वापसी

अशिमता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मैश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6-6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अशिमता 11-8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अशिमता 17-10 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने एक और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21-14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरे गेम में पिछड़ने के बाद की वापसी

अंतिम गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। अशिमता ने 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मिड-गेम ब्रेक तक हान 11-9 से आगे निकल गईं। अशिमता ने वापसी करते हुए लाइन के किनारे शॉट लगाकर 12-11 की बढ़त बनाई। इसके बाद अशिमता गेम में लगातार आगे रहीं। उन्होंने हान के कोर्ट में खाली जगहों का फायदा उठाया और स्कोर 19-14 कर दिया। हान का रिटर्न बाहर जाने पर अशिमता को आखिरी पॉइंट मिला। इसके साथ ही उन्होंने चैंपियनशिप अपने नाम की।

2024 में अशिमता के घुटने की सर्जरी हुई थी

अशिमता को 2024 में कोरिया ओपन के दौरान दाएं घुटने में मेडियल मेनिस्कस में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई और लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन किया। वह अगले साल फरवरी में वापस लौटीं और 14 टूर्नामेंट में खेलीं। उन्होंने ब्ल्ड्ढस्न टूर पर चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में लगातार क्वार्टरफाइनल खेले। इसके बाद मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचीं।

सरफराज खान 2 साल बाद भारतीय टीम में शामिल

- *चोटिल साई सुदर्शन की जगह मौका मिला, गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे*

नई दिल्ली। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। BCCI ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

- **सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया-** क्चष्टढ्ढ ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित क्चष्टढ्ढ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्व) में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए है। साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।
- **प्लेयर्स की चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया-** श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।
- वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाड्रिसेप्स) और आकाश दीप चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं।
- **नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की -** नामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म-अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे। हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए।

भारत की अपडेटेड टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी और सरफराज खान।

'खिलाड़ी मशीन नहीं'

फिट होने में समय लगता है- लक्ष्मण: कहा- इंजरी प्लेयर्स के करियर का हिस्सा, किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के धीरे फिट होने में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्व) को दोषी मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे। लक्ष्मण क्चष्टढ्ढ के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि ष्टश्व और पुरुष-महिला दोनों टीमों के मैनेजमेंट के बीच शानदार तालमेल है। लक्ष्मण का बयान ऐसे टाइम पर आया है, जब देशभर में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर सवाल उठ रहे हैं।

लक्ष्मण ने कहा- ष्टश्व सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं- लक्ष्मण ने कहा- 'ष्टश्व सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटर्स को बेहतर बनाने में इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए चोट के लिए दोष शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे किसी को बलि का बकरा बनाया जाता है।' लक्ष्मण ने कहा कि फिटनेस के नियम कड़े हैं। साथ ही सभी खिलाड़ियों के शरीर का नेचर भी अलग है। इस वजह से कोई खिलाड़ी तय समयसीमा में पूरी तरह फिट नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि चोट का पता होने से लेकर खिलाड़ी के फिट होकर जाने तक उसकी मॉनिटरिंग होती है। इसी के आधार पर उसका वर्कलोड बढ़ाया जाता है।

लक्ष्मण बोले- चोट चिंता की वजह नहीं है

लक्ष्मण ने बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने पर कहा- 'मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का कारण है। जब कोई खिलाड़ी हाई लेवल पर खेलता है, तो उससे 100% से ज्यादा देने की उम्मीद होती है।' उन्होंने कहा- खिलाड़ियों की चोट को देखने का बाहरी दुनिया का नजरिया बदलना चाहिए। ष्टश्व के फिटनेस स्टाफ एड्रियन, निक और कमलेश काम कर रहे हैं।

सीरीज से 3-4 हफ्ते पहले सिलेक्शन मीटिंग होती है

क्चष्टढ्ढ सचिव देवजीत सैकिया ने सीरीज से पहले टीम का सिलेक्शन प्रोसेस समझाया। उन्होंने कहा कि टीम के रवाना होने से कम से कम 3 से 4 हफ्ते पहले मीटिंग होती है। इसलिए उस समय खिलाड़ी की सही स्थिति पता नहीं होती। इसी वजह से उसके नाम के आगे स्टार लगाया जाता है और स्क्वाड में रखा जाता है।

यशस्वी ने डक पर आउट होने के बाद की शानदार वापसी

श्रीलंका 11 के खिलाफ 2 छक्के 9 चौकों के साथ लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले लय में आ गए हैं और ये टीम इंडिया के लिए काफी सुखद खबर है। श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल पहली पारी में डक पर आउट हो गए थे,

लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने कमाल की वापसी की और टीम के लिए अर्धशतकीय पारी खेलकर रिटायर आउट हुए।

यशस्वी जायसवाल ने लगाया अर्धशतक- पहली पारी में असफल रहने के बाद यशस्वी ने कमाल की वापसी दूसरी पारी में की और उन्होंने काफी आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की।

सिराज ने तीन छक्के लगाकर भारत को जिताया

वॉर्मअप में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया; चोट से रिकवर हुए गिल के 44 रन

नई दिल्ली। भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। रविवार को मैच के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे।

ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए। उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की। कोलंबो में भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरु होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका XI ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका-XI ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

भारत मैच जीतने के बाद भी क्यों खेला?

भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अंपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनों गेंद खेलीं। प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है। इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम चाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी- वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में चरु राहुल ने कप्तानी की।

WWE इतिहास में ब्रॉक लैसनर की सबसे खतरनाक फाइट्स

बिग शो के साथ तो टूट गया था पूरा रिंग

नई दिल्ली। ड्ड्ड्ढश्व के महान रेसलर ब्रॉक लैसनर ने पिछले हफ्ते समरस्लैम 2026 के बाद कंपनी को अलविदा कह दिया। मंडे नाइट रॉ के पिछले एपिसोड में ब्रॉक को ट्रिब्यूट दिया गया और उनका नाम एल्यूमिनी लिस्ट में भी डाला गया। उनके करियर का अंत जरूर हार के साथ हुआ लेकिन पिछले 26 साल के करियर में लैसनर ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उनके करियर में कई ऐसे यादगार मैच भी रहे जब रिंग या तो खून से लाल रंग में तब्दील हो गया। या एक बार पूरा रिंग ही टूट गया। ब्रॉक लैसनर के करियर की ऐसी ही पांच खतरनाक फाइट्स के बारे में बात करेंगे। इसमें उनकी द अंडरटेकर, जॉन सीना, रोमन रेंस, बिग शो और कोडी रोड्स जैसे बेहतरीन रेसलर्स से हुए मुकाबलों का विवरण है। इसमें से एक मैच उनका और बिग शो का बहुत मशहूर हुआ था जब रिंग ही चारों तरफ से टूट गया था।

- **ब्रॉक लैसनर बनाम बिग शो- स्मैकडाउन, जून 2003-** 2003 में WWE का एक दौर था जब ब्रॉक लैसनर और बिग शो के बीच खतरनाक राइवलरी देखने को मिलती थी। उसी बीच जून 2003 में ब्रॉक लैसनर और बिग शो का मुकाबला एक स्मैकडाउन के शो में हुआ। WWE चैंपियनशिप के लिए हो रहे इस मुकाबले में दोनों के बीच बेहतरीन टक्कर देखने को मिली। इसी दौरान लैसनर ने रस्सी के ऊपर खड़े होकर 500 पाउंड के बिग शो को सुपरप्लेक्स दिया। जैसे दोनों रेसलर रिंग के बीच में गिरते हैं तो रिंग ही चारों तरफ से टूट गया। यह कंपनी के इतिहास में पहली बार देखने को मिला था। इसलिए यह मैच WWE में ब्रॉक लैसनर के सबसे यादगार फाइट्स में से एक है।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम जॉन सीना- WWE E&treme Rules 2012-** ब्रॉक लैसनर ने 2012 में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान कंपनी में वापसी की थी। उस समय उनकी राइवलरी थी जॉन सीना के साथ दोनों के बीच एक्ट्रीम रूल्स 2012 में कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस मैच में दोनों रेसलर खून से लथपथ थे। लैसनर ने शुरुआती क्षणों में ही अपनी कोहनी से सीना का सिर लहूलुहान कर दिया था। इस मैच में इसके बाद मेटल चेन जैसे कई खतरनाक उपकरण भी इस्तेमाल हुए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम द अंडरटेकर- WWE No Mercy 2002-** ब्रॉक लैसनर ने 2002 में कंपनी में डेब्यू किया था। उस वक्त उनका नाम मेन रोस्टर में आत ही चर्चा का विषय था। लैसनर ने उस समय के दिग्गज हल्क होगन को हराकर सभी को चौंकाया था। फिर उनका सामना होना था डेडमैन द अंडरटेकर के साथ। नो मर्सी 2002 में दोनों की फाइट तय हुई। इस मैच को जाल में कराया गया। मैच शुरू होने के कुछ ही देर बाद अंडरटेकर के एक प्रहार से लैसनप का माथा लहूलुहान हो गया था। फिर लैसनर ने भी अंडरटेकर पर स्टील की सीढ़ियों से प्रहार किया और वह भी खून से लथपथ हो गए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम रोमन रेंस- WWE WrestleMania 31, 2014-** 2014 का यह वो दौर था जब लैसनर को दोबारा वापसी करे दो साल हो चुके थे। वहीं नए स्टार रोमन रेंस को कंपनी पुश कर रही थी। उसी बीच रेसलमेनिया 31 में दोनों का मैच फाइनल हुआ। उस मुकाबले में उम्मीद के मुताबिक लैसनर ने रोमन रेंस को खूब छकाया। इस मुकाबले में दोनों के बीच कांटे की टक्कर हुई। अंत में दोनों फाइटर्स लहूलुहान थे। व

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3975

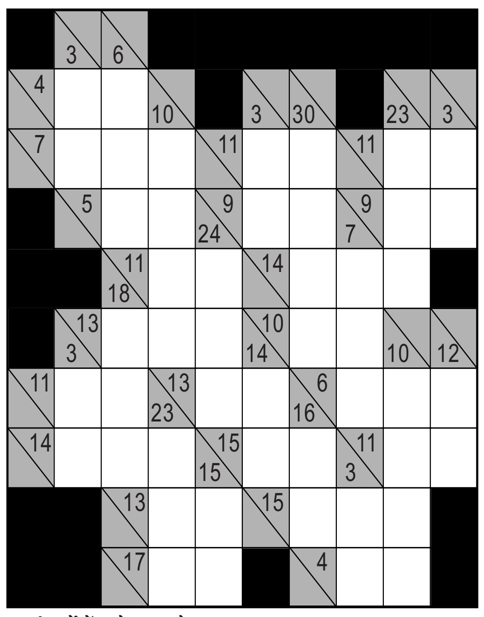

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3974 का हल

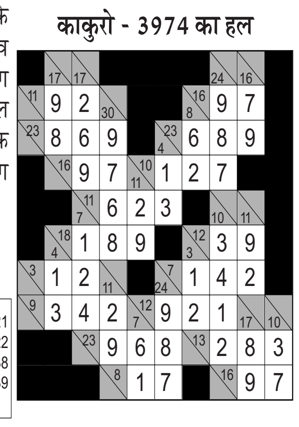

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3975

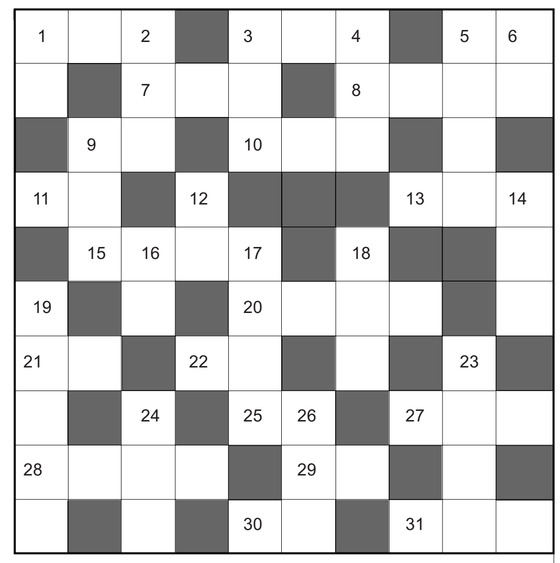

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3974

सूडोकु -3975

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3974 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 3975

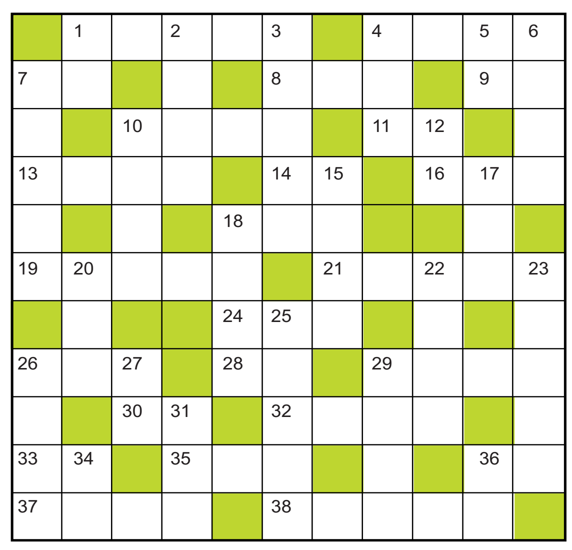

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -3974 का हल

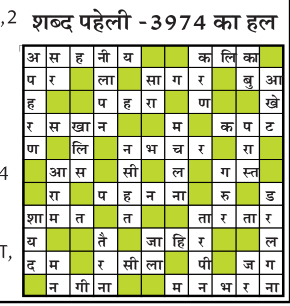

हेल्थ प्लस

हेल्दी कॉम्बिनेशन जूस के

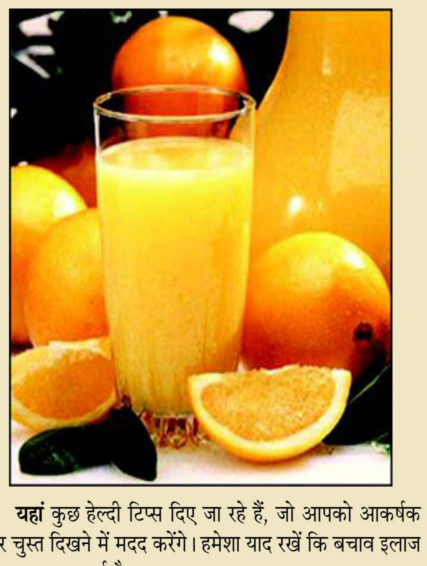

यहां कुछ हेल्दी टिप्स दिए जा रहे हैं, जो आपको आकर्षक और चुस्त दिखने में मदद करेंगे। हमेशा याद रखें कि बचाव इलाज से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

गाजर + अदरक + सेब= विटमिन ए से भरपूर होने के कारण ऊर्जा का स्त्रोत है तथा हमारे सिस्टम को दुरुस्त रखने में मदद करता है।

सेब + खीरा + सेलेरी= फाइटोकेमिकल्स होने के कारण कैंसर से बचाता है, कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, खीरा होने से त्वचा के लिए लाभकारी है।

टमाटर + गाजर + सेब= टमाटर लाइकोपीन से युक्त होने के कारण त्वचा की चमक बढाता है तथा कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है।

सेब + दूध= विटमिन सी और ई होने केकारण इम्यून सिस्टम तथा पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। कैल्शियम होने के कारण हड्डियों के लिए फायदेमंद है।

संतरा + अदरक + खीरा= त्वचा की कांति और मॉयश्चर (नमी) को बढाता है तथा विटमिन सी से भरपूर होने के कारण कोल्ड एंड कफ को नियंत्रित करता है।

अनानास + सेब + तरबूज= शरीर से अधिक सॉल्ट को कम कर ब्लैडर और किडनी के लिए फायदेमंद होता है।

सेब + खीरा + किवी= त्वचा को गोरा बनाने में मददगार है।

गाजर + सेब + नाशपाती + आम= शरीर की गरमी और टॉक्सिन को बाहर निकालने तथा ब्लड प्रेशर को कम करने में सहयोगी है।

खरबूजा+ अंगूर + तरबूज + दूध= विटमिन सी और बी 2 से भरपूर इम्यून सिस्टम को मजबूती देता है।

पपीता + अनानास + दूध= विटमिन सी, ई, आयरन त्वचा को चमक देने के लिए और मेटाबॉलिज्म को मजबूती देने में मदद करता है।

केला + अन्ननास + दूध= विटमिन से भरपूर और पोषक होने के कारण पाचन संबंधी कमियां दूर करने में कारगर है।

वन कप कॉफी

आमतौर पर लोग कॉफी का सेवन शौकिया या थकान मिटाने के लिए करते हैं। लेकिन, अंदर की बात यह थी है कि यह महज पेय पदार्थ नहीं, औषधि भी है। एक कप कॉफी में लगभग दस से एक सौ पच्चीस मिलीग्राम कैफीन होता है। इसी से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है।

मधुमेह से बचाव

हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के वैज्ञानिकों ने पाया कि कैफीनेटेड कॉफी से हमारे शरीर पर अच्छा असर होता है। एक दिन में छह कप तक कैफीन युक्त कॉफी पीने वालों को डायबिटीज होने की आशंका आधी हो जाती है। अध्ययनों से पता चला है कि कैफीन सहित कॉफी के सेवन से युवाओं में होने वाले मधुमेह के खतरे को कम किया जा सकता है। अमरीका में मिनेसोटा विश्वविद्यालय की रिपोर्ट के अनुसार कॉफी के बीजों में पाए जाने वाले खनिज तत्त्व और अन्य रसायन रक्त में शर्करा की मात्रा को प्रभावित करके अग्नाश्य का बचाव करते हैं। कॉफी पीने से 'टाइप टू' प्रकार के मधुमेह होने की आशंका 33 प्रतिशत तक कम हो सकती है। हालांकि कॉफी में पाए जाने वाले उन लाभकारी तत्त्वों के बारे मे आभी तक ठीक-ठीक पता नहीं चला है, जो इस रोग को खत्म करने में सहयक होते हैं। जापान के वैज्ञानिकों ने कॉफी की ऐसी किस्म तैयार की है, जो तंत्रिका तंत्र को सुचारू करती है।

काम की क्षमता

बिस्वल विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य मनोविज्ञान विभाग के मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जुकाम में कॉफी पीने से तबीयत मे सुधार होता है। डस्लडोर्फ यूनिवर्सिटी हैनबर्ग में किए गए एक शोध के अनुसार कॉफी मनुष्य को ज्यादा रचनात्मक, बुद्धिमान और ताकतवर बनाती है। इससे काम करने की क्षमता बढ़ जाती है। इसके अलावा इसमें एलर्जीरोघक तत्व होते हैं, जो कई प्रकार की एलर्जी से भी बचाते हैं।

बीमारियों से सुरक्षा

कॉफी के सेवन से स्मरण शक्तिभी बढ़ती है। बुढ़ापे में इसे पीने से वर्बल रिकॉल की समस्याएं नहीं होती। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि बुजुर्ग महिलाएं एक से तीन कप तक कॉफी का सेवन रोजाना करती हैं, तो वे कार्डियोवस्कुलर बीमारी से बची रहती हैं। शोधों से पता चला है कि प्रतिदिन दो से चार कप कॉफी पीने से कोलोन कैंसर का खतरा 25 फीसदी, गैनस्टोंस का 45 फीसदी, लीवर के साइकोसिस का 80 फीसदी और पार्किन्संस रोग का 50 फीसदी से 80 फीसदी तक कम हो जाता है। कॉफी में मौजूद थियोफिलीन रसायन से दमे का खतरा पचास फीसदी कम हो जाता है। साओ पाउलो यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक अनुसंधान में पाया है कि कॉफी पीने वाले पुरूष संतानोत्पत्ति में ज्यादा सक्षम होते हैं।

ध्यान रखें

कॉफी के फायदे तो हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं कि आप बिना सोचे-समझे कॉफी का सेवन अधिक करने लगें।

- कॉफी का अधिक सेवन रक्तचाप बढ़ाता है।
- गर्भवती महिलाएं यदि कॉफी ज्यादा पीती हैं, तो उन्हें गर्भपात का खतरा रहता है।

रक्तचाप घटाइए, याद्दाश्त बढ़ाइए

बढ़ते रक्तचाप का संबंध हृदय रोगों व हार्ट अटैक से माना जाता रहा है। इसी कारण यह मान्यता रही है कि यदि किसी व्यक्ति का रक्तचाप बढ़ा हो तो चिकित्सकीय परामर्श लेकर इसे कम कर हृदय रोगों व हृदयाघात से बचा जा सकता है किन्तु एक शोध से यह तथ्य भी उभरकर सामने आया है कि रक्तचाप कम करके न सिर्फ हृदयाघात व हृदय संबंधी अन्य बीमारियों से बचा जा सकता है बल्कि रक्तचाप कम करके याद्दाश्त भी बढ़ाई जा सकती है। यह शोध लास एंजिल्स कॉलेज ऑफ यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया था। शोधकर्ताओं का कहना है कि उच्च रक्तचाप के कारण याद्दाश्त में कमी होने वाले व्यक्ति अपना रक्त दबाव कम करके स्मरण शक्ति में सुधार ला सकते हैं। यह शोध उच्च रक्तचाप से पीड़ित 66 व्यक्तियों पर किया गया था।

साइलेंट किलर है ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप को सामान्य भाषा में साइलेंट किलर के रूप में जाना जाता है। हमारी आधुनिक जीवन शैली की देन है यह बीमारी। अत्यधिक चिंता व तनाव खून में स्ट्रेस हार्मोन एड्रेनलिन की मात्रा बढा देते हैं जिसके कारण शरीर में रक्त का दबाव बढ जाता है। मेडिकली हम जो दवाएं लेते हैं वे दवाएं ब्लड प्रेशर तो कम करती हैं लेकिन उसके होने के कारणों को खत्म नहीं करतीं। साथ ही इनके साइड-इफेक्ट्स भी हैं जो नुकसानदायक होते हैं। बेहतर होगा कि उन हानिकर तत्वों को बाहर निकालें जो ब्लड प्रेशर के जनक हैं। नियमित रूप से संतुलित आहार लें। कसरत करें और पर्याप्त आराम भी। इस खतरनाक रोग से बचने के लिए नेचुरोपैथी का सहारा भी लेना हितकर होगा।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

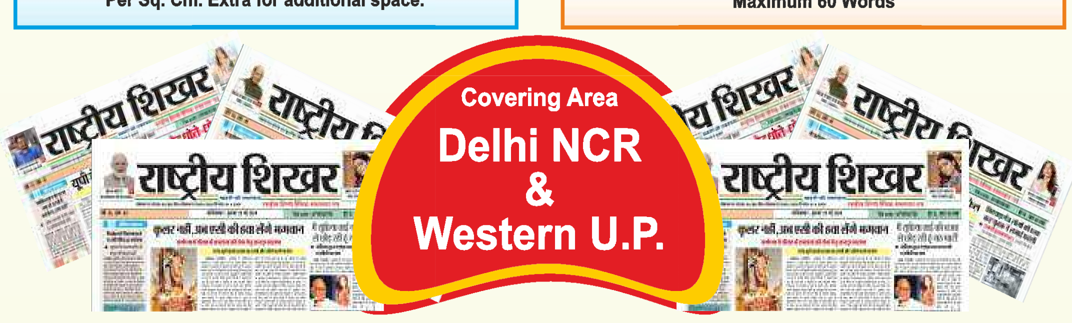

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

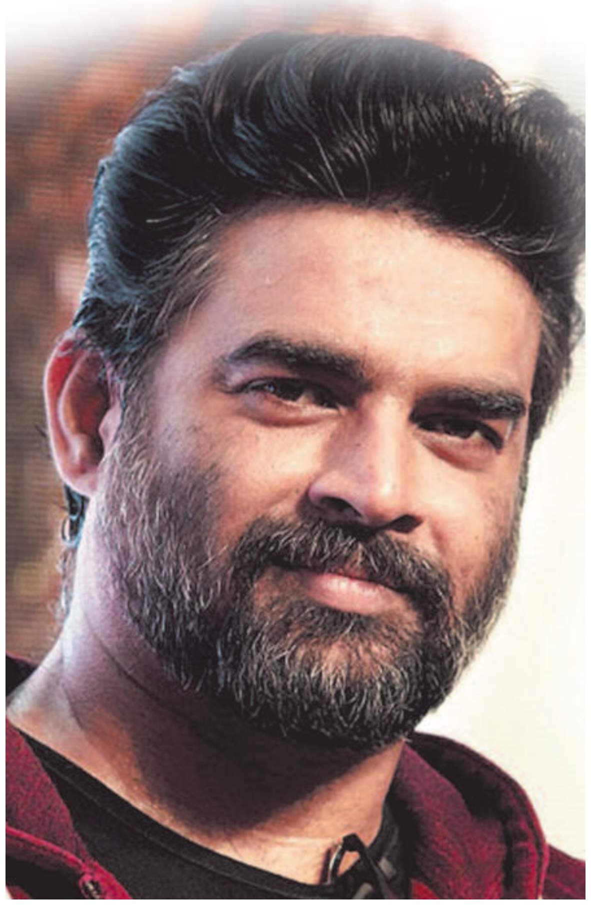

मैं एक एक्टर हूं, मेरा काम वास्तविकता को दिखाना है

एक्टर आर. माधवन ने हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर मिलने वाली राजनीतिक आलोचनाओं पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर कई लोग उन्हें 'संघी' कहकर बुलाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध या उनके प्रति झुकाव है। उनका कहना है कि जो भी सरकार अच्छा काम करती है, वह उसकी सराहना करने में यकीन रखते हैं, चाहे सत्ता में कोई भी पार्टी क्यों न हो। हाल के वर्षों में 'रॉकेट्रीः द नम्बी इफेक्ट' और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों को लेकर कुछ लोगों ने उन पर सरकार सपोर्टर सोच दिखाने के आरोप लगाए थे। अब अपनी आने वाली बायोपिक के प्रमोशन के दौरान माधवन ने इन सभी बातों पर खुलकर रिएक्ट किया है।

जब कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुना जाता है तो सपोर्ट करना कर्तव्य

जब उनसे पूछा गया कि सोशल मीडिया पर उन्हें 'संघी' कहे जाने पर उनका क्या रिएक्शन है तो उन्होंने कहा कि हर इंसान की सोच उसके संस्कारों और परवरिश से बनती है। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी किसी पार्टी या उसके नेताओं के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। अगर किसी ने कुछ अच्छा किया है तो मैंने उन्हें सपोर्ट किया है। जब कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुना जाता है तो मुझे लगता है कि उनका सपोर्ट करना मेरा कर्तव्य है। मैं कॉमेंट्स पढ़ता हूं, लेकिन इससे मेरे फैसले लेने पर कोई असर नहीं पड़ता। अगर कोई मुझे इस बारे में बुरा महसूस करा रहा है तो मैं उनकी सोच पर सवाल उठाना चाहता हूं।'

बचपन से अपने देश से प्रेम करना सिखाया गया

माधवन ने आगे कहा कि उन्हें बचपन से अपने देश से प्रेम करना और उस पर विश्वास करना सिखाया गया है। इसलिए उनके विचारों को किसी राजनीतिक विचारधारा से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि असली आलोचना और 'पैसे लेकर काम करने वाले बॉट्स' के कॉमेंट्स के बीच अंतर करना मुश्किल नहीं होता।

'धुरंधर' और 'रॉकेट्री' पर उठे सवालों का भी दिया जवाब

माधवन ने अपनी फिल्म 'धुरंधर' पर लगे उन आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी, जिनमें इसे सरकार सपोर्टर या प्रचार वाली फिल्म बताया गया था। इससे पहले भी राष्ट्रीय सुरक्षा और पाकिस्तान के चित्रण को लेकर फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली थीं, जिन पर एक्टर ने सवाल उठाया था कि कहीं कुछ विरोध किसी खास एजेंडे का हिस्सा तो नहीं है। माधवन ने कहा, 'धुरंधर फिल्म की कहानी पाकिस्तान में घटित होती है। जो कुछ भी होता है, अच्छा या बुरा, वह दिखाता है कि उसका भारत पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह किस तरह का दुष्प्रचार है? मेरी समझ से परे है। जब नम्बी की आलोचना करने की बात आती है तो अगर मैं उनके वास्तविक व्यक्तित्व से डरता हूं, तो मैं कहानी में ईमानदारी कैसे बरत सकता हूं? अगर वह मंदिर जा रहे हैं, तो मैं उसे दिखाऊंगा। अगर जी.डी. नायडू नास्तिक हैं, तो मुझे किरदार के प्रति ईमानदार रहना होगा। मैं उन्हें प्रार्थना करते हुए नहीं दिखाऊंगा। मैं एक एक्टर हूं, मेरा काम वास्तविकता को दिखाना है और मेरी निजी राय यह है कि मैं भारत की सभी अच्छी बातों को उजागर करना चाहता हूं। यह कोई अपराध नहीं हो सकता।

राजनीतिक संदेश देना कभी नहीं रहा उद्देश्य

उन्होंने 'रॉकेट्रीः द नम्बी इफेक्ट' से जुड़े विवाद का भी जिक्र किया। फिल्म में पूर्व इसरो वैज्ञानिक नम्बी नारायणन को पूजा करते हुए दिखाने पर कुछ लोगों ने उन्हें जरूरत से ज्यादा राष्ट्रवादी होने तक का आरोप लगाया था। माधवन ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य कभी राजनीतिक संदेश देना नहीं रहा। उनका काम सिर्फ असली किरदारों को उनकी वास्तविक पहचान के साथ पर्दे पर पेश करना है। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार की फिल्म जीडीएन में नजर आएंगे। यह फिल्म प्रसिद्ध भारतीय आविष्कारक जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है। फिल्म में सत्यराज, प्रियामणि, जयराम, दुशरा विजयन, विनय राय और योगी बाबू भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

संदीपा धर ने शेयर किया लेग-डे वॉर्म-अप रूटीन

नेटफ्लिक्स की चुंबक में नजर आएंगी

मुंबई फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर अभिनेत्री संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस को लेग-डे वर्कआउट की तैयारी की एक झलक दिखाई है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने लेग-डे से पहले अपनाई जाने वाली एक प्रभावी वॉर्म-अप टेक्निक दिखाई है, जो उनके वर्कआउट रूटीन का अहम हिस्सा है।

गौरतलब है कि लेग-डे वर्कआउट में ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति की जरूरत होती है। ऐसे में सही वॉर्म-अप मसल्स को एक्टिव करने और शरीर को कठिन एक्सरसाइज के लिए तैयार करने में मदद करता है। संदीपा का यह फिटनेस-फर्स्ट अप्रोच उनकी अनुशासित और नियमित लाइफस्टाइल को दर्शाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा धर जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आनेवाली हैं। इस एंसेम्बल कॉमेडी सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, अर्जुन बिजलानी, सुमीत व्यास, हेली शाह और कई अन्य कलाकार दिखाई देंगे। मुंबई के बैकग्राउंड पर आधारित यह सीरीज 28 अगस्त 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। एक ओर जहां संदीपा अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर वह अपनी फिटनेस और वेलनेस को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रही हैं। उनका यह संतुलन उनके प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

मिनी माथुर ने अली गोनी को हरा जीती 'अलायंस' की ट्रॉफी

मिनी माथुर 'अलायंस' की विनर बन गई हैं। उन्होंने अली गोनी और रूही दोसानी को मात देकर ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की राशि जीती। मिनी ने जीतने के बाद कहा कि उन्होंने 6 हफ्तों में एक पूरी जिंदगी जी ली। वह कुछ चीजें खुद के लिए साबित करना चाहती थीं।

मिनी माथुर ने कुणाल खेमू का रियलिटी शो 'अलायंस' जीत लिया है, और इस तरह इसे छह हफ्तों बाद अपना पहला विनर मिल गया है। मिनी माथुर ने अली गोनी और रूही दोसानी को मात देकर पहले सीजन की ट्रॉफी अपने नाम की। साथ ही 50 लाख रुपये की इनामी राशि भी जीती। अली गोनी पहले ही 'एस ऑफ द वीक' होने के कारण फाइनलिस्ट बन चुके थे, लेकिन रूही दोसानी, मिनी माथुर, नीति टेलर और कुशाल टंडन को फाइनलिस्ट बनने के लिए एक-दूसरे से मुकाबला करना पड़ा। 'अलायंस'के सेमी फाइनल में कुशाल जहां मिनी माथुर से हार गए, वहीं नीति को रूही से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अली गोनी के साथ मिनी माथुर और रूही दोसानी 'अलायंस' के फाइनलिस्ट बन गए। विनर बनने के लिए इन्हीं तीनों के बीच कड़ी टक्कर हुई।

फिर फिनाले टास्क हुआ, जिसमें मिनी, रूही और अली को शो की प्राइज मनी वाले वॉल्ट का कोड जीतने के लिए एक-दूसरे से लड़ना था। टास्क में तीनों फाइनलिस्ट को एक बॉक्स से बॉल इकट्ठा करनी थीं, एक पुल बनाना था और फिर बॉल को एक प्लेटफार्म तक ले जाना था। वहां उन्हें तीनों बॉल को एक साथ बैलेंस करना था। इसके बाद ही उन्हें वॉल्ट खोलने का कोड मिल सकता था। मिनी तीनों कोड इकट्ठा करने में कामयाब रहीं, जबकि अली गोनी ने दो कोड इकट्ठा किए। आखिरकार, मिनी माथुर 'अलायंस' की विनर बन गईं।

जीतने के बाद बोलीं मिनी माथुर

जीतने के बाद मिनी माथुर ने कहा, 'इन छह हफ्तों में मैंने एक पूरी जिंदगी जी ली है। यह मेरा पहला रियलिटी शो है। इससे पहले मैंने कभी किसी ऐसे रियलिटी शो में हिस्सा लेने के बारे में नहीं सोचा था, जिसमें कंटेस्टेंट्स को एक जगह बंद रहना पड़ता है। मैंने हां इसलिए कहा क्योंकि मुझे स्पोर्ट्स और कॉम्पिटिशन पसंद हैं, और मुझे खुशी है कि मेरे कुछ दोस्तों ने मुझे इसके लिए मनाया। मुझे नहीं लगा था कि मैं यहां एक हफ्ते से ज्यादा टिक पाऊंगी।'

इन छह हफ्तों में मैंने एक पूरी जिंदगी जी ली है।

यह मेरा पहला रियलिटी शो है। इससे पहले मैंने कभी किसी ऐसे रियलिटी शो में हिस्सा लेने के बारे में नहीं सोचा था, जिसमें कंटेस्टेंट्स को एक जगह बंद रहना पड़ता है। मैंने हां इसलिए कहा क्योंकि मुझे स्पोर्ट्स और कॉम्पिटिशन पसंद हैं, और मुझे खुशी है कि मेरे कुछ दोस्तों ने मुझे इसके लिए मनाया। मुझे नहीं लगा था कि मैं यहां एक हफ्ते से ज्यादा टिक पाऊंगी। कुछ बातें थीं जो मैं खुद को साबित करना चाहती थी, और अपनी जिंदगी के बारे में कुछ चीजों पर फिर से सोच रही थी।

'कुछ बातें मैं खुद को साबित करना चाहती थी'

मिनी ने आगे कहा, 'कुछ बातें थीं जो मैं खुद को साबित करना चाहती थी, और अपनी जिंदगी के बारे में कुछ चीजों पर फिर से सोच रही थी। पर जब मैं यहां आई, तो मुझे सबसे लगाव हो गया। मुझे हर एक कंटेस्टेंट से प्यार हो गया। इस पूरे सफर में उन्होंने मेरी बहुत मदद की है।'

जैस्मिन भसीन ने अपने जुनून पर की बात

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इन दिनों एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। वह जहां एक तरफ स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में खतरनाक टास्क करती नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अपनी आगामी पंजाबी फिल्म 'जुदा' की रिलीज को लेकर भी उत्साहित हैं। अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने के अपने अनुभव को लेकर जैस्मिन का कहना है कि अभिनय उनके लिए सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि उनका सबसे बड़ा जुनून है। इसलिए वह हर नए मौके को स्वीकार करना चाहती हैं और खुद को अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाना चाहती हैं। जैस्मिन भसीन ने अपने करियर और अभिनय के प्रति अपने लगाव को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ' 'मैंने हमेशा कहा है कि अभिनय को लेकर मैं बहुत लालची हूं क्योंकि यह मेरा सबसे बड़ा प्यार और मेरा जुनून है। मेरे सामने चाहे कुछ भी आए, मैं हमेशा उसे एक्सप्लोर करना चाहती हूं और अपना पूरा योगदान देना चाहती हूं। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि काम किस भाषा या प्लेटफॉर्म पर है, मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मुझे कुछ नया करने और सीखने का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, ' 'मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत और आभारी महसूस करती हूं कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका मिल रहा है। अलग-अलग तरह के दर्शकों से जुड़ना मेरे लिए बहुत खास अनुभव है।''

अभिनेत्री ने कहा, ' 'एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना आसान नहीं होता। यह सफर व्यस्त जरूर है लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। मैं चाहती हूं कि मेरे हर दिन में कोई नई चुनौती हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं और कुछ नया सीखना चाहती हूं।''

अनुपमा परमेश्वरन ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड ध्रुव विक्रम के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर लगाया विराम

अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन ने अपने को-स्टार और रूमर्ड बॉयफ्रेंड ध्रुव विक्रम के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर विराम लगाया है। अनुपमा के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करने बाद फैंस के बीच खबरें फैल रही थीं कि अभिनेत्री और उनके बॉयफ्रेंड के रिश्तों में दरार आ गई है।

अनुपमा परमेश्वरन हाल ही में अपनी फिल्म 'क्रेजी कल्याणम' के टीजर लॉन्च के मौके पर पहुंची थीं। जहां सिनेमा एक्सप्रेस की रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने कहा, 'यह मेरा सोशल मीडिया अकाउंट है। मैं तय करती हूं कि क्या पोस्ट करना है। मैं भड़ास नहीं निकाल रही थी। मैं बस एक महिला के बदलाव के बारे में बात कर रही थी। और मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने ऐसा किया।'

ऑनलाइन पोस्ट के आधार पर सोचना गलत

अनुपमा परमेश्वरन ने आगे कार्यक्रम के दौरान कहा, 'आप मेरे बारे में क्या जानते हैं? मेरे जीवन के बारे में क्या जानते हैं? यह मेरा इंस्टाग्राम है और मैं जो चाहे पोस्ट कर सकती हूं।' इसके साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे किसी के ऑनलाइन शेयर किए गए कंटेंट के आधार पर उनके जीवन के बारे में सब कुछ जान सकते हैं।

कई महीनों से सोशल मीडिया ब्रेक पर थीं

अनुपमा परमेश्वरन ने कई महीनों पहले सोशल मीडिया से ब्रेक लिया था। आखिरी बार उन्होंने फरवरी में अपने बर्थ डे पर फैंस को शुक्रिया कहा था। उसके बाद उन्होंने एक नई पोस्ट शेयर की जिसमें वह पीले रंग की ड्रेस में काफी खूबसूरत दिखाई दे रही थीं। मगर इसके साथ उन्होंने कैप्शन में खुद को चुनने और आजादी के बारे में लिखा था। इसे पढ़कर फैंस ने उनके और ध्रुव के रिश्ते पर सवाल खड़े किए। हालांकि इस रिश्ते के बारे में न कभी अनुपमा ने कोई बयान दिया न ही ध्रुव ने ही अधिकारिक रूप से कुछ कहा।

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष का कचरा बनेगा करोड़ों का कारोबार मलबा हटाएंगी कंपनियां, उपग्रहों की मरम्मत भी होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष के हजारों निष्क्रिय उपग्रह, इस्तेमाल हो चुके रॉकेटों के हिस्से और टकराव से पैदा हुए मलबे के टुकड़े भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए खतरा बन रहे हैं और इसी खतरे में निजी कंपनियां नए कारोबारी अवसर तलाश रही हैं। ऑर्बिट रडार के अनुसार अंतरिक्ष में करीब 30 हजार वस्तुओं को ट्रैक किया जा रहा है। इनमें लगभग 18,500 सक्रिय उपग्रह हैं, जबकि बाकी मलबा या इस्तेमाल हो चुके रॉकेट के हिस्से हैं। पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थिति तेजी से बदल रही है। यहां हजारों उपग्रहों के साथ दशकों की अंतरिक्ष गतिविधियों से पैदा हुआ मलबा भी मौजूद है। यही संकट अब अंतरिक्ष में एक नए सेवा उद्योग की नींव रख रहा है। जापान की कंपनी एस्ट्रोस्केल ऐसे अंतरिक्ष यान विकसित कर रही है, जो कक्षा में जाकर निष्क्रिय वस्तुओं को पकड़ सकें और उन्हें हटाने में मदद करें। कंपनी ने कक्षा में दूसरे अंतरिक्ष यान से जुड़ने की क्षमता का प्रदर्शन भी किया है। यह काम बेहद जटिल है। पृथ्वी की निचली कक्षा में वस्तुएं करीब 7 से 8 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से चलती हैं और कई निष्क्रिय उपग्रह अनियंत्रित ढंग से घूमते रहते हैं। लक्समबर्ग की कंपनी क्लियरस्पेस मलबा हटाने से आगे बढ़कर उपग्रहों की जांच, मरम्मत, रखरखाव और उनकी उम्र बढ़ाने का बाजार तैयार करना चाहती है।

युद्ध का दंश: गाजा मददगारों ने इस्राइल पर लगाए प्रताड़ना के आरोप, अंधेरे कंटेनर और बिजली के झटकों का किया दावा

पेरिस/इस्तांबुल, एजेंसी। मई मध्य में ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला संगठन के कुछ कार्यकर्ता समुद्र के रास्ते सहायता लेकर गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान इस्राइली सैन्य बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। छूटने के बाद 24 में 22 कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि उन्हें हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया गया। लात-घूंसों से पीटा गया, अंधेरे कंटेनरों में रखा गया। यही नहीं, उन्हें बिजली के झटके दिए गए और उनका यौन उत्पीड़न भी किया गया। पीड़ितों ने बताया कि मई मध्य में लगभग 50 नौकाओं से 400 से अधिक कार्यकर्ता तुर्किये से रवाना हुए थे। उनका इरादा युद्धग्रस्त गाजा के लोगों के लिए भोजन और आवश्यक मानवीय सहायता पहुंचाना था। गाजा तट से काफी पहले अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में ही इस्राइली नौसेना के कमांडो ने इस बेड़े को अपने कब्जे में ले लिया। कार्यकर्ताओं को पहले इस्राइली जहाजों पर और बाद में दक्षिणी इजरायल के अश्दोद बंदरगाह पर लगभग तीन दिनों तक हिरासत में रखा गया। इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने इस दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया गया, जिसमें वह हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं का मजाक उड़ाते नजर आए थे। इस बीच, इस्राइल ने कार्यकर्ताओं के लगाए आरोपों को निराधार बताया है। ऑस्ट्रेलियाई फिल्म निर्माता और कार्यकर्ता जूलियट लैमोंट ने आरोप लगाया कि उन्हें एक शिपिंग कंटेनर के अंदर गंभीर रूप से पीटा गया और यौन उत्पीड़न किया गया। वहीं, इतालवी कार्यकर्ता डेरियो कैरोतेनुतो ने बताया कि उन्हें और अन्य लोगों को बेहद तंग जगहों पर फर्श पर सोने के लिए मजबूर किया।

पहले पति संग खूनी जंग, अब यूक्रेन के ड्रोन से मुकाबला; रूस की सबसे रईस महिला का साम्राज्य संकट में

मॉस्को/बर्लिन, एजेंसी। वह सात बच्चों की मां हैं, कभी अंग्रेजी टीचर रहीं और फिर जब यूरोपीय कैटलॉग से कपड़े बेचना शुरू किया तो किस्मत पलट गई। तात्याना किम की ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज ने रूस में अपना दबदबा बना लिया। उनके साम्राज्य का अंदाजा इसी से लगता है कि वह रशियन अमेजन कहलाती हैं। सबसे अमीर रूसी महिला को राष्ट्रपति पुतिन की सेना का साथ देने की सजा 49,000 करोड़ के नुकसान से चुकानी पड़ी है। उनका कारोबार यूक्रेन के 'ऑपरेशन वाइल्डबेरीज' का निशाना बन रहा है। तात्याना किम की कहानी में बारूद नया नहीं है। साल 2024 में जब उन्होंने क्रेमलिन यानी रूसी राष्ट्रपति भवन की मध्यस्थता से एक आउटडोर विज्ञापन कंपनी के साथ विलय किया, तो उनके पूर्व पति व्लादिस्लाव बकालचुक ने इसे कॉरपोरेट रेड करार दे डाला। विवाद इतना बढ़ा कि व्लादिस्लाव बाकायदा हथियारबंद चेचन लड़ाकों की फौज लेकर मॉस्को स्थित कंपनी के मुख्य दफ्तर पहुंच गया। रेड स्क्वायर के पास हुई इस खूनी गैंगवार में 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 7 गंभीर रूप से घायल हुए।

एक सदी बाद मिटा गुमनामी का दाग: प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुए थे 9,909 पंजाबी सैनिक; इतिहास में दर्ज हुआ नाम

लंदन, एजेंसी। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ते हुए जान गंवाने वाले करीब 10,000 पंजाबी सैनिकों को आखिरकार एक सदी बाद आधिकारिक पहचान मिल गई है। वर्षों तक ब्रिटेन के सरकारी रिकॉर्ड में गुमनाम रहे इन सैनिकों के नाम अब कॉमनवेल्थ वार ग्रेव कमीशन के रजिस्टर में दर्ज किए गए हैं। यह काम ब्रिटिश इतिहासकारों और अधिकारियों की वर्षों की मेहनत के बाद संभव हो पाया है। इस ऐतिहासिक कवायद में 9,909 सैनिकों के नाम आधिकारिक शहीद रिकॉर्ड में शामिल किए गए हैं।

भारत में ब्रिटिश शासन के दौर में पंजाब के एक गांव में रहने वाले केसा सिंह भी उन सैनिकों में शामिल थे, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में हिस्सा लेने के लिए अपना घर-परिवार छोड़ दिया था। उन्होंने मौजूदा इराक के इलाके में ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ाई लड़ी। ऑटोमन क्षेत्र में युद्ध के दौरान घायल होने के बाद उनकी मौत हो गई और वह फिर कभी अपने घर नहीं लौट सके। हालांकि, ब्रिटेन के आधिकारिक रिकॉर्ड में उन्हें वह सम्मान और पहचान नहीं मिल सकी, जिसकी उनके परिवार को उम्मीद थी।

लाहौर संग्रहालय के अभिलेखागार से कैसे मिली सैनिकों की पहचान : इन गुमनाम सैनिकों की पहचान का प्रयास 2014 में शुरू हुआ था। इसका

नेतृत्व ब्रिटिश इतिहासकार और यूके पंजाब हेरिटेज एसोसिएशन के अध्यक्ष अमनदीप मंद्रा ने किया। शोध के दौरान पाकिस्तान के लाहौर संग्रहालय के अभिलेखागार में प्रथम विश्वयुद्ध में मारे गए पंजाबी सैनिकों के हाथ से लिखे नाम मिले। इन दस्तावेजों से सैनिकों की पहचान, उनके गृह नगर और कुछ मामलों में उनकी मौत से जुड़ी परिस्थितियों का भी पता चला।

14 लाख भारतीय सैनिकों ने प्रथम विश्वयुद्ध में निभाई थी भूमिका : 1914 से 1918 के बीच चले प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप के करीब 14 लाख सैनिकों ने ब्रिटिश भारतीय सेना में सेवा दी थी। इनमें बड़ी संख्या पंजाब से आने वाले सैनिकों की थी। इन सैनिकों ने ब्रिटिश सेना के लिए विभिन्न युद्ध मोर्चों पर लड़ाई लड़ी, लेकिन युद्ध में जान गंवाने के बावजूद बड़ी संख्या में भारतीय सैनिकों को आधिकारिक रिकॉर्ड में वह पहचान नहीं मिली, जो ब्रिटिश सैनिकों को दी गई थी। इंग्लैंड के लीसेस्टर में रहने वाले केसा सिंह के परपोते और डेंटिस्ट डॉ. इंदर सिंह पालाहे ने इस ऐतिहासिक बदलाव पर कहा कि अब उन्हें थोड़ा अधिक पूर्ण महसूस हो रहा है। हालांकि, आधिकारिक रिकॉर्ड में केसा सिंह की उम्र या उनकी मृत्यु की तारीख का उल्लेख नहीं है, लेकिन उनका नाम अब उन सैनिकों की सूची में दर्ज हो गया है, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में अपनी जान गंवाई थी।

नस्ली भेदभाव के कारण क्यों छूट गए थे हजारों सैनिकों के नाम : ब्रिटेन ने दोनों विश्वयुद्धों में मारे गए ब्रिटिश सैनिकों की सूचियों को व्यवस्थित तरीके से संभालकर रखा। इनकी संख्या 10 लाख से अधिक थी। इसके विपरीत, एशिया और अफ्रीका के उपनिवेशों से आने वाले करीब 1 लाख सैनिकों और अन्य सैन्यकर्मियों के रिकॉर्ड को उसी तरह संरक्षित और दर्ज करने का प्रयास नहीं किया गया। कॉमनवेल्थ वार ग्रेव्स कमीशन के आधिकारिक इतिहासकार जॉर्ज हे के अनुसार, इन सैनिकों के नाम रिकॉर्ड से छूटने के पीछे भेदभावपूर्ण रवैया और तीन महाद्वीपों में फैले सैन्य संघर्ष के दौरान रिकॉर्ड तैयार करने की व्यावहारिक चुनौतियां, दोनों जिम्मेदार थीं।

2021 की जांच में भी सामने आया था नस्लवाद का पहलू : कॉमनवेल्थ वार ग्रेव्स कमीशन की स्थापना 1917 में उन सैन्यकर्मियों की मौतों का रिकॉर्ड तैयार करने और उन्हें याद रखने के लिए की गई थी, जिन्होंने दोनों विश्वयुद्धों में ब्रिटेन की ओर से लड़ाई लड़ी थी। हालांकि, 2021 में हुई एक जांच में पाया गया था कि उपनिवेशों से आने वाले सैनिकों को आधिकारिक मान्यता नहीं मिलने के पीछे पूर्वाग्रह और नस्लवाद भी एक महत्वपूर्ण कारण था। अब वर्षों की खोज और ऐतिहासिक दस्तावेजों की पड़ताल के बाद 9,909 पंजाबी सैनिकों के नाम आधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल किए गए हैं। यह कदम उन भारतीय सैनिकों को एक सदी बाद सम्मान और पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई थी।

दुनिया का आखिरी परमाणु हमला, एक झटके में पिघली शरीर की चमड़ी, लाखों की हुई थी मौत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। 6 अगस्त और 9 अगस्त 1945, यह वह दो तारीखें हैं, जब पूरी दुनिया को परमाणु बमों के जोखिम और इनके इस्तेमाल से होने वाले सर्वनाश का पहली और आखिरी बार पता चला था। जहां पहली तारीख हिरोशिमा में अमेरिकी परमाणु हमले की है तो वहीं दूसरी तारीख अमेरिका के ही नागासाकी पर हमले की है। दोनों ही घटनाओं में 1.5 लाख से 2.5 लाख लोगों की जान चली गई थी। आज इन घटनाओं को 81 साल पूरे हो चुके हैं। आइये जानते हैं दुनिया के दो पहले और आखिरी परमाणु हमलों के बारे में। जापान में रोज की तरह एक सामान्य सुबह हुई थी। हर कोई अपने रोजमर्रा के काम को निपटा रहा था। कई लोग दफ्तर जा रहे थे। बच्चे स्कूल में पढ़ रहे थे। तभी जापानी समय के अनुसार 8:15 पर हिरोशिमा शहर के बीच में एक तेज धमाका हुआ, आंखों को अंधा कर देने वाली तेज रोशनी चमकी, आसमान की तरफ एक बड़ा धुएं का गुबार उठा और सब कुछ तबाह हो गया। इस सुबह ने हिरोशिमा के लोगों की जिंदगी में तबाही मचा दी। एक झटके में हजारों लोग मारे गए। यह हिरोशिमा पर परमाणु हमला था जो अमेरिका की तरफ से कराया गया था। इसके बाद 9 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के एक और शहर नागासाकी पर दूसरा परमाणु हमला किया। इन दोनों हमले में लाखों निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। इस हमला इतना भयानक था कि धमाके की आवाज से लोग बहरे हो गए। इसकी तेज रोशनी ने लोगों को अंधा कर दिया। धमाके से उत्पन्न होने वाली गर्मी से लोगों का चमड़ी पिघल गई थी।

हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमला : अमेरिकी ऊर्जा विभाग के द्वारा चलाए गए मैनहैटन प्रोजेक्ट की एक रिपोर्ट से पता चला कि 6 अगस्त, 1945 की सुबह, एनोला गे नामक एक बी-29 बमवर्षक विमान तिनियान द्वीप से उड़ान भरकर उत्तर-पश्चिम दिशा में जापान की ओर बढ़ रहा था। बमवर्षक का मुख्य लक्ष्य हिरोशिमा शहर था। हिरोशिमा की नागरिक आबादी लगभग 3,00,000 थी और यह एक महत्वपूर्ण सैन्य केंद्र था, जिसमें लगभग 43,000 सैनिक थे। 509वें कम्पोजिट ग्रुप के कमांडर कर्नल पॉल टिब्बेट्स द्वारा संचालित बमवर्षक विमान ने हिरोशिमा समय के अनुसार लगभग 8:15 बजे एनोला गे ने शहर के ऊपर अपना 9,700 पाउंड का यूरेनियम गन-प्रकार का बम 'लिटिल बॉय' गिरा दिया। जापान इससे पहले हिरोशिमा के हमले से उबर ही पाता कि अमेरिका ने ठीक तीन दिन बाद जापान के नागासाकी पर हमला कर दिया। 9 अगस्त, 1945 को अमेरिकी वायुसेना के मेजर चार्ल्स स्वीनी द्वारा संचालित 'बॉक्सकार' नामक यूएसएएएफ बी-29 विमान से 'फैट मैन' गिराया गया था।

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की सेहत पर अटकलें: सामने आया नया वीडियो क्या है इसकी सच्चाई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर चिंताओं के बीच उनका कथित नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो को ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने शनिवार को जारी किया। इस बिना तारीख वाले वीडियो में मोजतबा खामेनेई की तबीयत ठीक दिखाई दे रही है। वह कुछ लोगों के साथ बैठके हुए हैं और उनसे बातचीत कर रहे हैं। जबकि सामने बैठे लोग उनकी बातों को ध्यान से सुनते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, अभी यह पता नहीं चल पाया है कि यह वीडियो कब बनाया गया था। यह भी पुष्टि नहीं हुई है कि वीडियो में दिखाई दे रहा व्यक्ति मोजतबा खामेनेई ही है। हालांकि, शुक्रवार को ईरानवायर ने राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के प्रशासन के करीबी सूत्रों के हवाले से बताया था कि मोजतबा खामेनेई के 'बेहद गंभीर हालत' में होने की अफवाहें चल रही हैं।

इस्राइली मीडिया ने क्या दावा किया : इस्राइल के कुछ मीडिया संस्थानों ने भी खबर दी कि मोजतबा 'गंभीर हालत' में हैं। जेरूसलम पोस्ट ने एक सूत्र के हवाले से कहा, अगर हमें जल्द ही उनकी शहादत की खबर सुनने को मिले तो हमें हैरानी नहीं होगी।

अली खामेनेई की मौत के बाद सर्वोच्च नेता बने मोजतबा : मोजतबा खामेनेई अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता बने। उनके पिता की 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों में मौत हो गई थी। इन्हीं हमलों के बाद से युद्ध शुरू हुआ और अब भी जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन्हीं हमलों में मोजतबा घायल हो गए थे और उनके शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचने की भी आशंका जताई गई थी। उनका इलाज चल रहा है। हमले के बाद से वह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। सर्वोच्च नेता बनाए जाने के बाद भी वह सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए। यहां तक कि पिछले महीने हुए अपने पिता के नमाज-ए-जनाजा में भी वह दिखाई नहीं दिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोजतबा अपनी सुरक्षा के लिए ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे बात नहीं कर रहे हैं।

हिमांशी खुराना हत्याकांड का महीनों बाद खुला राज: एयरपोर्ट से साथी अब्दुल गफूरी गिरफ्तार, कनाडा में था वांटेड

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की दिसंबर में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने महीनों बाद उनके साथी 32 वर्षीय अब्दुल गफूरी को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। गफूरी पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया है और वह कनाडा-व्यापी वारंट के तहत वांछित था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता और संदिग्ध एक-दूसरे को जानते थे। मामले में कानूनी कार्यवाही जारी है।

अब्दुल गफूरी को कहां से किया गया गिरफ्तार : टोरंटो निवासी गफूरी को शुक्रवार को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को स्थानीय समयानुसार बताया कि उस पर खुराना की 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' यानी पूर्व नियोजित और जानबूझकर की गई हत्या का

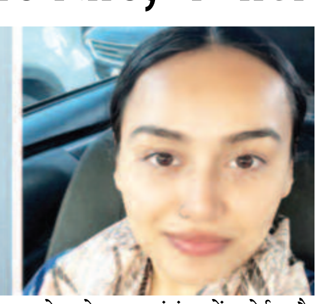

आरोप लगाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, टोरंटो पुलिस के भगोड़े आरोपियों को पकड़ने वाले दस्ते और हत्या की जांच करने वाली यूनिट ने गफूरी को कनाडा वापस लाने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुलिस सेवाओं के साथ मिलकर काम किया।

किस देश में था गफूरी, पुलिस ने क्यों नहीं बताया : हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि गिरफ्तारी से पहले गफूरी किस देश में था। पुलिस की ओर से इस संबंध में कोई और जानकारी भी साझा नहीं की गई है। हिमांशी खुराना पिछले साल 20 दिसंबर को मृत पाई गई थीं। अधिकारियों ने बताया था कि इससे एक दिन पहले, 19 दिसंबर को स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके से एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली थी। अगले दिन पुलिस को उस समय दुखद जानकारी मिली, जब लापता महिला हिमांशी खुराना एक घर के अंदर मृत पाई गईं।

पुलिस को कब पता चला कि मामला हत्या का है : पुलिस ने पुष्टि की थी कि पीड़िता और संदिग्ध एक-दूसरे को जानते थे। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने इस मामले को हत्या के रूप में दर्ज किया था। टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भारतीय मूल की महिला की हत्या पर दुख व्यक्त किया था। दूतावास ने कहा था कि अधिकारी पिछले कुछ दिनों से मामले पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और कनाडाई अधिकारियों के साथ मिलकर परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। अब्दुल गफूरी 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' के आरोप में कनाडा-व्यापी वारंट के तहत वांछित था। यह एक गंभीर आपराधिक आरोप है, जिसमें अदालत में हत्या के पूर्व नियोजन और इरादे को साबित किए जाने पर पैरोल के बिना आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

ब्राजील में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त: जंगल में आग लगी, तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौत; कैसे हुआ हादसा

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के शहर रियो डी जनेरियो में एक हेलिकॉप्टर जंगल वाले इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दमकल विभाग ने बताया कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। हादसा शनिवार (स्थानीय समय) को सुबह करीब 11:11 बजे ऑल्टो दा बोआ विस्टा के विस्टा चिनेसा इलाके में हुआ। दमकल विभाग को घटनास्थल पर भेजा गया। बाद में घने पेड़-पौधों वाले इलाके में हेलिकॉप्टर का मलबा मिला। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, विशेष दलों ने जमीन के रास्ते हादसे वाली जगह तक पहुंचकर राहत और बचाव का काम शुरू किया। हेलिकॉप्टर गिरने के बाद वहां आग भी लग गई थी, जिसे बुझाने के लिए दमकल की टीमें तैनात

की गईं। हादसे में हेलीकॉप्टर का पायलट और कोलंबिया की तीन महिलाएं सवार थीं। तीनों महिलाएं एक ही परिवार की सदस्य थीं। अधिकारियों ने शुरुआत में चार लोगों की मौत की पुष्टि की। लेकिन मृतकों की पहचान और अन्य जानकारी अभी जारी नहीं की गई। रियो डी जनेरियो के मेयर ने क्या कहा रियो डी जनेरियो के मेयर एडुआर्डो कैवेलिएरे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, विस्टा चिनेसा के पास तिजुका नेशनल पार्क में आज हुए हेलिकॉप्टर हादसे के पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने बताया कि उन्होंने ब्राजील की विमानन एजेंसी (एएनएसी) के अधिकारियों से भी संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि रियो प्रशासन ने एएनएसी से तुरंत कार्रवाई करने और निगरानी बढ़ाने को कहा है। साथ ही, शहर में लगातार बढ़ रही हेलिकॉप्टर उड़ानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि जरूरी कदम उठाने और कार्रवाई में मदद के लिए रियो प्रशासन अपनी पूरी व्यवस्था एएनएसी को उपलब्ध कराएगा। इससे पहले जून में रियो के ऊपर दो हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए थे। मरने वालों में अमेरिकी गायक ओलिवर ट्री और अर्जेंटीना के यूट्यूबर गैस्पर प्रिम भी शामिल थे। पिछले साल ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी राज्य साओ पाउलो के पर्यटन शहर उबातुबा में समुद्र तट के पास एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की चपेट में आ गया था।

शर्तें मानेगा अमेरिका, तभी खुलेगा होर्मुज': आईआरजीसीकी चेतावनी; ओमान से समझौते के कितने करीब ईरान

तेहरान, एजेंसी। यमनी सशस्त्र बलों ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर मारिब शहर में फिर से हमले करने का आरोप लगाया है। यमनी सेना के मुताबिक, इन हमलों में रिहायशी इलाकों और विस्थापित लोगों के रहने वाले शिविरों को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया गया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यमनी सशस्त्र बलों ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जारी एक बयान में शनिवार को हुए हमलों के लिए ईरान समर्थित हूतियों को जिम्मेदार ठहराया। बयान में कहा गया कि हमलों का निशाना मारिब शहर, उसके इलाकों और घनी आबादी वाले उन शिविरों को बनाया गया, जहां स्थानीय लोग और विस्थापित लोग रह रहे हैं।

हमले में दो लोगों की मौत और 14 घायल : इसी बीच, राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के सदस्य मेजर जनरल सुल्तान बिन अली अल-अरादा ने मारिब में सुरक्षा और सैन्य समिति के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सगीर बिन अजीज भी शामिल हुए। हूती विद्रोहियों के मिसाइल और ड्रोन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। एक सैन्य सूत्र के हवाले से बयान में कहा गया कि इन हमलों का जवाब उचित समय और उचित जगह पर दिया जाएगा। इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने शनिवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका ईरान की शर्तों को 'पूरी तरह' स्वीकार करेगा। वहीं, तेहरान और ओमान ने कहा है कि वे इस अहम समुद्री मार्ग के लिए एक नए जहाजरानी प्रोटोकॉल पर समझौते के 'बहुत करीब' पहुंच गए हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के लिए एक अहम समुद्री मार्ग है।

आईआरजीसी ने क्या कहा : आईआरजीसी के प्रवक्ता सरदार मोहेबी ने कहा कि जलडमरूमध्य को दोबारा खोलना 'कुछ खास व्यवस्थाओं और शर्तों' पर निर्भर करेगा। उनके अनुसार, जलडमरूमध्य तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका ईरान की शर्तों को पूरी तरह स्वीकार करे और क्षेत्रीय बातचीत में दखल देना बंद करे। यह बयान उस समय आया, जब ईरानी अधिकारियों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही के लिए नए प्रोटोकॉल और इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने की शर्तों को लेकर ओमान के साथ बातचीत की।

अमेरिका के सामने ईरान ने क्या शर्तें रखीं : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही के लिए नई व्यवस्था पर समझौते तक पहुंचने के 'बहुत करीब' हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से पहले कुछ अतिरिक्त शर्तें पूरी करनी होंगी। इनमें अमेरिका की ओर से ईरान को मुआवजा दिया जाना भी शामिल है। अल जजीरा के मुताबिक, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहम्मद बाघेर ज़ोलघद्र ने कई शर्तें बताईं। इनमें ईरान के खिलाफ अमेरिका की धमकियां बंद करना, फारस की खाड़ी के इस देश और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकना, नाकाबंदी में शामिल नौसेना और वायुसेना की ताकतों को वापस बुलाना, संघर्ष के दौरान हुए नुकसान का मुआवजा देना, प्रतिबंध हटाना और ईरान की जब्त की गई संपत्तियों को फिर से जारी करना शामिल है।

लड़ाई में हथियार घटने से अमेरिका परेशान: ईरान जंग ने खोली पोल; पेंटागन ने डिफेंस कंपनियों को दिया नया टारगेट

तेहरान, एजेंसी। ईरान के साथ हालिया संघर्ष में अमेरिकी मिसाइल इंटरसेप्टर और अन्य गोला-बारूद के इस्तेमाल से हथियारों का भंडार काफी घट गया है। इसी चिंता के बीच पेंटागन ने रक्षा कंपनियों से उत्पादन क्षमता बढ़ाने और हथियारों की डिलीवरी में तेजी लाने की योजना मांगी है। कंपनियों को 21 दिनों के भीतर अपनी योजनाएं देने को कहा गया है। पैट्रियट और थ्आड जैसे अहम एयर डिफेंस इंटरसेप्टर के घटते स्टॉक ने अमेरिका के सामने अपने रक्षा भंडार को तेजी से फिर से भरने की चुनौती खड़ी कर दी है।

पेंटागन आखिर हथियारों का उत्पादन बढ़ाने पर इतना जोर क्यों दे रहा है : पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने शनिवार को एक बयान में कहा कि रक्षा विभाग गोला-बारूद की खरीद बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रहा है, ताकि 'हमारे सैनिकों को जरूरत और खतरे के मुताबिक तेजी से हथियार उपलब्ध कराए जा सकें।' उन्होंने पिछले हफ्ते इस प्रक्रिया में तेजी लाने के विभाग के प्रयासों की पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कदम रक्षा क्षमताओं के आधुनिकीकरण के उस व्यापक अभियान का हिस्सा है, जो पांच महीने पुराने संघर्ष से पहले ही शुरू हो चुका था।

डिफेंस कंपनियों को 21 दिनों में क्या योजना देने को कहा गया है : द वॉशिंगटन पोस्ट' को मिले एक मेमो के अनुसार, डिप्टी डिफेंस सेक्रेटरी स्टीव फीनबर्ग ने बुधवार को रक्षा उद्योग के नेताओं को पत्र लिखकर उनसे महत्वपूर्ण क्षमताओं के लिए डिलीवरी शेड्यूल को 'काफी तेज और आक्रामक' बनाने और/या उत्पादन बढ़ाने की योजनाएं जमा करने को कहा है। कंपनियों को यह योजना तैयार करने के लिए 21 दिनों से ज्यादा का समय नहीं दिया गया है। फीनबर्ग ने पत्र में लिखा हमें अपने कार्यक्रमों की समय सीमा तेजी से आगे बढ़ानी होगी और अभी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी।

ईरान के साथ लड़ाई के बाद अमेरिकी मिसाइल भंडार पर कितना असर पड़ा : एक नए विश्लेषण के

अनुसार, यह मेमो ऐसे समय में आया है, जब ईरान के साथ हालिया लड़ाई में अमेरिकी सेना के उन्नत मिसाइल इंटरसेप्टर का भंडार और कम हो गया है। इससे यह चिंता बढ़ गई है कि अगर लड़ाई दोबारा शुरू होती है, तो अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा और बढ़ सकता है। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक 'सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के विश्लेषण के मुताबिक, पैट्रियट और थ्आड इंटरसेप्टर के घटते भंडार के कारण अमेरिका और उसके मध्य-पूर्वी सहयोगियों को अपने एयर डिफेंस सिस्टम की सुरक्षा के लिए अधिक जोखिम उठाना पड़ सकता है।

कम मिसाइलें होने पर अमेरिकी एयर डिफेंस के सामने क्या चुनौती होगी : विश्लेषण में कहा गया है कि अमेरिकी सेना ईरान की ओर से आने वाले ड्रोन और मिसाइलों के खिलाफ कम संख्या में इंटरसेप्टर दाग सकती है। इसका सीधा असर एयर डिफेंस की प्रभावशीलता पर पड़ सकता है और आने वाली मिसाइलों या ड्रोन के बच निकलने की संभावना बढ़ सकती है।

ट्रंप ने हथियारों की कमी की खबरों पर क्या कहा : हाल के दिनों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गोला-बारूद की कमी से जुड़ी सार्वजनिक रिपोर्टों पर नाराजगी जताई है। गुरुवार को उन्होंने 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका के पास 'भारी मात्रा में' हथियारों का भंडार है। जरूरत के हिसाब से बड़ी मात्रा में इनका उत्पादन किया जा रहा है और अमेरिका भेजा जा रहा है।

शनिवार को शॉन पार्नेल ने पुष्टि की कि हथियारों का उत्पादन तेजी से बढ़ाने के लिए फीनबर्ग की ओर से भेजा गया मेमो 'वास्तविक' है। उन्होंने कहा कि यह मेमो कांग्रेस के समक्ष फंडिंग के लिए पेश किए जाने वाले वित्त वर्ष 2028 के बजट की तैयारियों में मदद करेगा। पार्नेल ने इसे रक्षा औद्योगिक आधार को फिर से मजबूत करने के पेंटागन के जारी प्रयासों के अनुरूप बताया। कांग्रेस में फिलहाल रक्षा खर्च से जुड़ा एक विधेयक अटका हुआ है। सांसद ईरान के खिलाफ ट्रंप की सैन्य कार्रवाई को लेकर नाराज हैं और व्हाइट हाउस की उस मांग का विरोध कर रहे हैं, जिसमें पेंटागन का बजट पिछले साल के करीब 900 अरब डॉलर से बढ़ाकर 1.5 ट्रिलियन डॉलर करने की बात कही गई है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)